



बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर

BASTAR VISHWAVIDYALAYA, JAGDALPUR

(धरमपुरा) ज़िला – बस्तर (छ.ग., भारत) 494005
(Dharampura) Distt.-Bastar (C.G., India) 494005
Phone 07782-229037, Fax 07782-229037, www.bvvjdp.ac.in

(28)

क्रमांक / १२५९ / ब.वि.वि. / 2016
प्रति.

जगदलपुर, दिनांक २६/०७/२०१६

1. प्राचार्य,
 समस्त शासकीय/अशासकीय महाविद्यालय,
 (बस्तर विश्वविद्यालय से संबद्ध)
 बस्तर – संभाग (छ.ग.)
2. दिभागाध्यक्ष,
 समस्त अध्ययनशाला,
 बस्तर विश्वविद्यालय,
 जगदलपुर (छ.ग.)

विषय :— छत्तीसगढ़ के शैक्षणिक संरथाओं के लिए सत्र 2016–17 हेतु प्रवेश मार्गदर्शिका
सिद्धांत।

संदर्भ :— संयुक्त संचालक, उच्च शिक्षा, नया रायपुर का पत्र क्रमांक 112/228/आउशि/
समन्वय/16 नया रायपुर दिनांक 13.05.2016 (संलग्न)

* * * * *

उपरोक्त संदर्भित विषयान्तर्गत लेख है कि छत्तीसगढ़ राज्य के शैक्षणिक
संस्थाओं के लिए सत्र 2015–16 हेतु जारी प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत शैक्षणिक सत्र 2016–17
के लिए यथायत लागू होंगे।

संलग्न :— उपरोक्तानुसार

कुलसचिव

बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर (छ.ग.)

जगदलपुर, दिनांक २६/०७/२०१६

पृक्रमांक / १२५३ / ब.वि.वि. / 2016

प्रतिलिपि :—

01. कुलपति के निज सहायक बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर की ओर सूचनार्थ प्रेषित।

कुलसचिव

बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर (छ.ग.)

उदाहरण क्रमांक 1850
दिनांक 21/6/16

कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा संचालनालय
ब्लाक सी-30, द्वितीय एवं तृतीय तल, इन्द्रावती भवन
नया रायपुर (छोगो)

May

282

क्रमांक- 112/228/आउशि/समन्वय/16

नया रायपुर दिनांक 17/05/16

प्रति,

1. कुलसचिव,
रागत सिविद्यालय
छत्तीसगढ़।
2. प्राचार्य,
समरत अध्यापी महाविद्यालय
छत्तीसगढ़।

विषय :- छत्तीसगढ़ के शैक्षणिक संस्थाओं के लिए सत्र 2016-17 हेतु प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत।

संदर्भ :- अवर सचिव छ.ग.शासन उच्च शिक्षा विभाग का पत्र क. 4077/2282/2014/
38-2 / 2014/38-2 रायपुर दिनांक 12.05.2016

—00—

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि छोटोशासन, उच्च शिक्षा विभाग के संदर्भित पत्र द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के शैक्षणिक संस्थाओं के लिये सत्र 2015-16 हेतु जारी प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत शैक्षणिक सत्र 2016-17 के लिए यथावत लागू होंगे।

कृपया आप अपने एवं अपने अधीनस्थ समस्त शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों को पत्र की छापप्रति उपलब्ध कराते हुये, प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत 2016-17 में दिये गये प्रावधानों का कहाई से पालन करना सुनिश्चित करायें।

(डॉ. किरण मजपाल)

संयुक्त संचालक
उच्च शिक्षा, नया रायपुर

पृष्ठमांक- 228/आउशि/समन्वय/16 नया रायपुर दिनांक 05/16

प्रतिलिपि -

- मेरी विवेदनालय
मेरी पुस्तकालय
कार्यालय
13/5/2016
A.R. Alum
Jn
13/6/16*
1. युनिवर्सिटी सचिव, छ.ग.शासन, उच्च शिक्षा विभाग की ओर संदर्भित पत्र के संदर्भ में सूचनार्थ।
 2. क्षेत्रीय अवर संचालक, क्षेत्रीय कार्यालय उच्च शिक्षा विलासपुर/जगदलपुर/अभिकाष्ठा की ओर सूचनार्थ।

J.
संयुक्त संचालक
उच्च शिक्षा, नया रायपुर

१. प्रयुक्ति :-

- १.१ ये मार्गदर्शक सिद्धांत छत्तीसगढ़ के जनी शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों में छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय अधिनियम-1973 के तहत अध्यादेश क्रमांक ६ एवं ७ के प्रावधान के साथ सहपड़ित करते हुए लागू होंगे तथा समस्त प्राचार्य इनका पालन सुनिश्चित करेंगे।
- १.२ प्रवेश के नियमों को शासकीय तथा अशासकीय महाविद्यालयों को कड़ाई से यालन करना होगा। प्रवेश से आशय स्नातक कक्षा के प्रथम यर्ट अथवा प्रथम सेमेस्टर तथा स्नातकोत्तर कक्षा तो पूर्व अथवा प्रथम सेमेस्टर से है।

२. प्रवेश की तिथि :-

२.१ प्रवेश हेतु आवेदन पत्र जमा करना :-

आवेदक द्वारा महाविद्यालय ने प्रवेश के लिए प्राचार्य द्वारा निर्धारित आवेदन पत्र, समस्त प्रमाण पत्रों सहित निर्धारित दिनांक तक महाविद्यालय में जमा किये जाएंगे। विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि की सूचना महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा सूचना पटल पर कम से कम सात दिन पूर्व लगाई जायेगी। प्रवेश हेतु बोर्ड/विश्वविद्यालय द्वारा अंकसूची प्रदान न किये जाने की स्थिति में पूर्व संस्था के संबंधित प्राचार्य द्वारा प्रमाणित किये जाने पर बिना अंकसूची के आवेदन पत्र जमा किये जावें।

२.२ प्रवेश हेतु अंतिम तिथि निर्धारित करना :-

स्थानांतरण प्रकरण को छोड़कर ३१ जुलाई तक प्राचार्य स्वयं तथा १४ अगस्त तक युलमपति की अनुनति से प्राचार्य प्रवेश देने में सक्षम होंगे। परीक्षा परिणाम विलम्ब से घोषित होने की स्थिति में प्रवेश की अंतिम तिथि महाविद्यालय में परीक्षा परिणाम प्राप्त होने की तिथि से १० दिन तक अथवा विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा परीक्षा परिणाम घोषित होने की तिथि से १५ दिन तक, जो भी पहले हो सक्य होगी। कड़िका ५.१ (क) में उल्लेखित कर्मचारियों के स्थानांतरित होने पर प्रवेश की अंतिम तिथि के बाद प्रवेश बाहने वाले उनके गुरु-पुत्र-पुत्रियों को स्थान रिक्त होने पर ही सब के दौरान उपेता दिया जाये किन्तु इसके लिए कर्मचारी द्वारा कार्यमार गहर करने का द्वनाण-पत्र प्रसुत करना एवं आवेदक का प्रवेश हेतु निर्धारित अंतिम तिथि के पूर्व अन्य महाविद्यालय में प्रवेश होने की स्थिति में ही एवेज दिया जायेगा।

स्पष्टीकरण :-

आवेदक 'क' ने किसी अन्दरूनी स्थान (अ) के महाविद्यालय में नियमानुसार किसी चलन में प्रवेश लिया था। उसके बाद उसके पालक का स्थानांतरण अथवा 'ब' में हो गया, इस स्थान (ब) के किसी महाविद्यालय में आद वह प्रवेश लेना साहमा है, किंतु ऐसा होने पर ही उसे प्रवेश दिया जायेगा। आवेदक 'क' ने स्थान (अ) में जहाँ उसके पालक कार्यरत थे किसी ने महाविद्यालय में प्रवेश भवी लिया किन्तु पालक के स्थान (ब) पर स्थानांतरण होते ही उसमें

(४) के किसी महाविद्यालय में प्रवेश लेना चाहता है। अतः अब प्रवेश के लिए निर्धारित अंत में तिथि निकल जाने के बाद अधिकारी (ख) को प्रवेश नहीं दिया जा सकता।

2.3 पुनर्मूल्यांकन में उत्तीर्ण छात्रों के लिए प्रवेश की अंतिम तिथि निर्धारित करना :-

विधि संकाय के अंतिरिक्ष अन्य संकायों के पुनर्मूल्यांकन में उत्तीर्ण छात्रों को पुनर्मूल्यांकन के परिणाम घोषित होने के 15 दिन तक संबंधित विश्वविद्यालय के कुलपति की अनुमति के पश्चात गुणानुक्रम में आने पर प्रदेश की पात्रता होगी। किन्तु विधि संकाय की पक्षाओं में गुणानुक्रम के आधार पर प्रवेश की पात्रता होने पर भी नहाविद्यालय में स्थान रिक्त होने पर ही प्रदेश दिया जायेगा। 12 वीं कक्षा में पुनर्मूल्यांकन में उत्तीर्ण छात्र-छात्रों को भी राज्य रिक्त होने पर नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।

3. प्रवेश संख्या का निर्धारण :-

3.1 महाविद्यालयों में उपलब्ध साधनों तथा कक्षा में बढ़ने वी व्यवस्था, प्रयोगशाला में उपलब्ध उपकरण/उपयोग यांत्र्य सामग्री एवं स्तरफ़ की उपलब्धता आदि के आधार पर पूर्व में दी गई छात्र संख्या (सीट) के अनुसार ही विभिन्न कक्षाओं के लिए छात्रों को प्रवेश दिया जावेगा। यदि प्राचार्य नहाविद्यालय में प्रवेश हेतु छात्र संख्या ने सीट की बृद्धि खाहते हैं तो ये 30 अप्रैल तक अपना प्रस्ताव उच्च शिक्षा संचालनालय को प्रेपित करें तथा "उच्च शिक्षा संचालनालय / उच्च शिक्षा विभाग से अनुमति प्राप्त होने पर ही बड़े हुए रथ्यान के अनुसार प्रवेश की कार्यवाही करें।"

3.2 विधि स्नातक प्रृथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षाओं में बार कौरिल द्वारा निर्धारित ग्राहकार्डों के अनुसार अधिकतम 80 विद्यार्थियों को ही प्रति सेक्षण (अधिकतम 4 सेक्षण) में प्रवेश गुणानुक्रम के आधार पर दिया जायेगा। अल्प विश्वविद्यालय/रक्षार्सी महाविद्यालय द्वारा प्रत्येक कक्षा के लिए अध्ययन के विषय/विषय समूह का निर्धारण किया गया है। प्राचार्य अपने नहाविद्यालयों में उन्हीं निर्धारित विषय/विषय समूह में नियमित प्रदेश संख्या के अनुसार ही प्रत्येक कक्षा में आवेदकों का प्रवेश दिये।

4. प्रवेश सूची :-

4.1 प्राचार्य द्वारा प्रवेश शुल्क जमा करने की नियमित अंतिम तिथि की सूचना देते हुए प्रवेश हेतु विद्यार्थियों की अईकारी परीक्षा में प्राप्ताकों एवं जाहा अधिभार देव है, वहाँ अधिभार देकर कुल प्राप्ताकों की गुणानुक्रम सूची, प्रतिशत अंक रहित, सूचना गटल पर लगाई जाएगी।

4.2 प्रवेश समिति द्वारा आवश्यक सेलर्न प्रसारण पत्रों की डाटें जो मूल प्रमाण पत्रों से मिलाते हैं वे नियमित दिये जाने एवं स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र द्वारा दिये जाने के वर्तात ही प्रदेश शुल्क जमा करने की अनुमति दी जाएगी। प्रवेश देने के तापमात्रा वाले स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र द्वारा दिया जाएगा।

4.3 नियमित शुल्क जमा करने पर ही नहाविद्यालय में प्रवेश कानून होगा। प्रवेश के पश्चात इन्द्रजीत प्रमाण-पत्र की मूल प्रति जो विश्वत वा हील लगाकर कमिशनर है उसे नियमित कर दिया जाए।

- 4.4 प्राप्तिपद्धति सूची की शुल्क जमा करने की आवेदन लिपि के बाद रप्यान रिक्विजन डोने पर उभे कक्षओं में नियमानुसार प्रवेश हेतु वित्तीय शुल्क रुपये 100/- अशासकीय नद में अतिरिक्त रुप से चरुला जायेगा। तथापि ऐसे प्रक्रियों में 31 जुलाई के पश्चात् प्रवेश की अनुमति नहीं दी जायेगी।
- 4.5 स्थानांतरण प्रमाण-पत्र की हितीय प्रति (बुप्पीकॉड) के साथार पर प्रवेश नहीं दिया जाये। स्थानांतरण प्रमाण-पत्र को जान की स्थिति में विद्यार्थी द्वारा निकटस्थ पुलिस थाने में एक आई-आर दर्ज किया जाये। पुलिस थाने की रिपोर्ट इव पुर्व प्रवेश प्राप्त संख्या से अधिकृत रिपोर्ट जिसमें मूल स्थानांतरण प्रमाण पत्र का अनुकानक एवं दिनांक का उल्लेख हो, प्राप्त होने की स्थिति में ही प्रवेश दिया जा सकता है। इस हेतु विद्यार्थी से दबन पत्र लिया जाये।
- 4.6 महाविद्यालय के ग्राहकार्य स्थानांतरण प्रमाण-पत्र जारी करने के साथ-साथ छात्र से संबंधित गोपनीय रिपोर्ट जारी करेंगे कि संबंधित छात्र शैगिंग/अनुशासनहीनता/तोड़फोड़ आदि में सलिल है या नहीं। ऐसे गोपनीय रिपोर्ट को सीलघनद लिप्ताके से बच्च कर उस महाविद्यालय के ग्राहकों को प्रेषित करेंगे जहाँ कि छात्र/छात्रा ने प्रवेश के लिए आवेदन किया है।
- 4.7 छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग के आदेश क्रमांक 2653/2014/38-। दिनांक 10.09.2014 अनुसार 'राज्य शासन, राजदूत द्वारा, शासकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत स्नातक उत्तर की छात्राओं को शैक्षणिक तिथि 2014-15 से शिक्षण शुल्क से छूट प्रदान करता है।' का पालन किया जाए।

5. प्रवेश की पावता :-

5.1 निवासी एवं अर्हकारी परीक्षा :-

- (क) छत्तीसगढ़ के मूल/स्थायी छत्तीसगढ़ में स्थायी संपत्तिधारी निवासी/राज्य या लैन्ड रेकार के शासकीय कर्मचारी, अर्धशासकीय कर्मचारी तथा प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कर्मचारी, राष्ट्रीयकृत वैकों तथा भारत सरकार द्वारा संचालित व्यावसायिक संगठनों के कर्मचारी जिनका पदांकन छत्तीसगढ़ में है, उनके पुत्र/पुत्रियों एवं जन्म धरमीय के विस्थापितों तथा उनके आकिरों को ही शासकीय महाविद्यालयों ने प्रवेश दिया जायेगा। उपरोक्तानुसार प्रवेश देने के पश्चात् भी स्थान शिक्षण होने पर अन्य राज्यों के मानवता ग्राह वीर्ह एवं अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को नियमानुसार गुणानुक्रम के जाधार पर प्रवेश दिया जा सकता है।
- (ख) सम्बद्ध विश्वविद्यालय से या सम्बद्ध विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता ग्राप्त विद्यालयों से अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को ही महाविद्यालय ने प्रवेश की पावता होगी।
- (ग) अधिकारकानुसार संस्थित विश्वविद्यालय से पावता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के पश्चात् ही आवेदक को प्रवेश प्रदान किया जाए।

5.2 स्नातक उत्तर, नियमित प्रवेश :-

- (क) 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों तक स्नातक प्रथम श्रेणी में नियमित प्रप्रणा की मान्यता होगी। यिन्हु गणितज्य और कला संकाय के आवेदकों को द्वितीय संकाय में प्रवेश = नहीं।

दिया जाएगा। श्री.एस.सी. (गृह विज्ञान) प्रथम वर्ष में किसी भी संकाय से उत्तीर्ण छात्रों का प्रवेश की पात्रता होगी।

- (क) स्नातक स्तर पर प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को उन्हीं विषयों की कमश: द्वितीय/तृतीय वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी। स्नातक द्वितीय स्तर पर विषय परिवर्तन की पात्रता नहीं होगी।

5.3 स्नातकोत्तर स्तर नियमित प्रवेश :-

- (क) श्री.कौमु/श्री.एस.सी. (गृह विज्ञान)/श्री.र. स्नातक परीक्षा! उत्तीर्ण आवेदकों को कमश: एम.कॉम./एम.एम.सी. (गृह विज्ञान)/एन.ए-पूर्व/प्रथम सेमेस्टर एवं अर्हकारी दिव्य लेकर, श्री.एस.सी. उत्तीर्ण आवेदकों को एम.एल-सी/एम.ए-पूर्व में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।
- (ख) स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष/प्रथम सेमेस्टर उत्तीर्ण आवेदकों को उसी दिव्य के स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी। सेमेस्टर यद्यपि की, पूर्व अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को अगले सेमेस्टर में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।
- (ग) स्नातकोत्तर क्षमाओं हेतु ऐ.टी.के.टी. (Allowed To Keep Terms) नियम :-
1. स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में प्रावधिक प्रवेश की पात्रता रखने वाले आवेदकों को प्रवेश के लिए निर्धारित अतिम सिथि के पूर्व प्रावधिक प्रवेश लेना अनिवार्य है।
 2. स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर में ऐ.टी.के.टी. (Allowed To Keep Terms) नियमों के अनुसार पात्र आवेदकों को अगले सेमेस्टर में प्रावधिक प्रवेश की पात्रता होगी।

5.4 विधि संकाय नियमित प्रवेश :-

- (क) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को विधि स्नातक प्रथम वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।
- (ख) विधि स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को एल.एल.एम. प्रथम वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।
- (ग) एल.एल.बी. प्रथम सेमेस्टर एवं एल.एल.एम. प्रथम सेमेस्टर परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को कमश: एल.एल.बी. द्वितीय सेमेस्टर एवं एल.एल.एम. द्वितीय सेमेस्टर में प्रवेश की पात्रता होगी। इसी प्रकार तृतीय, चतुर्थ, पठम सेमेस्टर में भी प्रवेश की यही प्रक्रिया लागू होगा।

5.5 प्रवेश हेतु अर्हकारी परीक्षा में न्यूनतम अंक सीमा :-

- (क) विधि स्नातक प्रथम वर्ष ने प्रवेश हेतु न्यूनतम अंक सीमा 45% (अनुसूचित लागतकी/अनुसूचित जाति हेतु 40%) होगी। विधि स्नातकोत्तर पूर्वीके में 55% लागू प्रथम आवेदकों को ही नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।

5.6 AICTE-NCTE BAR COUNCIL OF INDIAMEDICAL COUNCIL OF INDIA ते कनूनादित पाठ्यक्रमों में उत्तर/संचालन एवं भवित्वात्मक संस्था के प्रबन्धान प्रभाग होगा।

6 समकक्ष परीक्षा :-

- 6.1 सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सी.बी.एस.ई.), इंडियन कॉर्सिल फार सेकेंडरी एजुकेशन (आई.सी.एस.ई.) तथा अन्य राज्यों के विद्यालयों/इंटरमीडिएट बोर्ड की 10+2 की परीक्षाएं माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 10+2 परीक्षा के समकक्ष मान्य हैं। प्राचार्य, मान्य बोर्ड की रूपी रामद्वंद्व विश्वविद्यालयों से प्राप्त कर सकते हैं।
- 6.2 सामान्यतः भारत में स्थित विश्वविद्यालयों जो भारतीय विश्वविद्यालय संघ (रसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटी) के सदस्य हैं, उनकी समस्त परीक्षाएं छत्तीसगढ़ के विश्वविद्यालय की परीक्षा के समकक्ष मान्य हैं। ऐसे विश्वविद्यालय (IGNOU जो छोड़कर) जो दूरवर्ती पाठ्यक्रम संचालित करते हैं, किंतु याज्य शासन से अनुमति प्राप्त नहीं है, की परीक्षाएं मान्य नहीं हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य के याहर के किसी भी विश्वविद्यालय अथवा शैक्षणिक संस्था को छत्तीसगढ़ राज्य में अध्ययन केन्द्र/ऑफ कैम्पस आदि खोलकर छात्र-छात्राओं को प्रवेश देने/डिग्री देने की मान्यता नहीं है तथा ऐसी संस्थाओं से डिग्री/डिप्लोमा वैधानिक रूप से मान्य नहीं होगा।
- 6.3 सम्बद्ध विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय का रिक्षण संस्थाओं की सूची एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय-समय पर जारी फर्जी अथवा मान्यता विहीन विश्वविद्यालय या शिक्षण संस्थाओं जिनकी उपाधि मान्य नहीं है, की जानकारी प्राचार्य सम्बद्ध विश्वविद्यालय से प्राप्त करें।
- 6.4 वर्ष 2012 में प्रारंभ किए गए एनवीईव्यूएफ (National Vocational Educational Qualification Framework) के अंतर्गत उत्तीर्ण आवेदकों को विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में दाखिलों के लिए अन्य सामान्य विषयों की हुलना में समनुत्त्य प्राधिकरण प्रदान की जाए।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अद्वैशासकीय पत्र क्रमांक
1-52/2013(सीसी/एनएसव्यूएफ) अप्रैल, 2014 के अनुसार -

जैसा कि आपको ज्ञात है आर्थिक कार्य विभाग, वित्त नंत्रालय द्वारा अधिसूचित राष्ट्रीय कौशल अहंता संरचना (एनएसव्यूएफ) ने नानव रांचाधन विकास मंत्रालय द्वारा सांख्यिक ज्यावसायिक शैक्षणिक अहंता संरचना (एनवीईव्यूएफ) में रूपबद्ध किये गये समस्त महत्वपूर्ण तथ्यों को निपटानी किया गया है। जैसा कि एनएसव्यूएफ में अधिसूचित किया गया है कि यह 1 से 10 स्तर तक के प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराता है जिनमें स्तर 5 से स्तर 10 तक के प्रमाण-पत्र उच्च शिक्षा से एवं स्तर 1 से स्तर 4 तक के प्रमाण पत्र स्कूली शिक्षा के क्षेत्र से सम्बद्ध हैं। वर्ष 2012 में प्रारम्भ किये गये एनवीईव्यूएफ के अनुसारण में कुछ स्कूल बोर्डों द्वारा जारी की पाठ्यक्रम प्रस्तावित किए गये और एनवीईव्यूएफ के अंतर्गत छात्रों को समनुच्य/समन्वयीय प्रमाण-पत्र प्रदान किये जा रहे हैं। ऐसे छात्र एनएसव्यूएफ के स्तर 4 के प्रमाणित स्तर सहित 10+2 विद्या की वर्ष 2014 तक सफल कर पायेंगे। नानव रांचाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने आशंका जलाई है कि ऐसे छात्र जो विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में स्नातक घूर्णे वाले पाठ्यक्रम में दापेहल होने के उच्चतुक हैं तथा जिनको

पर्स +2 स्तर में व्यवसायिक दिव्य ये वे अलाभकारी रिपोर्ट में होते। अत मैरा आपस अनुरोध है कि जिस समय छात्रों द्वारा विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में अन्य किरी भी स्नातक पूर्व आदेशक्रमों में दाखिलों के लिए प्रयास किये जा रहे हों तो उस समय ऐसे विषयों को अन्य सामान्य विषयों की तुलना में सम्मुख्य प्राथमिकता प्रदान की जाये, ताकि उन छात्रों को क्षेत्रिक गत्यात्मकता के लिए सुअवसर मिल सके।

7. बाह्य आवेदकों का प्रवेश :-

- 7.1 स्नातक स्तर तक वी.ए./वी.जॉ.म/वी.एस.-सी./वी.एच.एस.-सी. में एकीकृत पाठ्यक्रम लाग होने से छत्तीसगढ़ के किसी भी विश्वविद्यालय/स्वशासी महाविद्यालय से प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को कनका द्वितीय/तृतीय वर्ष में प्रवेश की पात्रता है किन्तु सम्बद्ध विश्वविद्यालय/स्वशासी महाविद्यालय ने पवाये जा रहे विषयों/विषय लम्बड़ी में आवेदकों ने विद्याली परीक्षा दी हो इसका परीक्षण करने के पश्चात् ही नियमित प्रवेश दिया जाते। आवश्यक हो तो विश्वविद्यालय से पात्रता प्रमाण-पत्र अवश्य लिया जाये।
- 7.2 उत्तीर्णगढ़ के बाहर स्थित विश्वविद्यालय/स्वशासी महाविद्यालयों से स्नातक स्तर की प्रथम/द्वितीय परीक्षा लम्ब्य विश्वविद्यालय/स्वशासी महाविद्यालयों से स्नातकोत्तर पूर्व की परीक्षा या प्रथम, द्वितीय, तृतीय सेमेस्टर परीक्षा एवं विधि स्नातक स्तर की प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को उनके द्वारा सम्बद्ध विश्वविद्यालयों से पात्रता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने के पश्चात् ही उन्हीं विषयों/विषय समूह की अगली कक्षा में नियमित प्रवेश दिया जावे।

राज्य के बाहर के विद्यार्थियों को नियारित प्रारूप में एक शपथ-पत्र देना होगा जिसी भी प्रकार की सूची/गलत जानकारी पाए जाने पर संदर्भित विद्यार्थी का प्रवेश निरस्त करते हुए उसे प्रदेश के किसी भी विश्वविद्यालय से प्रवेश से बचित कर दिया जाएगा। अन्य राज्य के आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों का प्रमाणीकरण शब्दित बोर्ड/विश्वविद्यालय से कराया जाना अनिवार्य है।

- 7.3 विज्ञान एवं अन्य प्रायोगिक विषयों में स्वाध्यायी आवेदकों को स्थान दिया होने पर तथा मठविद्यालय के मूहपूर्व छात्रों को 30 नवंबर तक, नियारित शुल्क लेकर सात्र प्रायोगिक कार्य करने की अनुमति प्राप्तार्थ द्वारा दी जा सकती है।

8. अस्थायी प्रवेश की मात्रता रखने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश हेतु नियारित अंतिम तिथि के पूर्व अस्थायी प्रवेश लेना अनिवार्य होगा :-

- 8.1 10+2 तक स्नातक स्तर की प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा में पूरक परीक्षा (फलाफलमेट) प्राप्त नियमित आवेदकों को अगली कक्षा में स्थान दिया होने पर उन्होंने दोहरे की पात्रता होगी।
- 8.2 स्नातकोत्तर सेमेस्टर प्रथम/द्वितीय में पूरक/एडी-कॉटी प्राप्त आवेदकों के अगली कक्षा में अस्थायी प्रवेश हो सकता होगी।
- 8.3 विधि स्नातक प्रथम/द्वितीय वर्ष में नियारित राशीमेट 48 प्रतेरने हुए ते कर्तव्य या पूरक प्राप्त आवेदकों को अगली कक्षा में अस्थायी प्रवेश की पात्रता होगी।
- 8.4 उपर्युक्त चाहिए 7 के अन्तर्गत 1 वर्ष 2 के अंतर्यामे को अस्थायी प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।

- 8.5 पूरक चारीका में अनुत्तीर्ण हान पर अस्थायी प्रवेश प्राप्त छात्र/छात्राओं का अस्थायी प्रवेश स्वतं निरस्त हो जायेगा। उत्तीर्ण होने पर अस्थायी प्रवेश नियमित प्रवेश के रूप में मान्य किया जायेगा।
- 9 प्रवेश हेतु अहंताएँ :-
- 9.1 किसी भी महाविद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के किसी संकाय में प्रवेश प्राप्त छात्र/छात्राओं को उसी संकाय की उसी कक्षा में पुनः नियमित प्रवेश की पात्रता नहीं होगी। यदि किसी छात्र ने पूर्व सत्र में आवेदित कक्षा में नियमित प्रवेश नहीं लिया हो तो ऐसा-आवेदक नियमित प्रवेश हेतु अनहीं नहीं माना जायेगा, उसे सात्र मूल स्थानांतरण प्रमाण-पत्र तथा शपथ-पत्र जिससे प्रमाणित हो कि पूर्व में उसने प्रवेश नहीं लिया है के आधार पर ही नियमानुसार प्रवेश दिया जायेगा।
- 9.2 जिनके विलङ्घ न्यायालय में बालान प्रस्तुत किया गया हो या न्यायालय में अपराधिक प्रकरण चल रहे हों, चरीका में यां पूर्व सत्र में छात्रों/अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ दुर्घटवहार/मारपीट करने के गमीर आशोष हों/चेतावनी के बाद भी सुधार परिलक्षित नहीं हुआ हो, ऐसे छात्र/छात्राओं को प्रवेश नहीं देने के लिए प्राचार्य अधिकृत हैं।
- 9.3 महाविद्यालय में टोडफोड करने और सहाविद्यालय की संपत्ति को नष्ट करने वाले/ईरिंग के आरोपी छात्र/छात्राओं का प्रवेश निरस्त करने/प्रवेश न देने के लिए प्राचार्य अधिकृत हैं। प्राचार्य इस हेतु समिति गठित कर जीवंत करवायें एवं जीवंत रिपोर्ट के आधार पर प्रवेश निरस्त किया जाये। ऐसे छात्र-छात्राओं को छत्तीसगढ़ राज्य के किसी भी शासकीय/अशासकीय महाविद्यालय में प्रवेश न दिया जावे।
- 9.4 प्रवेश हेतु आयु-सीमा :-
- (क) स्नातक प्रथम वर्ष में 22 वर्ष एवं स्नातकोत्तर घूर्हद्वी/प्रथम सेमेस्टर में 27 वर्ष से अधिक आयु के आवेदकों को प्रवेश की पात्रता नहीं होगी। आयु की गणना आवेदित वर्ष के एक जुलाई की स्थिति में की जायेगी। डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा में प्रवेश हेतु नियंत्रित अधिकतम आयु सीमा सामान्यतः 27 वर्ष मान्य की जाएगी।
- (ख) आयु सीमा का बेधन किसी भी राज्य सरकार/भारत सरकार के मंत्रालय/कार्यालय तथा उनके द्वारा नियंत्रित संस्थाओं द्वारा प्रायोजित व अनुशासित प्रत्याशियों, भारत सरकार द्वारा आयोजित अथवा किसी विदेश सरकार द्वारा अनुशासित विदेश से अध्ययन हेतु भेजे गये छात्रों अथवा विदेश से अध्ययन के लिए विदेशी हुदा में पेंटसॉट पर अध्ययन करने वाले छात्रों पर लागू नहीं होगा।
- (ग) विभि लंकाय में प्रवेश हेतु अधिकतम आयु सीमा का प्रत्यक्षान समाप्त किया जाता है।
- (घ) स्नातक महाविद्यालय में प्रवेश हेतु स्नातक प्रथम वर्ष में 25 वर्ष तथा स्नातकोत्तर पूर्व/प्रथम सेमेस्टर में 27 वर्ष से अधिक आयु वाले आवेदकों को प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
- (ङ) विभि लंकाय को छात्रकार अनुशृति जाति/अनुशृति जनजाति/पिंडा वर्ग/निःशल्ल जनजाति/महिला आवेदकों के लिए आयु सीमा में ३ वर्ष जीवंत छूट होगी।

- 9.5 पूर्णकालिक सासकीय/असासकीय संवाद संवाद कर्तवायी की उमसकी देनिक कार्य की अवधि में लगने वाले महाविद्यालय में नियमित प्रवेश की पात्रता नहीं होगी। देनिक छलच्चिम्ब अधिकारी के उपरांत लगने वाले महाविद्यालय में प्रवेश हेतु आवेदन करने पर आवेदक द्वारा नियोक्ता का अनापत्ति प्रमाण—एवं प्रस्तुत करने के बाद ही प्रवेश दिया जावेगा।
- 9.6 किसी संकाय में राजातक उपाधि ग्राहक छात्र/छात्राओं को किसी तर्फ संकायों के राजातक पाठ्यक्रम में नियमित प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
10. प्रवेश हेतु गुणानुक्रम का निर्धारण :-
- 10.1 उपलब्ध स्थानों से अधिक आवेदक होने पर प्रदेश निभानुसार गुणानुक्रम से किया जायेगा।
 (क) राजातक एवं राजातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश हेतु अहंकारी परीक्षा के प्राप्तांक एवं अधिभार देय हैं, तो अधिभार जोड़कर प्राप्त कुल प्रतिशत अकर के आभार पर तथा
 (ख) दिये राजातक प्रथम वर्ष में संघट्ट विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा का प्रावधान हो तो विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार होगा।
- 10.2 अनारक्षित एवं आरक्षित श्रेणी के लिये अलग—अलग गुणानुक्रम सूची तैयार की जावेगी।
11. प्रवेश हेतु प्राथमिकता :-
- 11.1 प्रथम वर्ष राजातक/राजातकोत्तर/दिये कक्षाओं में प्राथमिकता का आधार अहंकारी परीक्षा में उत्तीर्ण नियमित/मूलपूर्व नियमित परीक्षार्थी/स्वाध्यायी उत्तीर्ण छात्रों के कमानुसार रहेगा।
- 11.2 राजातक/राजातकोत्तर अगली कक्षाओं में प्राथमिकता का आधार अहंकारी परीक्षा में उत्तीर्ण नियमित/उत्तीर्ण भूलपूर्व नियमित/एक विषय में पूरक प्राप्त पूर्व सत्र के नियमित/स्वाध्यायी विद्यार्थियों के क्रम में होगा।
- 11.3 विधि संकाय की अगली कक्षाओं में पूरक छात्रों के पहले उत्तीर्ण, परंतु 48 एशियेट प्राप्त करने वाले छात्रों को प्राथमिकता के आधार पर प्रवेश दिया जाये, अन्य छन यथावत रहेगा।
- 11.4 आवेदक द्वारा अहंकारी परीक्षा उत्तीर्ण करने के स्थान अथवा उसके निकास स्थान/तहसील/जिला में स्थित या आतपात के अन्य जिले के समीपस्थ स्थानों पर स्थित महाविद्यालयों में आवेदित विषय/विषय समूह के अध्यापन की सुविधा होने पर ऐसे आवेदकों के आवेदनों पर विद्यार न करते हुए उस विषय/विषय समूह में प्रवेश हेतु प्रावार्य द्वारा अपने नगर/तहसील/जिलों जी रोमा से लगे अन्य जिलों के समीपस्थ स्थानों के आवेदकों परों प्राथमिकता देते हुए प्रवेश दिया जावे आवेदक के निकास स्थान/तहसील/जिलों में स्थित या अध्यापन के अन्य जिलों के समीपस्थ स्थित महाविद्यालय ने आवेदित विषय/विषय समूह के अध्यापन की सुविधा नहीं होने पर उन्हें गुणानुक्रम से प्रवेश दिया जावेगा। स्थान नियत रहने पर एवं गुणानुक्रम में अन्ने एवं धूरे द्वेष के छात्रों को पूरे प्रदेश में प्रवेश की प्रवृत्ति होगी।
- 11.5 परंतु उपरोक्त प्रावधान स्वसारी महाविद्यालयों को लिए लागू नहीं होगा, किसी एक विषय को राजातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थी का अन्य विषय की राजातकोत्तर कक्षा में प्रवेश महाविद्यालय में स्थान नियत रहने की स्थिति में ही दिया जा सकता।

- 12 आरक्षण-छत्तीसगढ़ राज्य की आरक्षण नीति के अनुरूप निम्नानुसार होगा :—
- 12.1 प्रत्येक ईक्षणिक सत्र में प्रदेश में सीटों का आरक्षण तथा किसी ईक्षणिक सम्पदा में इसका विस्तार निम्नलिखित शैति से होगा, अर्थात् :—
- अध्ययन या संकाय की प्रत्येक शाखा में वार्षिक अनुज्ञात सत्र्या में से बत्तोस प्रतिशत सीटें अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रहेगी।
 - अध्ययन या संकाय की प्रत्येक शाखा में वार्षिक अनुज्ञात सत्र्या में से बाहु प्रतिशत सीटें अनुरूपित जातियों के लिए आरक्षित रहेगी;
 - अध्ययन या संकाय की प्रत्येक शाखा में वार्षिक अनुज्ञात सत्र्या में से बीबह प्रतिशत सीटें अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित रहेगी।

परन्तु जहाँ अनुचूषित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटें पात्र विद्यार्थियों की अनुपलब्धता के कारण अंतिम तिथि(यो) पर शिक्षण रह जाती है, तो इसे अनुसूचित जातियों से तथा विवरीत कर में पात्र विद्यार्थियों में से भरा जाएगा।

परन्तु यह और कि पूर्वगामी वरतुक में निर्दिष्ट व्यवस्था के पश्चात भी, जहाँ खब्ब (क), (ख) तथा (ग) के अधीन आरक्षित सीटें, अंतिम तिथि(यो) पर रिक्त रह जाती हैं, तो इसे अन्य पात्र विद्यार्थियों से भरा जाएगा।

- 12.2 (1) विन्दु क. 12.1 के खण्ड (क), (ख) तथा (ग) के अधीन उपलब्ध सीटों का आरक्षण उद्धरण (वटीकल) रूप से अतधारित किया जाएगा।
- (2) निःशक्त व्यक्तियों, महिलाओं, भूतपूर्व कार्मिकों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बच्चों या व्यक्तियों के अन्य विशेष वर्गों के संघ में कैलिज आरक्षण का विद्युत ऐसा होगा, जैसा कि राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर इस अधिनियम के प्रयोजनों के लिए अधिसूचित किया जाए तथा यह विन्दु क. 12.1 के खण्ड (क), (ख) तथा (ग) के अधीन व्यक्तियों, उद्धरण आरक्षण के भीतर होगा।
- 12.3 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के पुत्र-पुत्रियों तथा निःशक्त श्रेणी के अवदकों के लिये समुद्देश रूप से 3 प्रतिशत रक्षण आरक्षित रहेगे। निःशक्त श्रेणी के अवदकों के प्राप्ताकों को 10 प्रतिशत अंकों का अधिभार देकर वोनों वर्गों का सम्मिलित गुणानुक्रम निर्धारित किया जावेगा।
- 12.4 सभी वर्गों में उपलब्ध स्थानों में से 30 प्रतिशत स्थान छात्राओं के लिये आरक्षित होंगे।
- 12.5 आरक्षित श्रेणी का कोई उम्मीदवार अधिक अंक पाने के कारण अनारक्षित श्रेणी औपन काम्पीटीटन में नियमानुसार मेरिट सूची में रखा जाता है तो आरक्षित श्रेणी की सीटें यथावत् अप्रभावित रहेगी, परन्तु यदि ऐसा विद्यार्थी किसी संबर्ग जैसे- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आदि का भी है तो उसको की दृष्टि से आरक्षित श्रेणी में भी मानी जावेगी। इस संबर्ग की सह मरी जायेगी।
- 12.6 आरक्षित स्थान का प्रतिशत $1/2$ से ज्यादा है तो आरक्षित स्थान उपलब्ध नहीं होना $1/2$ प्रतिशत एवं एक प्रतिशत के बीच आने पर नारक्षित स्थान की संख्या एक होगी।
- 12.7 जम्मू-कश्मीर विस्तारितों तथा जातियों की 5 प्रतिशत तक भीत तृप्ति कर प्रदेश दिया जाए तथा नूसतन झेंड में 10 प्रतिशत की दूर फ़्रान की जाएगी।

- 12.8 समय-समय पर शासन हासा जारी आरक्षण नियमों का प्रलन किया जाए।
- 12.9 कठिका 12.1 में दर्शाई गई आरक्षण के प्रावधान माननीय उच्च न्यायालय विलासपुर के निर्णय के अधीन रहेगा।
- 12.10 तृतीय लिंग के व्यक्तियों को माननीय उच्चतम न्यायालय हासा इस संबंध में प्रकरण क्रमांक उत्त्यौपी (सी) 400 / 2012 नेशनल लीगल सर्विसेस अवॉरिटी विसद्ध मास्ट सरकार एवं अमा में पारित निर्णय दिनांक 15.04.2014 की कठिका 129(3) में यह निर्देश दिया गया है कि - "We direct the Centre and the State Government to take Steps to treat them as socially and educationally backward classes of citizens and extend all kinds of reservation in cases of admission in educational institutions and for public appointments." को बहुदर्द से प्रलन किया जाए।
13. अधिभार :-

अधिभार मात्र सुणानुक्रम निर्धारण के लिये ही प्रदान किया जायेगा। प्रत्रता प्राप्ति हेतु इसका उपयोग नहीं किया जायेगा। अँकरी परीक्षा के प्राप्ताकों के प्रतिशत पर ही अधिभार देय होगा, अधिभार हेतु समस्त प्रमाण-पत्र प्रदेश आयोजन-पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। आयोजन-पत्र जमा करने के पश्चात लाद ने लाये जाने/जमा किये जाने वाले प्रमाण-पत्रों पर अधिभार हेतु विवार नहीं किया जायेगा। एक से अधिक अधिभार प्राप्त होने पर मात्र सर्वाधिक अधिभार ही देय होगा।

13.1 एन.सी.सी./एन.एस.एस./स्काउट्स

स्काउट्स क्लब की स्काउट्स/गाइड्स/रेब्जर्स/सेवर्स के अर्द्ध में पढ़ जावे।

- | | |
|---|------------|
| (क) एन.एस.एस./एन.सी.सी. "ए" सर्टिफिकेट | 02 प्रतिशत |
| (ख) एन.एस.एस./एन.सी.सी "बी" सर्टिफिकेट
क हितीय सोयान उत्तीर्ण स्काउट्स | 03 प्रतिशत |
| (ग) "सी" सर्टिफिकेट या तृतीय सोयान उत्तीर्ण स्काउट्स | 04 प्रतिशत |
| (घ) सभ्य सत्सीय संचालनालयीन एन.सी.सी. प्रतियोगिता
में बुप का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्रों को | 04 प्रतिशत |
| (द) नई दिल्ली के गणतंत्र दिवस परेड में उत्तीर्णगढ़
के एन.सी.सी./एन.एस.एस. ऑफिन्जेन्स में भाग लेने
वाले विद्यार्थी को | 05 प्रतिशत |
| (इ) साज्यपाल स्काउट्स | 05 प्रतिशत |
| (ज) साट्रपति स्काउट्स | 10 प्रतिशत |
| (झ) उत्तीर्णगढ़ का सर्वश्रेष्ठ एन.सी.सी. कैडेट | 10 प्रतिशत |
| (य) डग्युक ऑफ़ एडेनबर्ग अवार्ड प्राप्त एन.सी.सी. कैडेट | 10 प्रतिशत |
| (क्ष) भारत एवं अन्य राष्ट्रों के नव्य यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में
भाग होने वाले कैडेट, एन.सी.सी./एन.एस.एस. के लिए
दर्यगिरि एवं प्रदास अर्जन वाले कैडेट एवं उन्नतीर्णीय
जनवरी के हितीय चयनित होने वाले पिछार्हिंदों को | 15 प्रतिशत |
| 13.2 जानवर प्रिय लड़कम में उत्तीर्ण विद्यार्थी को सन्दर्भात्मक
करना वे उसी विषय में फैसला लगे पढ़ | 10 प्रतिशत |

13.3 खेलकूद / साहित्यिक / सांस्कृतिक / विषज / लपाकन प्रतियोगिताएँ :-

- (1) लोक शिक्षण संचालनालय अथवा उत्तीर्णगढ़ उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित अंतर जिला, समाज स्तर अथवा केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित सत्र समाप्त / क्षेत्र स्तर प्रतियोगिता में :-
- (क) प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त टीम के प्रत्येक सदस्य को 02 प्रतिशत
- (ख) व्यक्तिगत प्रतियोगिता में उपर्युक्त स्थान प्राप्त करने वाले को 04 प्रतिशत
- (2) उपर्युक्त कडिका 13.3 (1) में उल्लेखित दिनांग / संचालनालय द्वारा आयोजित अन्तर्राज्यीय राज्य स्तर अथवा केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित अन्तर्राज्यीय, राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अथवा भारतीय विश्वविद्यालय संघ एआईयू द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में अथवा संसदीय कार्य मंत्रालय भास्त राजकार द्वारा आयोजित क्षेत्रीय प्रतियोगिता में :-
- (क) प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त टीम के प्रत्येक सदस्य को 08 प्रतिशत
- (ख) व्यक्तिगत प्रतियोगिता में उपर्युक्त स्थान प्राप्त करने वाले को 07 प्रतिशत
- (ग) सभाग / क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतियोगी को 06 प्रतिशत
- (3) भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा आयोजित, संसदीय कार्य मंत्रालय भास्त राजकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में :-
- (क) व्यक्तिगत प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 15 प्रतिशत
- (ख) प्रथम, द्वितीय अथवा तृतीय स्थान अर्जित करने वाली टीम के सदस्यों को 12 प्रतिशत
- (ग) क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतियोगी को 10 प्रतिशत
- 13.4 भारत एवं अन्य राष्ट्रों के मध्य युथ अथवा साईन्स एवं कल्चरल एक्सचेज ग्रोग्राम के तहत विज्ञान / सांस्कृतिक / साहित्यिक / कला क्षेत्र में शम्भित एवं प्रवास लेने वाले दल के सदस्यों को 10 प्रतिशत
- 13.5 उत्तीर्णगढ़ शासन / म.प्र. से मान्यता प्राप्त छेल संघों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में :-
- (क) उत्तीर्णगढ़ / म.प्र. का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम के सदस्यों को 10 प्रतिशत
- (ख) प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली उत्तीर्णगढ़ की टीम के सदस्यों को 12 प्रतिशत
- 13.6 जम्मू-कश्मीर के विस्थायिता तथा स्वतंक असंबोधी को 01 प्रतिशत
- 13.7 विशेष प्रोत्साहन :-
- उत्तीर्णगढ़ राज्य एवं महाविद्यालय के हित में एन.सी.सी. / खेलकूद को प्रोत्साहन देने के लिए एन.सी.सी. के राष्ट्रीय स्तर के सर्वश्रेष्ठ केंद्रीय तथा डोलमियाड / राहियाड / स्पॉटर्स अथारिटी और इंडिया द्वारा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित छेल प्रतियोगिता में

16 विशेष :-

- 16.1 जाली प्रमाण-एवं, मलते जानकारी, जानवृत्तकर छिपाये गये प्रतिकूल उद्योग प्रशासनीय अधवा कार्यालयों असावधानीवश यदि किसी आवेदक को प्रवेश मिल नहा है, तब ऐसे प्रवेश को निरस्त करने का पूर्ण दायित्व प्राप्तार्थ को होगा।
- 16.2 प्रवेश लेकर किसी समुचित रूपण, पूर्व अनुमति या रुक्धना के दिना लगातार एक माह या अधिक समय तक अनुपरिखत रहने वाले विद्यार्थी को प्रवेश निरस्त करने का अधिकार प्राप्तार्थ को होगा।
- 16.3 प्रवेश के बाद सब के दौरान कांडिका 9.2 एवं 9.3 में वर्णित अनुशासनहीनता के प्रकरणों में लिप्त विद्यार्थी का प्रवेश निरस्त करने अथवा उसका प्रदेश निरस्त करने का अधिकार प्राप्तार्थ को होगा।
- 16.4 प्रवेश के बाद सब के दौरान विद्यार्थी हास महाविद्यालय छोड़ देने अथवा उसका प्रदेश निरस्त होने अथवा उसका निष्कासन किये जाने की विधिमत्रि में विद्यार्थी को तंत्रजित निषेध के अन्तिरिक्त अन्य कोई शुल्क वापिस नहीं किया जायेगा।
- 16.5 प्रवेश के मार्गदर्शक सिद्धांतों के स्पष्टीकरण या प्रवेश संबंधी किसी प्रकरण में मार्गदर्शन की आवश्यकता होने पर प्राप्तार्थ प्रकरण में अनिवार्य रूप से स्पष्ट टीप व अभिमत देते हुए स्पष्टीकरण/मार्गदर्शन आयुक्त, उच्च शिक्षा, छत्तीसगढ़, रायपुर से प्राप्त करेंगे, प्रवेश संबंधी किसी भी प्रकरण को केवल अनुरूप लिखकर प्रेषित न किया जायें।
- 16.6 इन मार्गदर्शक सिद्धांतों में उल्लेखित प्रावधानों की व्याख्या करवे का अधिकार आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग को है। इन मार्गदर्शक सिद्धांतों में समय-समय पर परिवर्तन/संशाधन/निरसन/तात्पन का संपूर्ण अधिकार छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय को होगा।

(डॉ. ए. के. पाण्डेय)

दिशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी
छ.ग. शासन, उच्च शिक्षा विभाग
मंत्रालय, नवा रायपुर (छ.ग.)

(डॉ. आर. बी. सुडमनियन)

अपर समाजिक
उच्च शिक्षा लंघालग्नालय
नवा रायपुर (छ.ग.)

कमांक / 2016 / 38-1
प्रति:

रायपुर, दिनांक / 6 / 2016

296

प्राचार्य,
समरत शासकीय महाविद्यालय,
छत्तीसगढ़।

विषय — विद्यार्थियों के प्रवेश में जिले के भीतर के होने की बाध्यता संबंधी।

छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग के अन्तर्गत शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों की स्नातक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए सत्र 2015-16 हेतु जारी मार्गदर्शक सिद्धांत की कडिका 11.4 में आवेदक के निवास स्थान/परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले स्थान के जिले से बाहर के अन्य जिलों के महाविद्यालयों में प्रवेश हेतु निम्नानुसार नियम उल्लेखित हैं—
“आवेदक द्वारा अहकारी परीक्षा उत्तीर्ण करने के स्थान अथवा उसके निवास स्थान/तहसील/जिला में स्थित या आसपास के अन्य जिले के सभी प्रथम स्थानों पर स्थित महाविद्यालयों में आवेदित विषय/विषय समूह के अध्यापन की सुविधा होने पर ऐसे आवेदकों के आवेदनों पर विचार न करते हुए उस विषय/विषय समूह में प्रवेश हेतु प्राचार्य द्वारा अपने नगर/तहसील/ जिलों की सीमा से लगे अन्य जिलों के सभी प्रथम स्थानों के आवेदकों को प्राथमिकता देते हुए प्रवेश दिया जाये। आवेदक के निवास स्थान/ तहसील/जिलों में स्थित या आसपास के अन्य जिलों के सभी प्रथम स्थित महाविद्यालय में आवेदित विषय/विषय समूह के अध्ययन की सुविधा नहीं होने पर उन्हें गुणानुक्रम से प्रवेश दिया जावेगा। स्थान रिक्त रहने पर एवं गुणानुक्रम में आने पर पूरे प्रदेश के छात्रों को पूरे प्रदेश में प्रवेश की पात्रता होगी।”

उक्तानुसार कडिका 11.4 में उल्लेखित मार्गदर्शक सिद्धांत को संशोधित करते हुए यह निर्णय लिया गया है कि शैक्षणिक सत्र 2016-17 से स्नातक स्तर के त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए प्रदेश के किसी भी महाविद्यालय में प्रदेश के अन्य स्थानों/तहसीलों/जिलों के निवासरत अथवा परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले आवेदक विद्यार्थियों को भी गुणानुक्रम से प्रवेश दिया जाए।

(डॉ. श्री एन. अय्यवाल)

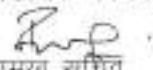
प्रमुख सचिव

छ.ग. शासन, उच्च शिक्षा विभाग

रायपुर, दिनांक 17/6/2016

प्रतिलिपि —

- माननीय राज्यपाल महोदय के प्रमुख सचिव, राजभवन, रायपुर
- माननीय मुख्यमंत्री जी के अपर मुख्य सचिव, छ.ग.शासन, मंत्रालय, नया रायपुर
- विशेष सहायक, माना मंत्रीजी, छ.ग.शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, नया रायपुर
- मुख्य सचिव के संयुक्त सचिव, छ.ग.शासन, मंत्रालय, नया रायपुर
- आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, इंद्रावती भवन, नया रायपुर,
- समस्त समागायुक्त, छत्तीसगढ़
- समस्त कलेक्टर, छत्तीसगढ़
- समस्त क्षेत्रीय अपर संचालक, उच्च शिक्षा छत्तीसगढ़
- कुलसचिव, समस्त राजकीय विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़
—की ओर सूचनार्थ।
- प्राचार्य, समरत अन्याणी महाविद्यालय की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।


प्रमुख सचिव

छ.ग. शासन, उच्च शिक्षा विभाग



बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर

BASTAR VISHWAVIDYALAYA, JAGDALPUR

(धरमपुरा) ज़िला - बस्तर (छ.ग., भारत) 494001
(Dharampura) Distt.-Bastar (C.G., India) 494001
Phone 07782-229037, Fax 07782-229037, www.bvvjdp.ac.in

302

क्रमांक / ५०६८ / अका. / ब.वि.वि. / 2017
प्रति,

जगदलपुर, दिनांक १५/०६/२०१७

01. प्राचार्य,
 समरत शासकीय/अशासकीय महाविद्यालय,
 (बस्तर विश्वविद्यालय से संबद्ध)
 बस्तर सभाग (छ.ग.)
02. विभागाध्यक्ष,
 समस्त अध्ययनशाला,
 बस्तर विश्वविद्यालय,
 जगदलपुर

विषय :- शैक्षणिक सत्र 2017-18 हेतु प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत के संबंध में।

संदर्भ :- संयुक्त सचालक, उच्च शिक्षा, नया रायपुर का पत्र क्रमांक 445/138/आउशि/सम/2017
 रायपुर दिनांक 02.06.2017 (संलग्न)

उपर्युक्त विषयान्तर्गत संदर्भित पत्र के संबंध में सूचित करना है कि, सत्र 2017-18 हेतु प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत इस पत्र के साथ संलग्न कर आदेशानुसार आवश्यक कार्यवाही हेतु आपकी ओर अग्रेषित है।

अतः उक्त प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत का कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करें।

संलग्न :- उपरोक्तानुसार

 १४/६/१८
 कुलसिंह

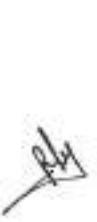
बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर (छ.ग.)

पृ.क्रमांक / ५०६९ / अका. / ब.वि.वि. / 2017

जगदलपुर, दिनांक १५/०६/२०१७

प्रतिलिपि :-

01. मान. कुलपति महो. के निज सहायक, बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर की ओर सूचनार्थ प्रेपित।
02. संयुक्त सचालक, उच्च शिक्षा संघालनालय, ब्लॉक-सी 30, द्वितीय एवं तृतीय तल, इन्द्रायती भवन, नया रायपुर (छ.ग.) का पत्र क्रमांक 445/138/आउशि/सम/2017 रायपुर दिनांक 02.06.2017 के संदर्भ में सूचनार्थ प्रेपित।

 रामसंक कुलसिंह (अका.)

बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर (छ.ग.)

संख्या ३०८०
दिनांक ०१/०६/२०१७

(303)

कार्यालय, आयुक्त, उच्च शिक्षा
ब्लॉक-सी-३० द्वितीय एवं तृतीय तल इन्द्रपती भवन,
नया रायपुर(छ.ग.)

—००—

क्रमांक/२५६६ ३४ /आउटिंग/ समन्वय/ 2017

रायपुर, दिनांक ०२/०६/ 2017

प्रति,

१. कुल संचिव,
समस्त विश्वविद्यालय,
छत्तीसगढ़।
२. प्राचार्य,
समस्त अग्रणी महाविद्यालय,
छत्तीसगढ़।

विषय :— छत्तीसगढ़ के शैक्षणिक संस्थाओं के लिये सत्र 2017-18 हेतु प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत।

संदर्भ :— अवर संचिव छ.ग. शासन उच्च शिक्षा विभाग का पत्र क्रमांक एफ 17-95/
2017 / ३८-२ नया रायपुर, दिनांक 29.05.2017

—००—

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि छ.ग. शासन उच्च शिक्षा विभाग के संदर्भित पत्र द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के शैक्षणिक संस्थाओं के लिये सत्र 2017-18 हेतु प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत जारी किये गये हैं। प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत 2017-18 की प्रति संलग्न कर प्रेषित है।

कृपया आप अपने एवं अपने अधीनस्थ समस्त शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों को पत्र की छायाप्रति उपलब्ध कराते हुए प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत 2017-18 में दिये गये प्रावधानों का कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करायें।

संलग्न :— उपरोक्तानुसार

(डॉ. किरण गजपाल)
संयुक्त सचालक

उच्च शिक्षा, नया रायपुर (छ.ग.)

रायपुर, दिनांक ०२/०६/ 2017

पृष्ठमांक/२५६६ ३४ /आउटिंग/ समन्वय/ 2017

प्रतिलिपि :—

१. अवर संचिव छ.ग. शासन, उच्च शिक्षा विभाग की ओर संदर्भित पत्र के संदर्भ में सूचनार्थ।
२. क्षेत्रीय अपर सचालक, क्षेत्रीय कार्यालय, उच्च शिक्षा विलासपुर/जगदलपुर/अविकापुर की ओर सूचनार्थ।

Academic
Update
02/06/2017

दूसरे नस्ती की
उत्तर का उपलब्ध
करायी गई
02/06/2017
12/06/2017

संयुक्त सचालक
उच्च शिक्षा, नया रायपुर (छ.ग.)

(304)

छत्तीसगढ़ शासन

उच्च शिक्षा विभाग

मंत्रालयः

महानदी भवन, नया रायपुर

-----00-----

~~क्रमांक~~ एफ 17-95/2017/38-2

नया रायपुर, दिनांक 29 MAY 2017

प्रति,

आयुक्त,
उच्च शिक्षा संचालनालय,
इंद्रावती भवन,
नया रायपुर।

विषयः—

छत्तीसगढ़ के शैक्षणिक संस्थाओं के लिये सत्र 2017-18 हेतु प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत तैयार करने बाबत।

संदर्भः—

आपका प्रस्ताव क्रमांक 68/आचर्षि/समन्वय/2017

-----00-----

विषयांतर्गत संदर्भित प्रस्ताव का कृपया अवलोकन करें।

2/ छत्तीसगढ़ के शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों की स्नातक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए शैक्षणिक सत्र 2017-18 हेतु अनुमोदित प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत की एक प्रति सलग्न प्रेषित है।

कृपया सभी संबंधित संस्थाओं को मार्गदर्शिका की प्रति उपलब्ध कराते हुए मार्गदर्शिका में दिये गये प्रावधानों का कडाई से पालन किये जाने हेतु निर्देशित करने का कृष्ट करें।

संतानः— उपरोक्तानुसार।

29/5/2017
(नौलिनी माथुर)

अवर सचिव

छ0ग0 शासन, उच्च शिक्षा विभाग
नया रायपुर, दिनांक 29 MAY 2017

पृष्ठांकन क्रमांक एफ 17-9522017/38-2

प्रतिलिपि:-
1. विशेष सहायक, गान्धीगी मंत्रीजी, उच्च शिक्षा विभाग, छ.ग. शासन, मंत्रालय, नया रायपुर।

2. स्टाफ आफीसर, अपर मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, नया

रायपुर।

3. निज सचिव, संयुक्त सचिव, उ.ग. शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, नया रायपुर।

4. विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, नया रायपुर, उ.ग।

की ओर सूचनार्थ अंग्रेजित।

5. गार्ड फाईल।

5/-

अवर सचिव

छ0ग0 शासन, उच्च शिक्षा विभाग

छत्तीसगढ़ के शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों की स्नातक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं
में प्रवेश के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत
रान 2017-2018

१ प्रयुक्ति :-

१.१ ये नामदर्शक सिद्धांत छत्तीसगढ़ के सभी शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों में छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय अधिनियम-1973 के तहत अध्यादेश क्रमांक ६ एवं ७ के प्रावधान के साथ संप्रयुक्ति करते हुए जागृ द्वारे तथा समस्त प्राचार्य इनका पालन सुनिश्चित करते।

१.२ प्रवेश के नियमों को शासकीय तथा अशासकीय महाविद्यालयों को कड़ाई से पालन करना होगा। “प्रवेश से आशय स्नातक कक्षा के प्रथम वर्ष अथवा प्रथम संग्रहालय तथा स्नातकोत्तर कक्षा के पूर्व अथवा प्रथम संग्रहालय से है।

२ प्रवेश की तिथि :-

२.१ प्रवेश हेतु आवेदन पत्र जमा करना :-

आवेदक हारा महाविद्यालय में प्रवेश के लिए प्राचार्य हारा निर्धारित आवेदन पत्र समस्त प्रमाण पत्रों सहित निर्धारित दिनांक तक महाविद्यालय में जमा किये जाएंगे। विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र जमा करने की अतिम तिथि की सूचना महाविद्यालय के प्राचार्य हारा सूचना पटल पर कम सात दिन पूर्वे लगाई जाएगी। प्रवेश हेतु बोर्ड/विश्वविद्यालय हारा अंकसूची प्रदान में किये जाने की स्थिति में पूर्व सस्था के सबसित प्राचार्य हारा प्रमाणित किये जाने पर विना अंकसूची के आवेदन पत्र जमा किये जावे।

२.२ प्रवेश हेतु अतिम तिथि निर्धारित करना :-

प्रान्तिक प्रकरण को छोड़कर ३१ जुलाई तक प्राचार्य हारा तथा १४ अगस्त तक कुलपति की अनुमति से प्राचार्य प्रवेश दर्शन में सक्षम होते। (स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश की तिथि ०१ जून से तथा अन्य कक्षाओं डेटू १६ जून से प्रारम्भ होगा) परीक्षा परिणाम विलम्ब से घायित होने की स्थिति में प्रवेश की अतिम तिथि महाविद्यालय में परीक्षा परिणाम प्राप्त होने की तिथि से १० दिन तक अथवा विश्वविद्यालय/बोर्ड हारा परीक्षा परिणाम घोषित होने की तिथि से १५ दिन तक जो भी पहले ही मान्य होगी; कठिका ५.१ (क) में उल्लिखित कमेचारिया के द्वानांतरित होने पर प्रवेश की अतिम तिथि जो बाद प्रवेश दर्शन दाले जाने के पुत्र-पुत्रियों को स्वामित्व दिया जाने किन्तु इसके लिए कमेचारी हारा कायामार दरहम करने का योग्य-बद्र प्रस्तुत करना एवं आवेदक का प्रवेश हेतु नियमित अन्तिम तिथि के पूर्व अन्य महाविद्यालय में प्रवेश होने की स्थिति में ही प्रदर्श दिया जायेगा।

स्पष्टीकरण :-

आवेदक के ने किसी उदाहरण रूपम् (उ) के महाविद्यालय में नियमनुसार किसी कक्षा में प्रवेश हिला भी। उसके बाद उसके पालक का स्थानान्तरण स्थान व ने हां भासा। इस स्थान व के द्वितीय महाविद्यालय में जब वह प्रवेश देना चाहता है तो लिपि स्थान होने के लिए उसे प्रवेश दिया जायगा। अधिक चाहे व ने उपर (उ) में जाने उसके पालक अद्यतत व जिसी भी

महाविद्यालय में प्रवेश नहीं लिया किन्तु पालक के स्थान (द) पर रखाना चाहते हैं। अतः उनको महाविद्यालय में प्रवेश लेना चाहता है। अतः अब प्रवेश के लिए निर्धारित अंतिम तिथि जाने के बाद आवेदक (ए) का प्रवेश नहीं दिया जा सकता।

- 2.3 उनमूल्याकान में उत्तीर्ण छात्रों के लिए प्रवेश की अंतिम तिथि निर्धारित करना —
उनकाय के अंतिरिक्त भग्न सकारा के उनमूल्याकान में उत्तीर्ण छात्रों को पुनर्मूल्याकान के भग्न सापेक्ष हाते के 15 दिन तक, राजपति विश्वविद्यालय के कुलपति को अनुमति के गुणानुक्रम में आने पर प्रवेश की प्रवेश होती है। किन्तु विधि सकारा की कक्षाओं में उनकम के आधार पर प्रवेश की प्रवेश होने पर भी महाविद्यालय में स्थान रिक्त होने पर ही इसे दिया जायेगा। 12 वीं कक्षा में उनमूल्याकान में उत्तीर्ण छात्रों को भी स्थान रिक्त होने पर नियमित प्रवेश की आवश्या होती है।

3. प्रवेश संख्या का निर्धारण —

- 3.1 महाविद्यालयों में उपलब्ध संधनों तथा कक्षा में बेटने की व्यवस्था पर्याप्ताताता में उपलब्ध आपकरण/उपयोग व्याप्ति समर्थी एवं स्टाफ की उपलब्धता आदि के आधार पर पूर्व में दी गई छात्र संख्या (सीट) के अनुसार ही विभिन्न कक्षाओं के लिए छात्रों को प्रवेश दिया जावेगा। अति प्राचार्य महाविद्यालय में प्रवेश हेतु छात्र संख्या में सीट की वृद्धि चाहते हैं तो वे 30 अप्रैल तक अपना अप्रसार उच्च शिक्षा संचालनालय को पेशित करें तथा “उच्च शिक्षा संचालनालय / उच्च शिक्षा विभाग रो अनुमति प्राप्त होने पर ही बड़े हुए स्थान के अनुसार प्रवेश की कार्रवाई करें।”

- 3.2 विधि स्नातक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षाओं में यार कौसिल द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार अधिकतम 80 विद्यार्थियों को ही ग्राही सेवन (अधिकतम 4 संख्या) में प्रवेश गुणानुक्रम के आधार पर दिया जावे। सम्बद्ध विश्वविद्यालय/स्वभावी महाविद्यालय द्वारा प्रत्यक्ष कक्षा के लिए अधिकार के विषय/विषय समूह का निर्धारण किया गया है। प्राचार्य अपने महाविद्यालयों में उन्हीं निर्धारित विषय/विषय समूह में निर्धारित प्रदेश संख्या के अनुसार ही प्रत्यक्ष कक्षा में आवेदकों को प्रवेश देगा।

4. प्रवेश सूची :

- 4.1 द्वातीय हाता कार्यक्रम चुनून जमा करने की नियमित अंतिम तिथि की चूबना दते हुए प्रवेश हेतु राज्यान्तर विद्यार्थियों की असेकारी परीक्षा में प्राप्ताका एवं जटा अधिभार देय है यहाँ अधिभार देकर कुल प्राप्ताका को गुणानुक्रम संख्या प्रतिशत एक सहित रुद्धना पट्टी पर उपग्रहित करायें।
- 4.2 इसी समेति हाता आवश्यक संलग्न प्रमाण पत्रों की प्रतियों को मूल प्रमाण पत्रों से मिलान कर उपस्थित किया जाने एवं राज्यान्तरण प्राप्ताका मूल प्रति जमा करने के पश्चात ही प्रवेश चुनून जमा करने की अनुमति को जारीगी। प्रवेश दत्त के तोत्तमात् याक राज्यान्तरण प्राप्ताका पत्र वह उपलब्ध किया गया को मोड़क लगाकर लक्ष रखें करना चाहिए।

- निर्धारित शुल्क जमा करने पर ही महाविद्यालय में प्रवेश मान्य होगा। प्रवेश के पश्चात् स्थानांतरण प्रमाण-पत्र की मूल प्रति को निरस्त की सील लगाकर अनिवार्य रूप से निरस्त कर दिया जाये।
४. घोषित प्रवेश सूची की शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि के बाद स्थान रिक्त होने पर सभी कमाओं में नियमानुसार प्रवेश हेतु विलम्ब शुल्क रूपये 100/- अशासकीय मद में अतिरिक्त रूप से वसूला जायेगा, तथापि ऐसे प्रकरणों में 31 जुलाई के पश्चात् प्रवेश की अनुनति नहीं दी जायेगी।
५. स्थानांतरण प्रमाण-पत्र की द्वितीय प्रति (डुप्लीकेट) के आधार पर प्रवेश नहीं दिया जाये। स्थानांतरण प्रमाण-पत्र खो जाने की स्थिति में, विद्यार्थी द्वारा निकटस्थ पुलिस थाने में एक आईआर दर्ज किया जाये। पुलिस थाने की रिपोर्ट एवं पूर्व प्रवेश प्राप्त संस्था से अधिकृत रिपोर्ट जिसमें मूल स्थानांतरण प्रमाण पत्र का अनुकमांक एवं दिनांक का उल्लेख हो, प्राप्त होने की स्थिति में ही प्रवेश दिया जा सकता है। इस हेतु विद्यार्थी से वधन पत्र लिया जाये।
६. महाविद्यालय के प्राचार्य स्थानांतरण प्रमाण-पत्र जारी करने के साथ-साथ छात्र से संबंधित गोपनीय रिपोर्ट जारी करेंगे कि संबंधित छात्र रेंजिंग/अनुशासनहीनता/तोड़फोड़ आदि में संलिप्त है या नहीं। ऐसे गोपनीय रिपोर्ट को सीलबन्ध लिफाके में बन्द कर उस महाविद्यालय के प्राचार्य को प्रेषित करेंगे जहां कि छात्र/छात्रा ने प्रवेश के लिए आवेदन किया है।
७. छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग के आदेश क्रमांक 2653/2014/38-1 दिनांक 10.09.2014 अनुसार 'राज्य शासन, एतद द्वारा, शासकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत स्नातक स्तर की छात्राओं को शिक्षणिक सत्र 2014-15 से शिक्षण शुल्क से छूट प्रदान करता है।' का पालन किया जाए।

प्रवेश की पात्रता :-

नियार्थी एवं अहंकारी परीक्षा :-

- (क) छत्तीसगढ़ के मूल/स्थायी, छत्तीसगढ़ में स्थायी संपत्तिधारी निवासी/राज्य या केन्द्र सरकार के शासकीय कर्मचारी, अर्धशासकीय कर्मचारी तथा प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कर्मचारी, राष्ट्रीयकृत बैंकों तथा भारत सरकार द्वारा सचालित व्यावसायिक संगठनों के कर्मचारी जिनका पदकिन छत्तीसगढ़ में है, उनके पुत्र/पुत्रियों एवं जम्मू काश्मीर के विस्थापितों तथा उनके आवितों को ही शासकीय महाविद्यालयों में प्रवेश दिया जायेगा। उपराफितानुसार प्रवेश देने के पश्चात् भी स्थान रिक्त होने पर अन्य राज्यों के मान्यता प्राप्त बोर्ड एवं अहंकारी परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को नियमानुसार गुणानुक्रम के आधार पर प्रदेश दिया जा सकता है।
- (ख) सम्बद्ध विश्वविद्यालय से या सम्बद्ध विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों से अहंकारी परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को ही महाविद्यालय में प्रवेश की पात्रता होगी।
- (ग) आवश्यकतानुसार संबंधित विश्वविद्यालय से पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के पश्चात् ही आवेदक को प्रवेश प्रदान किया जाए।

(c) ८

स्नातक स्तर, नियमित प्रवेश :-

- (i) १०+२ परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों का स्नातक प्रथम वर्ष में नियमित प्रवेश की सक्षमता होगी। किन्तु बहिर्भूत और जल संकाय के अधिकारी को विज्ञान संकाय में प्रवेश नहीं होगा। या एस.सी. (मृदु विज्ञान) प्रथम वर्ष में किसी भी संकाय से उत्तीर्ण छात्रा जी प्रवेश की पात्रता होगी।
- (ii) स्नातक स्तर पर प्रथम, द्वितीय वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को उन्हीं विषयों की कमता क्षितिय/तृतीय वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी। स्नातक द्वितीय स्तर पर विभाग परिवर्तन की पात्रता नहीं होगी।

५.३ स्नातकोत्तर स्तर नियमित प्रवेश :-

- (क) वी.कॉम./वी.एस.सी. (मृदु विज्ञान)/वी.एस. स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को कमता प्रम कॉम./एम.एस.सी. (मृदु विज्ञान)/एम.ए.-पूर्व/प्रथम संमेस्टर एवं अंककारी विषय लंकर, वी.एस.सी. उत्तीर्ण आवेदकों को एम.एस.-सी./एम.ए.-पूर्व में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।
- (ख) स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष/प्रथम संमेस्टर उत्तीर्ण आवेदकों को उसी विषय के स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी। संमेस्टर पद्धति की पूर्व अंककारी परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को अगले संमेस्टर में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।
- (ग) स्नातकोत्तर जटाओं हेतु एटी.के.टी. (Allowed To Keep Terms) नियम -
१. स्नातकोत्तर प्रथम संमेस्टर में प्रावधिक प्रवेश की पात्रता रखने वाले अविद्यकों को प्रवेश के लिए नियारित अतिम तिथि के पूर्व प्रावधिक प्रवेश लेना अनिवार्य है।
 २. स्नातकोत्तर तृतीय संमेस्टर में एटी.के.टी. (Allowed To Keep Terms) नियमों के अनुसार भाव आवेदकों को अगले संमेस्टर में प्रावधिक प्रवेश की पात्रता होगी।

५.४ विधि संकाय नियमित प्रवेश :-

- (क) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों का विधि स्नातक प्रथम वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।
- (ख) विधि स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को एल.एल.एम. प्रथम वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।
- (ग) एल.एल.बी. प्रथम संमेस्टर एवं एल.एल.एम. प्रथम संमेस्टर परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को कमज़ोर एल.एल.बी. द्वितीय संमेस्टर एवं एल.एल.एम. द्वितीय संमेस्टर में प्रवेश की पात्रता होगी। इसी प्रकार उत्तीय चतुर्थ प्रथम संमेस्टर में भी जोड़ा जी यही प्रक्रिया लागू होगा।

५.५ प्रवेश हेतु अंककारी परीक्षा में न्यूनतम अंक सीमा :

- (क) विधि स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु न्यूनतम अंक सीमा ४५% (अनुसूचित), अन्य स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु ४०% (विधि स्नातकोत्तर मूर्खों में ५५%) अंक प्राप्त आवेदकों को भी नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।



MINISTRY BAR COUNCIL OF INDIA MEDICAL COUNCIL OF INDIA से अनुमोदित पाठ्यक्रमों में प्रवेश/सचालन पर सदृशत संस्था के प्रावधान प्रभागी होगा।

६. समकक्ष परीक्षा :-

- ६.१ सन्टूल बोर्ड ऑफ संकेण्टरी एजुकेशन (सी बी एस ई), इंडियन कॉसिल फार संकेण्टरी एजुकेशन (आई.सी.एस.ई.) तथा अन्य राज्यों के विश्वविद्यालय/इंटरसीडिपिट बोर्ड की १०+२ की परीक्षाएं माध्यमिक शिक्षा मण्डल की १०+२ परीक्षा के समकक्ष मान्य हैं। प्राचर्य, मान्य बोर्ड की सूची सम्बद्ध विश्वविद्यालयों से प्राप्त कर सकते हैं।
- ६.२ सामान्यतः भारत में स्थित विश्वविद्यालयों जो भारतीय विश्वविद्यालय सघ (एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटी) के सदस्य हैं उनकी समस्त परीक्षाएं छातींसगढ़ के विश्वविद्यालय की परीक्षा के समकक्ष मान्य हैं। ऐसा विश्वविद्यालय (IGNOU को छाड़कर) जो दूरवती पाठ्यक्रम सचालित करते हैं किंतु राज्य शासन से अनुमति प्राप्त नहीं है, की परीक्षाएं मान्य नहीं हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली के निर्देशनुसार छल्लीसगढ़ राज्य के बाहर के किरी भी विश्वविद्यालय अथवा शैक्षणिक संस्था को छल्लीसगढ़ राज्य में अध्यायन केन्द्र/ऑफ कॉम्प्रा आदि खोलकर छात्र-छात्राओं को प्रवेश देने/ठिक्की देने की मान्यता नहीं है तथा ऐसी संस्थाओं से लिंगी/लिप्लोमा वैधानिक रूप से मान्य नहीं होगा।
- ६.३ सम्बद्ध विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय का शिक्षण संस्थाओं की सूची एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय-समय पर जारी फौजी अथवा मान्यता विहीन विश्वविद्यालय या शिक्षण संस्थाओं, जिनकी उपाधि मान्य नहीं है, की जानकारी प्राचार्य सम्बद्ध विश्वविद्यालय से प्राप्त करें।
- ६.४ वर्ष 2012 में ग्राम किए गए एनवीईक्यूएफ (National Vocational Educational Qualification Framework) के जंतर्गत दस्तीण आवेदकों को विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में दाखिलों के लिए अन्य सामान्य विषयों की तुलना में समतुल्य ग्राथमिकता प्रदान की जावे।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अर्द्धशासकीय पत्र क्रमांक १-५२ / २०१३(सीसी/एनएसक्यूएफ) अप्रैल, २०१४ के अनुसार -

जैसा कि आपको ज्ञात है आर्थिक कार्ये गिराव, वित्त मंत्रालय द्वारा अधिसूचित राष्ट्रीय नीशन ब्रह्मणी सरदाना (एनएसक्यूएफ) में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय व्यावसायिक जैक्षिक अहेता सरदाना (एनवीईक्यूएफ) में सूत्रबद्ध किये गये समस्त नियत्पूर्ण तथा को नियमित किया गया है। जैसा कि एनएसक्यूएफ में अधिसूचित किया गया है कि यह १ से १० स्तर तक के ग्रमाण-वर्त उपलब्ध करता है जिनम स्तर ५ से स्तर १० के ग्रमाण पर लक्ष्य रिक्षा से एवं सार १ से सार ५ तक की ग्रमाण पर रक्की रिक्षा के लंबे से सम्बद्ध हैं। वर्ष 2012 में ग्राम किये गये एनवीईक्यूएफ के अनुसारण में कुछ रक्की दंडी द्वारा दाढ़ी की पाठ्यक्रम प्रस्तुतियां किये गये थे और एनवीईक्यूएफ के अन्तर्गत एक वर्ष समतुल्य समस्तरीय ग्रमाण-वर्त प्रदान किये जा रहे हैं। ऐसे छात्र एनएसक्यूएफ के स्तर ५

के उमापित स्तर सहित 10+2 शिक्षा का वर्ष २०१५ तक सारल कर पायगे। मन्त्री संसद्यम् दिलास मत्तालय भारत गवर्नर - आशया जाताई है कि ऐसा छात्र जो विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में स्नातक पूर्व किसी भी पाठ्यालय में दाखिला लेने के इच्छुक हो तथा जिनके पास १२ अवर में व्याहरणांगक त्रिप्यु च व अलाभकारी स्थिति में होने। अतः उस अवसरे अनुमति है कि जिस समय तक भी द्वारा विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में अन्य किसी भी स्नातक पूर्व पाठ्यक्रमों ने वाखिला के लिए प्रदान किये जा रहे हों तो उस समय ऐसे विषयों का कन्य सामान्य विषयों की तुलना में दामनुज्ञा प्राप्तिकरण प्रदान की जायें ताकि उन छात्रों को क्रितिरिक मत्तालयका के लिए युअवसर मिल सके।

७. बाहर आवेदकों का प्रवेश :-

- ७.१ स्नातक स्तर तक वीए / वीकॉम / वीएस-सी / वीएचएस-सी में एकीकृत पाठ्यक्रम लान् द्वारा संचालित के किसी भी विश्वविद्यालय / स्वशासी महाविद्यालय से प्रथम / द्वितीय वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को कन्य द्वितीय / तृतीय वर्ष में प्रवेश की पात्रता है किन्तु सम्बद्ध विश्वविद्यालय / स्वशासी महाविद्यालय में पदाये जा रहे विषयों / विषय समूहों में आवेदकों ने पिछली परीक्षा दी ही इसका परीक्षण करने के पश्चात ही नियमित प्रवेश दिया जावे। आवश्यक हो तो विश्वविद्यालय से पात्रता प्रमाण-पत्र अवश्य लिया जाये।
- ७.२ ट्रांसीसमट के बाहर स्थित विश्वविद्यालय / स्वशासी महाविद्यालयों से स्नातक स्तर की प्रथम / द्वितीय परीक्षा अन्य विश्वविद्यालय / स्वशासी महाविद्यालयों से स्नातकोत्तर पूर्व की परीक्षा या प्रथम / द्वितीय तृतीय समेस्टर परीक्षा एवं विभि स्नातक स्तर की प्रथम / द्वितीय वर्ष ही परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को उनके हांग सम्बद्ध विश्वविद्यालयों से पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के पश्चात ही उन्होंने विषय समूह की अगली कक्षा में नियमित प्रवेश दिया जावे।

राज्य के बाहर के विद्यार्थियों को निर्धारित प्रारूप में एक रापद्य-पत्र देना होगा किसी भी प्रकार की झूठी / गलत जानकारी पाए जाने पर सदृश्यता विषयात्री का प्रवेश निरस्त करते हुए उस प्रदेश के किसी भी विश्वविद्यालय में प्रवास न वर्जित कर दिया जाएगा। अन्य सभ्य के भागदको हांग परस्त दखावेजा का प्रमाणीकरण संबधित बोर्ड / विश्वविद्यालय से कराया जाना अनिवार्य है।

- ७.३ गोद्वान एवं अन्य प्राचीनगिक विषयों में रक्षायापी आवेदकों को स्थान रिक्त होने पर तथा विश्वविद्यालय के भूतपूर्व शास्त्रों नो ३० नवंदर तक, नियामित गुलक लेकर नाम प्राचीनगिक आदेश रहने की अनुमति ग्रहाने हुए दी जा सकती है।
८. अस्थायी प्रवेश की पात्रता रखने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश हेतु निर्धारित अतिम तिथि के पूर्व अस्थायी प्रवेश लेना अनिवार्य होगा :

 - ८.१ १०-२ लाज स्नातक स्तर की प्रथम द्वितीय वर्ष के बचिला ते पूरक वर्षों का प्राप्त करायित अवधिकों के अन्तर्भूत वर्षों में रखने विभि स्नातक पर रक्षायापी प्रवेश की पात्रता होगी।
 - ८.२ स्नातकोत्तर लाइसेंस प्रथम / द्वितीय / तृतीय में पूर्व एवं काँच पात्र अवधिकों वने अगली वर्षों में अस्थायी उपर्युक्त को पात्रता होगी।

- 8.3 यिह सनातक प्रथम/द्वितीय वर्ष में नियमित एवंगत 48 प्रतिशत पूरा न करने वाले वा पूरक प्राप्त आवेदकों को अगली कक्षा में अस्थायी प्रवेश की पात्रता होगी।
- 8.4 अपरावत कठिका 7 क खण्ड 1 एवं 2 के आवेदकों को अस्थायी प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
- 8.5 पूरक परीक्षा में अनुत्तीण हानि पर अस्थायी प्रवेश प्राप्त छात्र/छात्राओं का अस्थायी प्रवेश स्वतं नियम ही लायेगा। उसीमें होने एवं अस्थायी प्रवेश नियमित प्रवेश के रूप में मान्य जायेगा।
- 9 प्रवेश हेतु अहंताएः—
- 9.1 किसी भी महाविद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के किसी संकाय में प्रवेश प्राप्त छात्र/छात्राओं को उसी संकाय की उसी कक्षा में पूर्ण नियमित प्रवेश की पात्रता नहीं होगी। यदि किसी छात्र न पूर्व सत्र में आवेदित कक्षा में नियमित प्रवेश नहीं लिया हो तो ऐसा आवेदक नियमित प्रवेश हेतु अनहीं नहीं माना जायेगा। उसे मात्र मूल रूपानातरण प्रमाण-पत्र तथा शपथ-पत्र जिससे प्रमाणित हो कि पूर्व में उसने प्रवेश नहीं लिया है, के आधार पर वीं नियमानुसार प्रवेश दिया जायेगा।
- 9.2 जिनके विरुद्ध न्यायालय ने चालान प्रस्तुत किया गया हा या न्यायालय ने अपराधिक प्रकरण चल रहे हों परीक्षा में या चूंकि सत्र में छात्रों/अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ दुश्प्रबहार/भारपीट करने के गोपीर आरोप हों/चेतावनी के बाद भी सुधार परिवर्तित नहीं हुआ हो, ऐसे छात्र/छात्राओं को प्रवेश नहीं देने के लिए प्राचार्य अधिकृत हैं।
- 9.3 महाविद्यालय से ताङफाड़ करने और महाविद्यालय की संपत्ति को नष्ट करने वाले/रेगिस्टर के आरोपी छात्र/छात्राओं का प्रवेश नियरस्त करने/प्रवेश न देने के लिए ग्राचार्य अधिकृत हैं, प्राचार्य इस हेतु नियमित गटित कर जीन करवाये एवं जीवं रिपोर्ट के आधार पर प्रवेश नियरस्त किया जाये। ऐसे छात्र-छात्राओं को सत्सीसगढ़ राज्य के किसी भी शासकीय/अज्ञासकीय गहाविद्यालय में प्रवेश न दिया जायें।
- 9.4 प्रवेश हेतु आयु-शीणा—
- सनातक प्रथम वर्ष में 22 वर्ष एवं सनातकोत्तर पूर्वद्वे/प्रथम सेमेस्टर में 27 वर्ष से अधिक आयु के आवेदकों को प्रवेश की पात्रता नहीं होगी। आयु की गणना आवेदित वर्ष के एक जुलाई की तिथि में की जायेगी। दिल्लीमा एवं सनातकोत्तर दिल्लीमा गे प्रवेश हेतु नियमित अधिकातम आयु सीमा समानज्ञ 27 वर्ष मान्य की जाएगी।
 - आयु सीमा का दूसरा किसी भी गत्ता अस्तार, भारत सरकार के मतालय/कार्यालय जैसा उनके द्वारा नियमित सखाइ के द्वारा प्राप्यतित व अनुशासित गत्यासित, भारत सरकार द्वारा आयोजित अवधि किसी विदेश सरकार द्वारा अनुशासित विदेश द्वारा अनु गति गते आज्ञा अन्तर से आयात के लिए विदेशी मुद्रा में प्रस्तुतीय पर अस्तायन करने वाले द्वारे पर समू नहीं जागा।
 - विदेश संकाय में प्रवेश हेतु अधिकातम आयु सीमा का प्राक्काल रानात किया जाता है।

(३) सरकृत महाविद्यालय न प्रवेश हेतु स्नातक प्रथम वर्ष में 25 वर्ष तथा स्नातकोत्तर पूर्व/प्रथम सेमेस्टर में 27 वर्ष से अधिक आयु वाले आवेदकों को प्रवेश की यज्ञा नहीं होगी।

(४) विधि संकाय का छोड़कर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़ा दर्गा/मिशनरी अन्यथी/महिला आवेदकों के लिए आयु शीमा में ३ वर्ष की छूट रहेगी।

9.5 पृथकालिक ज्ञासकीय/अशासकीय संवारत कमेंटरी की उरावी दिनिक कार्य की जरूरि ने लगने वाले महाविद्यालय में नियमित प्रवेश की पात्रता नहीं होगी। दिनिक कर्तव्य अधिक उपर्यात लगने वाले महाविद्यालय में प्रवेश हेतु आवेदन करने पर आवेदक द्वारा नियोक्ता का अनांति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने के बाद ही प्रवेश दिया जावेगा।

9.6 किसी संकाय में स्नातक उपाधि प्राप्त छात्र/छात्राओं को किसी अन्य संकायों के स्नातक पाठ्यक्रम में नियमित प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।

10. प्रवेश हेतु गुणानुक्रम का निर्धारण :-

10.1 सप्तवार स्थानों से अधिक आवेदक होने पर प्रवेश निम्नानुसार गुणानुक्रम से किया जायेगा।

(क) स्नातक एव स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश हेतु अहंकारी परीक्षा के प्राप्ताक एव अधिभार देय है, तो अधिभार जोड़कर प्राप्त कुल प्रतिशत अंकों के आधार पर तथा

(ख) विधि स्नातक प्रथम वर्ष में सम्बद्ध विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा का प्रावधान हो तो विश्वविद्यालय द्वारा नियांसित मापदण्डों के अनुसार होगी।

10.2 अनांति एव आरक्षित श्रेणी के लिये अलग-अलग गुणानुक्रम सूची तैयार की जायेगी।

11. प्रवेश हेतु प्राथमिकता :-

11.1 प्रथम वर्ष स्नातक/स्नातकोत्तर/विधि कक्षाओं में प्राधीनिकता का आधार, अहंकारी परीक्षा में उत्तीर्ण नियमित/मूलपूर्व नियमित परीक्षाथी/स्वाध्यायी उत्तीर्ण छात्रों के कमानुसार रहेगा।

11.2 स्नातक/स्नातकोत्तर अगली कक्षाओं में प्राथमिकता का आधार, अहंकारी परीक्षा में उत्तीर्ण नियमित/उत्तीर्ण मूलपूर्व नियमित/एक विषय में पूरक प्राप्त पूर्व सत्र के नियमित/स्वाध्यायी विद्यार्थियों के बीच में होगा।

11.3 विधि संकाय की अगली कक्षाओं में पूरक छात्रों के पहले उत्तीर्ण परतु 48 एकीमेट प्राप्त करने वाले छात्रों का प्राथमिकता के आधार पर प्रवेश दिया जाये अन्य कम योग्यत रहेगा।

11.4 आवेदक हास अहंकारी परीक्षा उत्तीर्ण करने के स्थान अशक्त दसके निवास स्थान/लहसील/जिला भू विभाग या ज्ञासपाल के अन्य जिले के समीपस्थ स्थानों पर स्थित महाविद्यालय में आवेदित विषय/विषय समूह के अध्यापन की सुविधा होने पर ऐसे आवेदकों के आवेदनों पर विदार न करते हुए उस विषय/विषय समूह में प्रवेश हेतु ग्राह्यार्थ द्वारा अपने नगर/लहसील/जिलों की शीमा से लगे अन्य जिलों के समीपस्थ स्थानों के जातियों को प्राथमिकता देते हुए प्रवेश दिया जावे आवेदक के निवास स्थान/लहसील/जिले में स्थित या ज्ञासपाल के अन्य जिलों के समीपस्थ विभाग/विषय समूह के अध्यापन की सुविधा नहीं होने पर उन्हें गुणानुक्रम से प्रवेश दिया जावेगा। स्थान विक्त रहने पर एवं गुणानुक्रम से आगे पर पूरे प्रदान के छात्रों को पूरे प्रदान में प्रवेश की पात्रता होगी।

- 5 परन्तु उपरोक्त प्रावधान स्वशासी महाविद्यालय के लिए लागू नहीं होगा किसी एक विद्यार्थी उनातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थी को अन्य विद्यय की स्नातकोत्तर प्रक्रम में प्रवेश महाविद्यालय में स्थान रिक्त रहने की रिक्ति में डी दिया जा सकेगा।
- 12 आरक्षण—छत्तीसगढ़ शासन की आरक्षण नीति के अनुरूप निम्नानुसार होगा :—
- 12.1 प्रत्यक्ष शैक्षणिक सब्र में प्रवेश में रोटी का आरक्षण तथा किसी शैक्षणिक सत्रमा में इसका विरतार निम्नलिखित रीति से होगा, अर्थात्—
- अध्ययन या सकाय की प्रत्येक शाखा में वार्षिक अनुज्ञात संख्या में से बत्तीस प्रतिशत सीटें अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रहेंगी।
 - अध्ययन या सकाय की प्रत्येक शाखा में वार्षिक अनुज्ञात संख्या में से बारह प्रतिशत सीटें अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित रहेंगी।
 - अध्ययन या सकाय की प्रत्येक शाखा में वार्षिक अनुज्ञात संख्या में से चौदह प्रतिशत सीटें अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित रहेंगी।
- परन्तु जहाँ अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटें पात्र विद्यार्थियों की अनुपलब्धता के कारण अतिम तिथि(यो) पर रिक्त रह जाती है, तो इस अनुसूचित जातियों से तथा विपरीत कम में पात्र विद्यार्थियों में से भरा जाएगा।
- परन्तु यह और कि पूर्वगामी परन्तुक में निर्दिष्ट व्यवस्था के पश्चात भी, जहाँ खण्ड (क) (ख) तथा (ग) के अधीन आरक्षित सीटें, अतिम तिथियों पर रिक्त रह जाती हैं, तो इसे अन्य पात्र विद्यार्थियों से भरा जाएगा।
- 12.2 (1) बिन्दु क 12.1 के खण्ड (क), (ख) तथा (ग) के अधीन उपलब्ध सीटों का आरक्षण उद्धार (वटीकल) रूप से अवधारित किया जाएगा।
- (2) निःशक्त व्यक्तियों, महिलाओं, भूतपूर्व कार्मिकों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बच्चों या व्यक्तियों के अन्य विशेष वर्गों के संबंध में केतिज आरक्षण का प्रतिशत ऐसा होगा, जैसा कि राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर इस अधिनियम के प्रयोजनी के लिए अधिसूचित किया जाए तथा यह बिन्दु क 12.1 के खण्ड (क), (ख) तथा (ग) के अधीन यथास्थिति, उद्धार आरक्षण के भीतर होगा।
- 12.3 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के पुत्र-पुत्रियों तथा निःशक्त श्रेणी के आवेदकों के लिये सायुक्त रूप से 3 प्रतिशत स्थान आरक्षित रहेंगे। निःशक्त श्रेणी के आवेदकों ने प्राप्ताको को 10 प्रतिशत आवो का अधिभार देकर दोनों तरों का सम्मिलित गुणानुक्रम निर्धारित किया जावेगा।
- 12.4 सभी वर्गों में उपलब्ध स्थानों में से 30 प्रतिशत स्थान छात्राओं के लिये आरक्षित होंगे।
- 12.5 आरक्षित श्रावा का कोई उमीदवार अधिक अके पाने के कारण जनारक्षित श्रेणी ओपन कॉमीटीशन में निरामानुसार मरिट सूची में रखा जाता है तो आरक्षित श्रेणी की सीट यथावत अनुमति रहेगी, परन्तु यदि ऐसा विद्यार्थी किसी तरफ जैसे- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आदि का भी है तो संवर्ग की वह सीट उस आरक्षित श्रेणी में भरी मानी जावेगी, साथ संवर्ग की सीटें भरी जायेगी।

- 12.6 आरक्षित स्थान का प्रतिशत 1/2 से कम जाता है तो आरक्षित स्थान उपलब्ध नहीं होता। 1/2 प्रतिशत एवं एक प्रतिशत के बीच आने पर असरक्षित स्थान की संख्या एक होगी।
- 12.7 जम्मू-कश्मीर विस्थापितों तथा आभिलों को 5 प्रतिशत तक रीट वृद्धि कर प्रवेश दिया जाए तथा न्यूनतम अक्सर 10 प्रतिशत की छूट प्रवर्तन की जाएगी।
- 12.8 समय-समय पर शासन द्वारा जारी आरक्षण नियमों का पालन किया जाए।
- 12.9 कडिका 12.1 में दर्शाई गई आरक्षण के प्रावधान माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर के निर्णय के अध्यधीन रहेगा।
- 12.10 तृतीय लिंग के वर्गितयों को माननीय उच्चाम न्यायालय द्वारा इस संबंध में प्रकरण क्रमांक डब्ल्यू.पी.(सी) 400 / 2012 नेशनल लीगल सर्विसेस अथोरिटी विरुद्ध भारत सरकार एवं अन्य में पारित निर्णय दिनांक 15.04.2014 की कडिका 129(3) में यह निर्देश दिया गया है कि – "We direct the Centre and the State Government to take steps to treat them as socially and educationally backward classes of citizens and extend all kinds of reservation in cases of admission in educational institutions and for public appointments," का कडाई से पालन किया जाए।

13. अधिभार :-

अधिभार मात्र गुणनुकम निर्धारण के लिये ही प्रदान किया जायेगा, पात्रता प्राप्ति हेतु इसका उपयोग नहीं किया जायेगा। अहंकारी परीक्षा के प्राप्ताकों के प्रतिशत पर ही अधिभार देय होगा, अधिभार हेतु समस्त प्रमाण—पत्र प्रवेश आवेदन—पत्र के साथ सलग्न करना अनिवार्य है। आवेदन—पत्र जमा करने के पश्चात बाद में लाये जाने/जमा किये जाने वाले प्रमाण—पत्रों पर अधिभार हेतु विचार नहीं किया जायेगा, एक से अधिक अधिभार प्राप्त होने पर मात्र सर्वाधिक अधिभार ही देय होगा।

13.1 एन.सी.सी./एन.एस.एस./स्काउट्स

स्काउट्स ब्रद को स्काउट्स/गाइड्स/रेन्जर्स/रोवर्स के अर्थ में पढ़ जावे।

- | | |
|--|------------|
| (क) एन.एस.एस./एन.सी.सी. 'ए' सर्टिफिकेट | 02 प्रतिशत |
| (ख) एन.एस.एस./एन.सी.सी. 'बी' सर्टिफिकेट
या तृतीय सोपान उत्तीर्ण स्काउट्स | 03 प्रतिशत |
| (ग) 'सी' सर्टिफिकेट या तृतीय सोपान उत्तीर्ण स्काउट्स | 04 प्रतिशत |
| (घ) राज्य लतरीय सचालनालयीन एन.सी.सी. प्रतियोगिता
में मुप का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्रों को | 04 प्रतिशत |
| (च) नई दिल्ली के गणतंत्र दिवस परड में उत्तीर्णगढ
के एन.सी.सी./एन.एस.एस. कॉर्नेल्स से भाग लेने
वाले विद्यार्थी को | 05 प्रतिशत |
| (छ) राज्यपाल स्काउट्स | 05 प्रतिशत |
| (ज) संष्ट्रप्ति स्काउट्स | 10 प्रतिशत |
| (झ) उत्तीर्णगढ का सर्वश्रेष्ठ एन.सी.सी. कंडेट | 10 प्रतिशत |
| (झ) डगूक ऑफ एडिन्बर्ग अवार्ड प्राप्त एन.सी.सी. कंडेट | 10 प्रतिशत |
| (झ) गारा एवं अन्य राष्ट्रों के मध्य यूप एक्सचेंज बोगाम में
भाग लेने वाले कंडेट एन.सी.सी./एन.एस.एस. के लिए | |

(315)

- चारनिता एवं प्रवास करने वाले केंठट फो, अन्तर्राष्ट्रीय जन्मदूरी के लिये चारनित होने वाले विद्यार्थियों को 15 प्रतिशत
- 13.2 आनंद चिष्य पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण विद्यार्थी को स्नातकोत्तर कक्षा में उसी विषय में प्रवेश लेने पर 10 प्रतिशत
- 13.3 खेलकूद / साहित्यिक / सारकृतिक / किंवज / रूपाकृत प्रतियोगिताएँ :-
- लोक शिक्षण संचालनालय अथवा उत्तीर्णगढ़ उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित अंतर जिला, समाज स्तर अथवा केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित अंतर समाज / क्षेत्र स्तर प्रतियोगिता में - 02 प्रतिशत
 - (क) प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त टीम के प्रत्येक सदस्य को 04 प्रतिशत
 - (ख) व्यक्तिगत प्रतियोगिता में उपर्युक्त स्थान प्राप्त करने वाले को 04 प्रतिशत
 - (2) उपर्युक्त कडिका 13.3 (1) में उल्लेखित विभाग / संचालनालय द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अथवा भारतीय विश्वविद्यालय संघ एआईयू द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में अथवा संसदीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित क्षेत्रीय प्रतियोगिता में - 06 प्रतिशत
 - (क) प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त टीम के प्रत्येक सदस्य को 07 प्रतिशत
 - (ख) समाज / क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतियोगी को 05 प्रतिशत
 - (ग) भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा आयोजित, संसदीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में - 15 प्रतिशत
 - (क) व्यक्तिगत प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम के सदस्यों को 12 प्रतिशत
 - (ख) प्रथम, द्वितीय अथवा तृतीय स्थान अंजित करने वाली टीम के सदस्यों को 10 प्रतिशत
 - (ग) क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतियोगी को 10 प्रतिशत

13.4 भारत एवं अन्य राष्ट्रों के मध्य यूथ अथवा साइंस एवं कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत विज्ञान / सारकृतिक / साहित्यिक / कला क्षेत्र में चारनित एवं प्रवास करने वाले दल के सदस्यों को 10 प्रतिशत

13.5 उत्तीर्णगढ़ शासन / मप्र से मान्यता प्राप्त खेल संघ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में -

 - (क) उत्तीर्णगढ़ / मप्र का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम के सदस्य को 10 प्रतिशत
 - (ख) प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली उत्तीर्णगढ़ की टीम के सदस्यों को 12 प्रतिशत

13.6 जम्मू कश्मीर के प्रिस्थापितों तथा उनके आंबितों को 01 प्रतिशत

(315)

13.7 विशेष प्रोत्साहन :-

छत्तीसगढ़ राज्य एवं महाविद्यालय के हित में एनसीसी / खलकूद को प्रोत्साहन देने के लिए एनसीसी के राष्ट्रीय स्तर के सर्वश्रेष्ठ कॉडेट्स तथा ओलम्पियाड/एशियाड/स्पॉर्ट्स अभ्यारिटी ऑफ इंडिया द्वारा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित खेल प्रतियागिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को बगैर गुणानुक्रम के आगामी शिक्षा सत्र में उन कक्षाओं में सीधे प्रवेश दिया जाए जिनकी उन्हें पात्रता है कि -

- (1) इस प्रकार के प्रमाण-पत्रों को संचालक, खेल एवं युवक कल्याण, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अनिम्नप्राप्ति किया गया हो, एवं
 - (2) यह सुविधा केवल उन्हीं अभ्यारिटीयों को मिलेगी जिन्होंने निर्धारित समयावधि के अंतर्गत अपना अभ्यावेदन महाविद्यालय में प्रस्तुत किया है, परन्तु इस प्रकार की सुविधा दूसरी बार प्राप्त करने के लिए उन्हें उपलब्धि पुनः प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 13.8 प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु रक्फूल रत्नर के पिछले चार कमिक सत्र तक के प्रमाण-पत्र स्नातकोत्तर प्रथम या विधि प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु यिंगत तीन कमिक सत्र तक के प्रमाण-पत्र अधिभार हेतु मान्य किये जायेंगे। स्नातक द्वितीय, तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष में प्रवेश हेतु पूर्व सत्र के प्रमाण-पत्र अधिभार हेतु मान्य होंगे।

14 सकाय/विषय/युप परिवर्तन :-

स्नातक/स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में अर्हकारी परीक्षा के सकाय/विषय/युप परिवर्तन कर प्रवेश बाहने वाले विद्यार्थियों को उनके प्राप्ताओं से 5 प्रतिशत घटाकर उनका गुणानुक्रम निर्धारित किया जायेगा, अधिभार घटे हुये प्राप्ताओं पर देग होगा। महाविद्यालय में स्नातक/स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में एक बार प्रवेश लेने के बाद बत्तेमान सत्र के दीर्घान सकाय/विषय/युप परिवर्तन की अनुमति महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा 30 सितंबर तक या विलम्ब से मुख्य परीक्षा परिणाम आने पर किंतु 2.2 में उल्लेखित प्रवेश की अतिम तिथि से 15 दिनों तक ही दी जायेगी। यह अनुमति उन्हीं विद्यार्थियों को देय होगी जिनके प्राप्ताक राष्ट्रीय विषय/सकाय की मूल गुणानुक्रम सूची में अतिम प्रवृश पाने वाले विद्यार्थी के समकक्ष या उससे अधिक हो।

15 शोध छात्र :-

शासकीय महाविद्यालयों में वीएच्सी के शोध छात्रों को वी वर्ष के लिये प्रवेश दिया जायेगा। उस्तकालय/प्रागोगिक कार्य अपूर्ण रह जाने की स्थिति में सुपरवाइजर की अनुशासा पर पाताले इस समयावधि को संषिकतम 4 वर्ष कर रखेंगे। छात्र निर्धारित जावेदन पत्र से जावेदन करने, प्रवेश के बाद निर्धारित शुल्क जमा करने के बाद ही नियमित प्रवेश मान्य किया जाएगा। शासकालय के लिये संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा पीएच-डी निर्देशन हेतु महाविद्यालय में प्रदर्शन मान्य प्राप्ताक चुप्रवाइजर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों के अलगाव दी जाना शोध कार्य समाप्त करेंगे। जावेदन जावेदन लेफ्ट काइ शिक्षक यदि शोध छात्र के न्यून में कार्रवाई हो तो उसमें अधिकारी द्वारा प्राप्ति उपस्थिति घोषण-पत्र एवं प्रते तीन माह की

१२४

कार्य प्रगति रिपोर्ट प्राप्त होने पर ही वेतन आहरण अधिकारी द्वारा शोध शिक्षक का वेतन आहरित किया जायेगा।

महाविद्यालय में पदस्थ प्राच्यापक सुपरवाइजर के अन्यत्र स्थानात्तरण हो जाने की स्थिति में शोध शिक्षक ऐसी स्थिति में अपना शोध कार्य चालू रख सकते हैं जहां से उनको शोध जावेदन पत्र अंग्रेजित किया गया था। शोध कार्य पूर्ण हो जाने के उपरान्त शोध का प्रबंध उसी महाविद्यालयों के प्राचार्य अंग्रेजित करेंगे।

16 विशेष :-

- 16.1 जाली प्रमाण—वाचो, गलत जानकारी, जानबूझकर छिपाये गये प्रतिकूल तथ्यों, प्रशासकीय अथवा कार्यालयीन असावधानोवश यदि किसी आवेदक को प्रवेश मिल गया है, तब ऐसे प्रवेश का निरस्त करने का पूर्ण दायित्व प्राचार्य को होगा।
- 16.2 प्रवेश लेकर किसी समुचित कारण, पूर्व अनुमति या सूचना के बिना लगातार एक माह या अधिक समय तक अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थी को प्रवेश निरस्त करने का अधिकार प्राचार्य को होगा।
- 16.3 प्रवेश के बाद सब के दौरान कड़िका 9.2 एवं 9.3 में वर्णित अनुशासनहीनता के प्रकरणों में लिप्त विद्यार्थी का प्रवेश निरस्त करने अथवा उसे निष्कासित करने का अधिकार प्राचार्य को होगा।
- 16.4 प्रवेश के बाद सब के दौरान विद्यार्थी द्वारा महाविद्यालय छोड़ देने अथवा उसका प्रवेश निरस्त होने अथवा उसका निष्कासन किये जाने की स्थिति में विद्यार्थी को सरकारी निधि के अतिरिक्त अन्य कोई शुल्क वापिस नहीं किया जायेगा।
- 16.5 प्रवेश के मार्गदर्शक सिद्धांतों के स्पष्टीकरण या प्रवेश संबंधी किसी प्रकरण में मार्गदर्शन की आवश्यकता होने पर प्राचार्य प्रकरण में अनिवार्य रूप से स्पष्ट टीप व अभिमत देते हुए स्पष्टीकरण / मार्गदर्शन आयुक्त, उच्च शिक्षा, छत्तीसगढ़ सायपुर से प्राप्त करेंगे, प्रवेश संबंधी किसी भी प्रकरण को केवल अंग्रेजित लिखकर प्रेषित न किया जाये।
- 16.6 इन मार्गदर्शक सिद्धांतों में उल्लेखित प्रावश्यनों की व्याख्या करने का अधिकार आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग को है। इन मार्गदर्शक सिद्धांतों में समय—समय पर परिवर्तन/संशोधन/निरसन/रालग्न का संपूर्ण अधिकार छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय को होगा।

(डॉ. किरण गजपाल)
संयुक्त संचालक
उच्च शिक्षा संवालनालय
नगा. सायपुर (छग)



बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर ६७
BASTAR VISHWAVIDYALAYA, JAGDALPUR
 (धरमपुरा) ज़िला – बस्तर (छ.ग., भारत) 494001
 (Dharampura) Distt.-Bastar (C.G., India) 494001
 Phone 07782-229037, Fax 07782-229037, www.bvvjdp.ac.in

क्रमांक /1499 /अका./ब.वि.वि./2018
 प्रति,

जगदलपुर, दिनांक 13/06/2018

01. प्राचार्य,
 समर्त शासकीय/अशासकीय महाविद्यालय,
 (बस्तर विश्वविद्यालय से संबद्ध)
 बस्तर संभाग (छ.ग.)
02. विभागाध्यक्ष,
 समर्त अध्ययनशाला,
 बस्तर विश्वविद्यालय,
 जगदलपुर

विषय :- शैक्षणिक सत्र 2018–19 हेतु प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत के संबंध में।

संदर्भ :- संयुक्त संचालक, उच्च शिक्षा, नया रायपुर का पत्र क्रमांक/1709/326/आठशि/समन्वय/2018 नया रायपुर, दिनांक 06.06.2018 (संलग्न)

उपर्युक्त विषयान्तर्गत संदर्भित पत्र के संबंध में सूचित करना है कि, सत्र 2018–19 हेतु प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत इस पत्र के साथ संलग्न कर आदेशानुसार आवश्यक कार्यवाही हेतु आपकी ओर अपेक्षित है।

अतः उक्त प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत का कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करें।

संलग्न :- उपरोक्तानुसार

पृ.क्रमांक /1500 /अका./ब.वि.वि./2018
 प्रतिलिपि :-

प्रभारी कुलसचिव

बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर (छ.ग.)

जगदलपुर, दिनांक 13/06/2018

01. मान. कुलपति महो. के निज सहायक, बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर की ओर सूचनार्थ सम्प्रेषित।
02. संयुक्त संचालक, उच्च शिक्षा संचालनालय, ब्लॉक-सी 30, द्वितीय एवं तृतीय तल, इन्द्रावती भवन, नया रायपुर (छ.ग.) का पत्र क्रमांक/1709/326/आठशि/समन्वय/2018 नया रायपुर दिनांक 06.06.2018 के संदर्भ में सूचनार्थ सम्प्रेषित।

सहायक कुलसचिव (अका.)

बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर (छ.ग.)

उच्च ६८९/८-८-१२

नावक नं ८५३३
नावक ६७८

५०

कार्यालय, आयुक्त, उच्च शिक्षा
ब्लॉक-सी-३ द्वितीय एवं तृतीय तल इन्द्रवती भवन,
नया रायपुर(छ.ग.)

क्रमांक १७०९ ३२६ —००— /आठशि/ समन्वय/ २०१८ नया रायपुर, दिनांक ६/०६/२०१८
प्रति

१. कुल सचिव,
समस्त विश्वविद्यालय,
छत्तीसगढ़।
२. प्राचार्य,
समस्त अग्रणी महाविद्यालय,
छत्तीसगढ़।

विषय :— छत्तीसगढ़ के शैक्षणिक संस्थाओं के लिये सत्र २०१८-१९ हेतु प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत।

संदर्भ :— अवर सचिव छ.ग. शासन उच्च शिक्षा विभाग का पत्र क्रमांक एफ १७-९५/ २०१७ / ३८-२ नया रायपुर, दिनांक ०२.०६.२०१८

—००—

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि छ.ग. शासन उच्च शिक्षा विभाग के संदर्भित पत्र द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के शैक्षणिक संस्थाओं के लिये सत्र २०१८-१९ हेतु प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत जारी किये गये हैं। प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत २०१८-१९ की प्रति संलग्न कर प्रेषित है।

कृपया आप अपने एवं अपने अधीनस्थ रामस्त शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों को पत्र की छायाप्रति उपलब्ध कराते हुए प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत २०१८-१९ में दिये गये प्रावधानों का कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करायें।

संलग्न :— उपरोक्तानुसार

(डॉ. किरण गजपाति)

संयुक्त संचालक

उच्च शिक्षा, नया रायपुर (छ.ग.)

पु.क्रमांक / / / आठशि/ समन्वय/ २०१८ नया रायपुर, दिनांक /०६/२०१८
प्रति लेपि :-

१. अवर सचिव छ.ग. शासन, उच्च शिक्षा विभाग की ओर संदर्भित पत्र के संदर्भ में सूचनार्थ।
२. क्षेत्रीय अपर संचालक, क्षेत्रीय कार्यालय, उच्च शिक्षा रायपुर/ बिलासपुर/ जगदलपुर/ झज्जिकापुर / दुर्ग की ओर सूचनार्थ।

AR(Accred)
8/6/2018

संयुक्त संचालक
उच्च शिक्षा, नया रायपुर (छ.ग.)

प्रधा ८१६९
द. ८१६११५

छत्तीसगढ़ शासन

उच्च शिक्षा विभाग

छत्तीसगढ़ के सासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों की स्नातक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश

के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत

सत्र 2018-2019

1. प्रयुक्ति :-

1.1 ये मार्गदर्शक सिद्धांत छत्तीसगढ़ के सभी सासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों में छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय अधिनियम-1973 के तहत अध्यादेश क्रमांक 6 एवं 7 के प्रावधान के साथ सहपठित करते हुए लागू होंगे तथा समरत प्राचार्य इनका पालन सुनिश्चित करेंगे।

1.2 प्रवेश के नियमों को सासकीय तथा अशासकीय महाविद्यालयों को कड़ाई से पालन करना होगा। 'प्रवेश से आशय स्नातक कक्षा के प्रथम वर्ष अथवा प्रथम सेमेस्टर तथा स्नातकोत्तर कक्षा के पूर्व अथवा प्रथम सेमेस्टर से है।

2. प्रवेश की तिथि :-

2.1 प्रवेश हेतु आवेदन पत्र जमा करना :-

आवेदक द्वारा महाविद्यालय में प्रवेश के लिए प्राचार्य द्वारा निर्धारित आवेदन पत्र, समस्त प्रमाण पत्रों सहित निर्धारित दिनांक तक महाविद्यालय में जमा किये जाएंगे। विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि की सूचना महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा सूचना पटल पर कम से कम सात दिन पूर्व लगाई जायेगी। प्रवेश हेतु बोर्ड/विश्वविद्यालय द्वारा अंकसूची प्रदान न किये जाने की स्थिति में पूर्व संरक्षण के संबंधित प्राचार्य द्वारा प्रमाणित किये जाने पर विना अंकसूची के आवेदन पत्र जमा किये जावें।

2.2 प्रवेश हेतु अंतिम तिथि निर्धारित करना :-

स्थानांतरण प्रकरण को छोड़कर 15 जुलाई तक प्राचार्य स्वयं तथा 31 जुलाई तक कुलपति की अनुमति से प्राचार्य प्रवेश देने में सक्षम होंगे। (स्नातक प्रध्येम वर्ष में प्रवेश की तिथि 01 जून से तथा अन्य कक्षाओं हेतु 16 जून से प्रारंभ होगा) परीक्षा परिणाम विलम्ब से घोषित होने की स्थिति में प्रवेश की अंतिम तिथि महाविद्यालय में परीक्षा परिणाम प्राप्त होने की तिथि से 10 दिन तक अथवा विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा परीक्षा परिणाम घोषित होने की तिथि से 15 दिन तक, जो भी पहले हो मान्य होगी। कड़िका 5.1 (क) में उल्लेखित, कर्मचारियों के स्थानांतरित होने पर प्रवेश की अंतिम तिथि के बाद प्रवेश घाहने वाले उनके पुत्र पुत्रियों लो स्थान रिक्त होने पर ही सत्र के दौरान प्रवेश दिया जाये किन्तु इसके लिए कर्मचारी द्वारा कार्यभार ग्रहण करने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना एवं आवेदक का प्रवेश हेतु निर्धारित अंतिम तिथि के पूर्व अन्य महाविद्यालय में प्रवेश होने की स्थिति में ही प्रवेश दिया जायेगा।

स्पष्टीकरण :-

आवेदक 'क' ने किसी अन्यत्र स्थान (अ) के महाविद्यालय में नियमानुसार किसी कक्षा में प्रवेश किया था। उसकी बाद उसके पालक का स्थानांतरण स्थान 'ब' में हो गया, इस स्थान (ब) के किसी महाविद्यालय में अब वह प्रवेश लेना घाहता है। रिक्त स्थान होने पर ही उसे प्रवेश दिया जायेगा। आवेदक 'ख' ने स्थान (अ) में जहाँ उसके पालक कार्यरत थे किसी भी

महाविद्यालय में प्रवेश नहीं लिया किन्तु पालक के स्थान (ब) पर स्थानांतरण होते ही, स्थान (ब) के किसी महाविद्यालय में प्रवेश लेना चाहता है, अतः अब प्रवेश के लिए निर्धारित अंतिम तिथि निकल जाने के बाद आवेदक (ख) को प्रवेश नहीं दिया जा सकता।

2.3 पुनर्मूल्यांकन में उत्तीर्ण छात्रों के लिए प्रवेश की अंतिम तिथि निर्धारित करना :-

विधि संकाय के अंतिरिक्त अन्य संकायों के पुनर्मूल्यांकन में उत्तीर्ण छात्रों को पुनर्मूल्यांकन के परिणाम घोषित होने के 15 दिन तक, संबंधित विश्वविद्यालय के कुलपति की अनुमति के पश्चात् गुणानुक्रम में आने पर प्रवेश की पात्रता होगी। किन्तु विधि संकाय की कक्षाओं में गुणानुक्रम के आधार पर प्रवेश की पात्रता होने पर भी महाविद्यालय में रथान रिक्त होने पर ही प्रवेश दिया जायेगा। 12 दीन कक्षा में पुनर्मूल्यांकन में उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को भी रथान रिक्त होने पर नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।

3. प्रवेश संख्या का निर्धारण :-

3.1 महाविद्यालयों में उपलब्ध साधनों तथा कक्षा में बैठने की व्यवस्था, प्रयोगशाला में उपलब्ध उपकरण/उपयोग योग्य सामग्री एवं स्टाफ की उपलब्धता आदि के आधार पर पूर्व में दी गई छात्र संख्या (सीट) के अनुसार ही विभिन्न कक्षाओं के लिए छात्रों को प्रवेश दिया जावेगा। यदि प्राचार्य महाविद्यालय में प्रवेश हेतु छात्र संख्या में सीट की वृद्धि चाहते हैं तो वे 30 अप्रैल तक अपना प्रस्ताव उच्च शिक्षा संघालनालय को प्रेषित करें तथा “उच्च शिक्षा संघालनालय/उच्च शिक्षा विभाग से अनुमति प्राप्त होने पर ही बड़े हुए स्थान के अनुसार प्रवेश की कार्यवाही करें।”

3.2 विधि स्नातक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षाओं में बार कौसिल द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार अधिकतम 80 विद्यार्थियों को ही प्रति सेक्षण (अधिकतम 4 सेक्षण) में प्रवेश गुणानुक्रम के आधार पर दिया जावे। सम्बद्ध विश्वविद्यालय/स्वशासी महाविद्यालय द्वारा प्रत्येक कक्षा के लिए अध्यापन के विषय/विषय समूह का निर्धारण किया गया है। प्राचार्य अपने महाविद्यालयों में उन्हीं निर्धारित विषय/विषय समूह में निर्धारित प्रवेश संख्या के अनुसार ही प्रत्येक कक्षा में आवेदकों को प्रवेश देंगे।

4. प्रवेश सूची :-

4.1 प्राचार्य द्वारा प्रवेश शुल्क जमा करने की निर्धारित अंतिम तिथि की सूचना देते हुए प्रवेश हेतु चयनित विद्यार्थियों की अर्हकारी परीक्षा में प्राप्तांकों एवं जहाँ अधिभार देय है, वहाँ अधिभार देकर कुल प्राप्तांकों की गुणानुक्रम सूची, प्रतिशत अंक राहित, सूचना पट्टल पर लगाई जायेगी।

4.2 प्रवेश समिति द्वारा आवश्यक संलग्न प्रमाण पत्रों की प्रतियों को मूल प्रमाण पत्रों से गिलान कर प्रमाणित किये जाने एवं स्थानांतरण प्रमाण-पत्र की मूल प्रति जमा करने के पश्चात् ही प्रवेश शुल्क जमा करने की अनुमति दी जायेगी। प्रवेश देने के तत्काल बाद स्थानांतरण प्रमाण-पत्र पर “प्रवेश दिया गया” की गोहर लगाकर उसे रद्द करना चाहिये।



- ४.३ निर्धारित शुल्क जमा करने पर ही महाविद्यालय में प्रवेश मान्य होगा। प्रवेश के पश्चात् रथानांतरण प्रमाण-पत्र की नूल प्रति को निरस्त की सील लगाकर अनिवार्य रूप से निररत कर दिया जाये।
- ४.४ घोषित प्रवेश सूची की शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि के बाद रथान रिक्त होने पर सभी कक्षाओं में नियमानुसार प्रवेश हेतु विलम्ब शुल्क रूपये 100/- अशासकीय मद में अतिरिक्त रूप से वसूला जायेगा, तथापि ऐसे प्रकरणों में 31 जुलाई के पश्चात् प्रवेश की अनुमति नहीं दी जायेगी।
- ४.५ स्थानांतरण प्रमाण-पत्र की द्वितीय प्रति (डुप्लीकेट) के आधार पर प्रवेश नहीं दिया जाये। स्थानांतरण प्रमाण-पत्र खो जाने की रिति में, विद्यार्थी द्वारा निकटस्थ पुलिस थाने में एफ.आई.आर. दर्ज किया जाये। पुलिस थाने की रिपोर्ट एवं पूर्व प्रवेश प्राप्त संस्था से अधिकृत रिपोर्ट जिसमें मूल स्थानांतरण प्रमाण पत्र का अनुक्रमांक एवं दिनांक का उल्लेख हो, प्राप्त होने की स्थिति में ही प्रवेश दिया जा सकता है। इस हेतु विद्यार्थी से बदन पत्र लिया जाये। महाविद्यालय के प्राचार्य रथानांतरण प्रमाण-पत्र जारी करने के साथ-साथ छात्र से संबंधित गोपनीय रिपोर्ट जारी करेंगे कि संबंधित छात्र रेंगिंग/अनुशासनहीनता/तोड़फोड़ आदि में सलिल है या नहीं। ऐसे गोपनीय रिपोर्ट को सीलबन्द लिफाफे में बन्द कर उस महाविद्यालय के प्राचार्य को प्रेषित करेंगे जहां कि छात्र/छात्रा ने प्रवेश के लिए आवेदन किया है।
- ४.६ ४.७ छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग के आदेश क्रमांक 2653/2014/38-1 दिनांक 10.09.2014 अनुसार “राज्य शासन, एतद् द्वारा, शासकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत् रनातक स्तर की छात्राओं को शैक्षणिक सत्र 2014-15 से शिक्षण शुल्क से छूट प्रदान करता है।” का पालन किया जाए।

५. प्रवेश की पात्रता :-

५.१ नियासी एवं अहंकारी परीक्षा :-

- (क) छत्तीसगढ़ के गूल/स्थायी, छत्तीसगढ़ में स्थायी संपत्तिधारी निवासी/राज्य या केन्द्र सरकार के शासकीय कर्मचारी, अर्धशासकीय कर्मचारी तथा प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कर्मचारी, राष्ट्रीयकृत बैंकों तथा भारत सरकार द्वारा संचालित व्यावसायिक संगठनों के कर्मचारी जिनका पदांकन छत्तीसगढ़ में है, उनके पुत्र/पुत्रियों एवं जम्मू काश्मीर के विस्थापितों तथा उनके आश्रितों को ही शासकीय महाविद्यालयों में प्रवेश दिया जायेगा। उपरोक्तानुसार प्रवेश देने के पश्चात् भी रथान रियत होने पर अन्य राज्यों के मान्यता प्राप्त बोर्ड एवं अहंकारी परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को नियमानुसार गुणनुक्रम के आधार पर प्रवेश दिया जा सकता है।
- (ख) सम्बद्ध विश्वविद्यालय से या सम्बद्ध विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों से अहंकारी परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को ही महाविद्यालय में प्रवेश की पात्रता होगी।
- (ग) आदर्शकृतानुसार राष्ट्रिय विश्वविद्यालय से पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के परिपात्र ही आवेदक को प्रवेश प्रदान किया जाए।

5.2 स्नातक स्तर, नियमित प्रवेश :-

- (क) 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को स्नातक प्रथम वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी। किन्तु वाणिज्य और कला संकाय के आवेदकों को विज्ञान संकाय में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। बी.एस.री (गृह विज्ञान) प्रथम वर्ष में किसी भी संकाय से उत्तीर्ण छात्रों को प्रवेश की पात्रता होगी।
- (ख) स्नातक स्तर पर प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को उन्हीं विषयों की कमश्ल द्वितीय/तृतीय वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी। स्नातक द्वितीय स्तर पर विषय परिवर्तन की पात्रता नहीं होगी।

5.3 स्नातकोत्तर स्तर नियमित प्रवेश :-

- (क) बी.कॉम./बी.एस.री (गृह विज्ञान)/बी.ए स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को कमश्ल एम कॉम./एम.एस.री. (गृह विज्ञान)/एम.ए-पूर्व/प्रथम सेमेस्टर एवं अहंकारी विषय लेकर, बी.एस.सी उत्तीर्ण आवेदकों को एम.एस.-सी/एम.ए-पूर्व में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।
- (ख) स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष/प्रथम सेमेस्टर उत्तीर्ण आवेदकों को उसी विषय के स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी। सेमेस्टर पद्धति की, पूर्व अहंकारी परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को अगले सेमेस्टर में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।
- (ग) स्नातकोत्तर कक्षाओं हेतु ए.टी.के.टी. (Allowed To Keep Terms) नियम :-
1. स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर ने प्रावधिक प्रवेश की पात्रता रखने वाले आवेदकों को प्रवेश के लिए निर्धारित अविष्ट तिथि के पूर्व प्रावधिक प्रवेश लेना अनिवार्य है।
 2. स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर ने ए.टी.के.टी (Allowed To Keep Terms) नियमों के अनुसार पात्र आवेदकों को अगले सेमेस्टर में प्रावधिक प्रवेश की पात्रता होगी।

5.4 विधि संकाय नियमित प्रवेश :-

- (क) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को विधि स्नातक प्रथम वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।
- (ख) विधि स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को एल.एल.एम. प्रथम वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।
- (ग) एल.एल.बी. प्रथम सेमेस्टर एवं एल.एल.एम. प्रथम सेमेस्टर परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों का कमश्ल एल.एल.बी. द्वितीय सेमेस्टर एवं एल.एल.एम. द्वितीय सेमेस्टर में प्रवेश की पात्रता होगी। इसी प्रकार तृतीय वर्षथः पन्नम सेमेस्टर ने भी प्रवेश की यही प्रतिक्रिया लान् होगी।

5.5 प्रवेश हेतु अहंकारी परीक्षा में न्यूनतम अंक सीमा :-

- (क) "विधि स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु न्यूनतम अंक सीमा 45% (अनुसूचित जनजाति/अनसूचित जाति हेतु 40%) होगी। तथा विधि स्नातकोत्तर पूर्वाङ्क में 55% अंक (अनसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति/ओ.डी.सी हेतु 50%) प्राप्त आवेदकों को नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।"



६ समकक्ष परीक्षा :-

- ६.१ सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी एजुकेशन (सी.बी.एस.ई.), इंडियन कौसिल फार सेकेण्डरी एजुकेशन (आई.सी.एस.ई.) तथा अन्य राज्यों के विद्यालयों/इंटरमीडिएट बोर्ड की 10+2 की परीक्षाएं माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 10+2 परीक्षा के समकक्ष मान्य हैं। प्राचार्य, मान्य बोर्ड की सूची सम्बद्ध विश्वविद्यालयों से प्राप्त कर सकते हैं।
- ६.२ सामान्यतः भारत में स्थित विश्वविद्यालयों जो भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटी) के सदस्य हैं, उनकी समस्त परीक्षाएं छत्तीसगढ़ के विश्वविद्यालय की परीक्षा के समकक्ष मान्य हैं। ऐसे विश्वविद्यालय (IGNOU को छोड़कर) जो दूरवर्ती पाठ्यक्रम संचालित करते हैं, किंतु राज्य शासन से अनुमति प्राप्त नहीं है, की परीक्षाएं मान्य नहीं हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य के बाहर के किसी भी विश्वविद्यालय अथवा शैक्षणिक संस्था को छत्तीसगढ़ राज्य में अध्ययन केन्द्र/ऑफ कैम्पस आदि खोलकर छात्र-छात्राओं को प्रवेश देने/डिग्री देने की मान्यता नहीं है तथा ऐसी संस्थाओं रो डिग्री/डिप्लोमा वैधानिक रूप से मान्य नहीं होगा।
- ६.३ सम्बद्ध विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय का शिक्षण संस्थाओं की सूची एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय-समय पर जारी फर्जी अथवा मान्यता विहीन विश्वविद्यालय या शिक्षण संस्थाओं, जिनकी उपाधि मान्य नहीं है, की जानकारी प्राचार्य सम्बद्ध विश्वविद्यालय से प्राप्त करें।
- ६.४ वर्ष 2012 में प्रारंभ किए गए एनवीईक्यूएफ (National Vocational Educational Qualification Framework) के अतर्मति उत्तीर्ण आवेदकों को विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में दाखिलों के लिए अन्य सामान्य विषयों की तुलना में समतुल्य प्राथमिकता प्रदान की जावे।

**विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अर्द्धशासकीय पत्र क्रमांक
1-52/2013(सीसी/एनएसक्यूएफ) अप्रैल, 2014 के अनुसार -**

‘जैसा कि आपको ज्ञात है आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय द्वारा अधिसूचित राष्ट्रीय कौशल अहंता संरचना (एनएसक्यूएफ) में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय व्यावसायिक शैक्षिक अहंता संरचना (एनवीईक्यूएफ) में सूचबद्ध किये गये समर्ग महत्वपूर्ण तथ्यों को निर्गमित किया गया है। जैसा कि एनएसक्यूएफ में अधिसूचित किया गया है कि यह 1 से 10 स्तर तक के प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराता है जिनमें स्तर 5 से स्तर 10 तक के प्रमाण पत्र उच्च शिक्षा से एवं स्तर 1 से स्तर 4 तक के प्रमाण पत्र स्कूली शिक्षा के क्षेत्र से सम्बद्ध हैं। वर्ष 2012 में प्रारंभ किये गये एनवीईक्यूएफ के अनुसरण में कुछ स्कूल बोर्ड द्वारा छात्रों को पाठ्यक्रम प्रत्यापित किये गये और एनवीईक्यूएफ के अंतर्गत छात्रों को समतुल्य/समर्त्तारीय प्रमाण-पत्र प्रदान किये जा रहे हैं। ऐसे छात्र, एनएसक्यूएफ के स्तर 4

के प्रमाणित स्तर सहित 10+2 शिक्षा को वर्ष 2014 तक सफल कर पायेगे। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने आशका जताई है कि ऐसे छात्र जो विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में स्नातक पूर्व किसी भी पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के इच्छुक हैं तथा जिनके पास +2 स्तर में व्यावसायिक विषय थे वे अलाभकारी रिथ्टि में होंगे। अतः मेरा आपसे अनुरोध है कि जिस समय छात्रों द्वारा विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में अन्य किसी भी स्नातक पूर्व पाठ्यक्रमों में दाखिलों के लिए प्रयास किये जा रहे हों तो उस समय ऐसे विषयों को अन्य सामान्य विषयों की तुलना में रामतुल्य प्राथमिकता प्रदान की जाये, ताकि उन छात्रों को हीतिजिक गत्यात्मकता के लिए सुअवसर मिल सकें।"

7. बाह्य आवेदकों का प्रवेश :-

- 7.1 स्नातक स्तर तक बी.ए./बी.कॉम./बी.एस.-सी./बी.एच.एस-सी. में एकीकृत पाठ्यक्रम लागू होने से छत्तीसगढ़ के किसी भी विश्वविद्यालय/स्वशासी महाविद्यालय से प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को कमशः द्वितीय/तृतीय वर्ष में प्रवेश की पात्रता है किन्तु सम्बद्ध विश्वविद्यालय/स्वशासी महाविद्यालय में पढ़ाये जा रहे विषयों/विषय समूहों में आवेदकों ने पिछली परीक्षा दी हो इसका परीक्षण करने के पश्चात् ही नियमित प्रवेश दिया जावे। आवश्यक हो तो विश्वविद्यालय से पात्रता प्रमाण-पत्र अवश्य लिया जाये।
- 7.2 छत्तीसगढ़ के बाहर स्थित विश्वविद्यालय/स्वशासी महाविद्यालयों से स्नातक स्तर की प्रथम/द्वितीय परीक्षा अन्य विश्वविद्यालय/स्वशासी महाविद्यालयों से स्नातकोत्तर पूर्व की परीक्षा या प्रथम, द्वितीय, तृतीय सेमेस्टर परीक्षा एवं विधि स्नातक स्तर की प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को उनके द्वारा सम्बद्ध विश्वविद्यालयों से पात्रता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने के पश्चात् ही उन्हीं विषयों/विषय समूह की अगली कक्षा में नियमित प्रवेश दिया जाये।

राज्य के बाहर के विद्यार्थियों को निर्धारित प्रारूप में एक शपथ-पत्र देना होगा किसी भी प्रकार की झूठी/गलत जानकारी पाए जाने पर संबंधित विद्यार्थी का प्रवेश निररत करते हुए उसे प्रवेश के किसी भी विश्वविद्यालय में प्रवेश से बंधित कर दिया जाएगा। अन्य राज्य के आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों का प्रमाणीकरण संबंधित बोर्ड/विश्वविद्यालय से कराया जाना अनिवार्य है।

- 7.3 विज्ञान एवं अन्य प्रायोगिक विषयों में स्वाध्यायी आवेदकों को स्थान रिक्त होने पर तथा महाविद्यालय के मूलपूर्व छात्रों को 30 नवंबर तक, निर्धारित शुल्क लेकर मात्र प्रायोगिक कार्य करने की अनुमति प्राप्तार्थ द्वारा दी जा सकती है।

8. अस्थायी प्रवेश की पात्रता रखने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश हेतु निर्धारित अंतिम तिथि के पूर्व अस्थायी प्रवेश लेना अनिवार्य होगा :-

- 8.1 10+2 तथा स्नातक स्तर की प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा में पूरक परीक्षा (कम्पार्टमेंट) प्राप्त नियमित आवेदकों को अगली कक्षा में स्थान रिक्त होने पर अस्थायी प्रवेश की पात्रता होगी।
- 8.2 स्नातकोत्तर सेमेस्टर प्रथम/द्वितीय/तृतीय में पूरक/स्टी-केटी प्राप्त आवेदकों को अगली कक्षा में अस्थायी प्रवेश की पात्रता होगी।



- 5.3 विधि स्नातक प्रथम/द्वितीय वर्ष में निर्धारित एगीडे 48 प्रतिशत पूरा न करने वाले या पूरक प्राप्त आवेदकों को अगली कक्षा में अस्थायी प्रवेश की पात्रता होगी।
- 5.4 उपरोक्त कठिका 7 के खण्ड 1 एवं 2 के आवेदकों को अस्थायी प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
- 5.5 पूरक परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर अस्थायी प्रवेश प्राप्त छात्र/छात्राओं का अस्थायी प्रवेश स्वतं निरस्त हो जावेगा। उत्तीर्ण होने पर अस्थायी प्रवेश नियमित प्रवेश के रूप में मान्य किया जावेगा।

9 प्रवेश हेतु अहंताएँ :-

- 9.1 किसी भी महाविद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के किसी संकाय में प्रवेश प्राप्त छात्र/छात्राओं को उसी संकाय की उसी कक्षा में पुनः नियमित प्रवेश की पात्रता नहीं होगी। यदि किसी छात्र ने पूर्व रात्र में आवेदित लक्ष्य में नियमित प्रवेश नहीं लिया हो तो ऐसा आवेदक नियमित प्रवेश हेतु अनहों नहीं माना जावेगा, उसे मात्र मूल स्थानात्मक प्रमाण-पत्र तथा शपथ-पत्र जिससे प्रमाणित हो कि पूर्व में उसने प्रवेश नहीं लिया है के अधार पर ही नियमनुसार प्रवेश दिया जावेगा।
- 9.2 जिनके विरुद्ध न्यायालय में बालान प्रस्तुत किया गया हो या न्यायालय में अपराधिक प्रकरण घल रहे हों, परीक्षा में या पूर्व सत्र में छात्रों/अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ दुर्बलिहार/मारपीट करने के गमीर आरोप हो/वेतावनी के बाद भी सुधार परिलक्षित नहीं हुआ हो, ऐसे छात्र/छात्राओं को प्रवेश नहीं देने के लिए प्राचार्य अधिकृत हैं।
- 9.3 महाविद्यालय में लोडफोल करने और महाविद्यालय की संपत्ति को नष्ट करने वाले/रोगिन के आरोपी छात्र/छात्राओं का प्रवेश निरस्त करने/प्रवेश न देने के लिए प्राचार्य अधिकृत हैं। प्राचार्य इस हेतु समिति गठित कर जीव करवायें एवं जीव रिपोर्ट के आधार पर प्रवेश निरस्त किया जाये। ऐसे छात्र-छात्राओं को उत्तीर्णगढ़ राज्य के किसी भी शासकीय/अशासकीय महाविद्यालय में प्रवेश न दिया जावे।

9.4 प्रवेश हेतु आयु-सीमा :-

- (क) स्नातक प्रथम वर्ष में 22 वर्ष एवं स्नातकोत्तर पूर्णई/प्रथम रोमेस्टर में 27 वर्ष से अधिक आयु के आवेदकों को प्रवेश की पात्रता नहीं होगी। आयु की मण्डा आवेदित वर्ष के एक जुलाई की स्थिति ने की जायेगी। डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा में प्रवेश हेतु निर्धारित अधिकतम आयु सीमा सामान्यतः 27 वर्ष मात्र की जाएगी।
- (ख) आयु सीमा का बहन किसी भी राज्य सरकार/भारत सरकार के गवर्नरलय/कार्यालय तथा उनके द्वारा नियमित रास्थाओं द्वारा प्राप्तोंप्रित व अनुशासित प्रत्याहियों भारत सरकार द्वारा आवेदित अथवा किसी विदेश सरकार द्वारा अनुशासित विदेश से अवृद्धन हेतु नज़ेरे में छात्रों अथवा विदेश से अवृद्धन के लिए विदेशी मुद्रा में प्रमाणीत पर अवृद्धन करने वाले छात्रों पर लान् नहीं होगा।
- (ग) विधि समाय में प्रवेश हेतु अधिकतम आयु सीमा का मान्यता समाप्त किया जाता है।

- (४) संरक्षित महाविद्यालय में प्रवेश हेतु स्नातक प्रथम वर्ष में 25 वर्ष तथा स्नातकोत्तर पूर्व/प्रथम सेमेस्टर में 27 वर्ष से अधिक आयु वाले आवेदकों को प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
- (५) विधि संकाय को छोड़कर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़ा वर्ग/महिला आवेदकों के लिए आयु रीमा में ३ वर्ष की छूट रहेगी। निःशक्त अमर्याधी/आवेदकों के लिए आयु रीमा में ५ वर्ष की छूट रहेगी।
- 9.5 पूर्णकालिक शासकीय/अशासकीय सेवारत कर्मचारी की उसकी देनिक कार्य की अवधि न लगाने वाले महाविद्यालय में नियमित प्रवेश की पात्रता नहीं होगी। देनिक कर्तव्य अवधि के उपरात लगाने वाले महाविद्यालय में प्रवेश हेतु आवेदन करने पर आवेदक द्वारा नियोक्ता का अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने के बाद ही प्रवेश दिया जावेगा।
- 9.6 किसी संकाय में स्नातक उपाधि प्राप्त छात्र/छात्राओं को किसी अन्य संकायों के स्नातक पाठ्यक्रम में नियमित प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
10. प्रवेश हेतु गुणानुक्रम का निर्धारण :-
- 10.1 उपलब्ध स्थानों रो अधिक आवेदक होने पर प्रवेश निम्नानुसार गुणानुक्रम से किया जायेगा।
- (क) स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश हेतु अईकारी परीक्षा के प्राप्ताक एवं अधिभार देय है तो अधिभार जोड़कर प्राप्त कुल प्रतिशत अंकों के आधार पर तथा
- (ख) विधि स्नातक प्रथम वर्ष में सम्बद्ध विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा का प्रावधान हो तो विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार होगी।
- 10.2 अनारक्षित एवं आरक्षित श्रेणी के लिये अलग-अलग गुणानुक्रम सूची तैयार की जावेगी।
11. प्रवेश हेतु प्राथमिकता :-
- 11.1 प्रथम वर्ष स्नातक/स्नातकोत्तर/विधि कक्षाओं में प्राथमिकता का आधार अईकारी परीक्षा में उत्तीर्ण नियमित/भूलपूर्व नियमित परीक्षार्थी/स्वाध्यायी उत्तीर्ण छात्रों के कमानुसार रहेगा।
- 11.2 स्नातक/स्नातकोत्तर अगली कक्षाओं में प्राथमिकता का आधार अईकारी परीक्षा में उत्तीर्ण नियमित/उत्तीर्ण भूलपूर्व नियमित/एक विषय में पूरक प्राप्त पूर्व सत्र के नियमित/स्वाध्यायी विद्यार्थियों के क्रम में होगा।
- 11.3 विधि संकाय की अगली कक्षाओं में पूरक छात्रों के पहले उत्तीर्ण परतु ४८ एकीगेट प्राप्त करने वाले छात्रों को प्राथमिकता के आधार पर प्रवेश दिया जाये अन्य कम पथावत रहेगा।
- 11.4 आवेदक द्वारा अईकारी परीक्षा उत्तीर्ण करने के स्थान अथवा उसके निवास स्थान/तहसील/जिला में रिस्ता या आरापास के अन्य जिले के समीपस्थ स्थानों पर रिस्ता गहाविद्यालयों में आवेदित विषय/विषय समूह की सुविधा होने पर ऐसे आवेदकों के आवेदनों पर निवार न करते हुए उस विषय/विषय समूह में प्रवेश हेतु प्रवार्ष द्वारा अपने नगर/तहसील/जिला की रीमा री लने अन्य जिलों के समीपस्थ स्थानों के आवेदकों की प्राथमिकता दो दुर व्यवस दिया जाये आवेदक के निवास स्थान/तहसील/जिले में रिस्ता या असामिया की अन्य जिलों के समीपस्थ रिस्ता महाविद्यालय में आवेदित विषय/विषय समूह के



- उच्चयन की सुविधा नहीं होने पर उन्हें मुणानुक्रम से प्रवेश दिया जावगा। स्थान रिक्त रहने पर एवं मुणानुक्रम में आने पर पूरे प्रदेश के छात्रों को पूरे प्रदेश में प्रवेश की पात्रता होगी।
- 11.5 परन्तु उपरोक्त प्राक्कान्त रवशासी महाविद्यालयों के लिए लागू नहीं होगा, किसी एक विषय की स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थी को अन्य विषय की स्नातकोत्तर कक्षा में प्रोफेशनलविद्यालय में स्थान रिक्त रहने की रिक्षति में ही दिया जा सकेगा।
12. आरक्षण—छत्तीसगढ़ शासन की आरक्षण नीति के अनुरूप निम्नानुसार होगा :—
- 12.1 प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में प्रवेश में रीटों का आरक्षण तथा किसी शैक्षणिक संस्था में इसका विस्तार निम्नलिखित रीति से होगा, अर्थात् :—
- (क) अध्ययन या संकाय की प्रत्येक शाखा में वार्षिक अनुज्ञात संख्या में से बत्तीस प्रतिशत सीटें अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रहेंगी।
 - (ख) अध्ययन या संकाय की प्रत्येक शाखा में वार्षिक अनुज्ञात संख्या में से बारह प्रतिशत सीटें अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित रहेंगी।
 - (ग) अध्ययन या संकाय की प्रत्येक शाखा में वार्षिक अनुज्ञात संख्या में से चौदह प्रतिशत सीटें अन्य विषय वर्गों के लिए आरक्षित रहेंगी।
- परन्तु, जहाँ अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटें पात्र विद्यार्थियों की अनुपलब्धता के कारण अंतिम तिथि(यों) पर रिक्त रह जाती हैं, तो इसे अनुसूचित जातियों से तथा विपरीत कम में पात्र विद्यार्थियों में से भरा जाएगा।
- परन्तु यह और कि पूर्वगामी परंतुक में निर्दिष्ट व्यवस्था के पश्चात् भी, जहाँ खण्ड (क), (ख) तथा (ग) के अधीन आरक्षित सीटें, अंतिम तिथियों पर रिक्त रह जाती हैं, तो इसे अन्य पात्र विद्यार्थियों से भरा जाएगा।
- 12.2 (1) दिनु क. 12.1 के खण्ड (क), (ख) तथा (ग) के अधीन उपलब्ध रीटों का आरक्षण उच्चाधिकार (वर्दीकल) रूप से अवधारित किया जाएगा।
- (2) निश्चित व्यवितयों, गहिलाओं, भूतपूर्व कार्मिकों / भूतपूर्व सौनिक रवतत्रता रमाम सेनानियों के बच्चों या व्यक्तियों के अन्य विशेष वर्गों के संबंध में क्षेत्रिक आरक्षण का प्रतिशत ऐसा होगा, जैसा कि राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर इस अधिनियम के प्रयोगनों के लिए अधिसूचित किया जाए तथा यह दिनु क. 12.1 के खण्ड (क), (ख) तथा (ग) के अधीन व्यावधिति, उच्चाधिकार आरक्षण के भीतर होगा।
- 12.3 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के पुत्र-पुत्रियों के लिये 3 प्रतिशत स्थान आरक्षित रहेंगे। निश्चित श्रेणी के आवेदकों के लिए 5 प्रतिशत स्थान आरक्षित रहेंगे।
- 12.4 सभी दर्म में उपलब्ध रणनीतों में से 30 प्रतिशत स्थान छान्नों के लिये आरक्षित होंगे।
- 12.5 आरक्षित श्रेणी का कोई उम्मीदवार अधिक अक्ष धने के कारण अनारक्षित बत्ती उपलब्धीकरण में निम्नानुसार घेरिट सूची में रखा जाता है, जो आरक्षित श्रेणी की दर्द स्थान प्रमाणित रहनी परन्तु यदि इस विद्यार्थी के सभी सभी वीस स्नातकी स्थान संनानी आदि



- का भी है तो संवर्ग की यह सीट उस आरक्षित श्रेणी में भरी मानी जायेगी, शेष संवर्ग की सीटें भरी जायेगी।
- 12.6 आरक्षित स्थान का प्रतिशत $1/2$ से कम आता है तो आरक्षित स्थान उपलब्ध नहीं होगा, $1/2$ प्रतिशत एवं एक प्रतिशत के बीच आने पर आरक्षित स्थान की संख्या एक होगी।
- 12.7 जम्मू-कश्मीर विरक्षापिलों तथा आप्रिलों को 5 प्रतिशत तक सीट वृद्धि कर प्रवेश दिया जाए तथा न्यूनतम अंक में 10 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी।
- 12.8 समय-समय पर शासन द्वारा जारी आरक्षण नियमों का पालन किया जाये।
- 12.9 कड़िका 12.1 में दर्शाई गई आरक्षण के प्रावधान माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर के निर्णय के अध्यधीन रहेगा।
- 12.10 तृतीय लिंग के व्यक्तियों को माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा इस संबंध में प्रकरण क्रमांक डब्ल्यू.पी.(सी) 400/2012 नेशनल लीगल सर्विसेस अध्यारिटी विलद्ध भारत सरकार एवं अन्य में पारित निर्णय दिनांक 15.04.2014 की कड़िका 129(3) में यह निर्देश दिया गया है कि – "We direct the Centre and the State Government to take Steps to treat them as socially and educationally backward classes of citizens and extend all kinds of reservation in cases of admission in educational institutions and for public appointments." का कड़ाई से पालन किया जाए।
13. अधिभार :—
- अधिभार मात्र गुणानुक्रम निर्धारण के लिये ही प्रदान किया जायेगा, पात्रता प्राप्ति हेतु इसका उपयोग नहीं किया जायेगा। अहंकारी परीक्षा के प्राप्ताकों के प्रतिशत पर ही अधिभार देय होगा, अधिभार हेतु समरत प्रमाण-पत्र प्रवेश आवेदन-पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। आवेदन-पत्र जमा करने के पश्चात् बाद में लाये जाने/जमा किये जाने वाले प्रमाण-पत्रों पर अधिभार हेतु विवार नहीं किया जायेगा, एक से अधिक अधिभार प्राप्त होने पर मात्र सर्वाधिक अधिभार ही देय होगा।
- 13.1 एन.सी.सी./एन.एस.एस./स्काउट्स
- स्काउट्स शब्द को स्काउट्स/गाइड्स/रेन्जर्स/रोवर्स के अर्थ में पढ़ जाये।
- | | | |
|-----|--|------------|
| (क) | एन.एस.एस./एन.सी.सी. "ए" सर्टिफिकेट | 02 प्रतिशत |
| (ख) | एन.एस.एस./एन.सी.सी. "बी" सर्टिफिकेट
या द्वितीय सोपान उत्तीर्ण स्काउट्स | 03 प्रतिशत |
| (ग) | "सी" सर्टिफिकेट या तृतीय सोपान उत्तीर्ण स्काउट्स | 04 प्रतिशत |
| (घ) | राज्य स्तरीय संचालनालयीन एन.सी.सी. प्रतियोगिता
में युप का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्रों को | 04 प्रतिशत |
| (च) | नई दिल्ली के गणतंत्र दिवस परेड में छत्तीसगढ़
के एन.सी.सी./एन.एस.एस. कटिन्जोन्स में भाग लेने
वाले विद्यार्थी को | 05 प्रतिशत |
| (छ) | राज्यपाल स्काउट्स | 05 प्रतिशत |
| (ज) | राष्ट्रपति स्काउट्स | 10 प्रतिशत |
| (झ) | छत्तीसगढ़ का सर्वश्रेष्ठ एन.सी.सी. कैडेट | 10 प्रतिशत |
| (य) | ड्यूक ऑफ एडिनबर्ग अवार्ड प्राप्त एन.सी.सी. कैडेट | 10 प्रतिशत |



(४)	भारत एवं अन्य राष्ट्रों के मध्य यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लेने वाले कैडेट, एन.सी.सी./एन.एस.एस. के लिए चयनित एवं प्रवास करने वाले कैडेट को, अन्तर्राष्ट्रीय जम्बूरी के लिये चयनित होने वाले विद्यार्थियों को	15 प्रतिशत
13.2	आनंद विषय पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण विद्यार्थी को स्नातकोत्तर कक्षा में उसी विषय में प्रवेश लेने पर	10 प्रतिशत
13.3	खेलकूद / साहित्यिक / सांस्कृतिक / विविध / रूपांकन प्रतियोगिताएँ :- (१) लोक शिक्षण संचालनालय अथवा छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित अंतर जिला, संभाग स्तर अथवा केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित अंतर संभाग / क्षेत्र स्तर प्रतियोगिता में :- (क) प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त टीम के प्रत्येक सदस्य को 02 प्रतिशत (ख) व्यक्तिगत प्रतियोगिता में उपर्युक्त स्थान प्राप्त करने वाले को 04 प्रतिशत (२) उपर्युक्त कडिका 13.3 (१) में उल्लेखित विभाग / संचालनालय द्वारा आयोजित अन्तर्क्षेत्रीय, राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अथवा भारतीय विश्वविद्यालय संघ ए.आई.यू. द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में अथवा संसदीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित क्षेत्रीय प्रतियोगिता में :- (क) प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त टीम के प्रत्येक सदस्य को 06 प्रतिशत (ख) व्यक्तिगत प्रतियोगिता में उपर्युक्त स्थान प्राप्त करने वाले को 07 प्रतिशत (ग) संभाग / क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतियोगी को 05 प्रतिशत (३) भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा आयोजित, संसदीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में :- (क) व्यक्तिगत प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 15 प्रतिशत (ख) प्रथम, द्वितीय अथवा तृतीय स्थान अर्जित करने वाली टीम के सदस्यों को 12 प्रतिशत (ग) क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतियोगी को 10 प्रतिशत	
13.4	भारत एवं अन्य राष्ट्रों के मध्य यूथ अथवा साईन्स एवं कल्वरल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत, विज्ञान / सांस्कृतिक / साहित्यिक / कला क्षेत्र में घयनित एवं प्रवास करने वाले दल के सदस्यों को	10 प्रतिशत
13.5	छत्तीसगढ़ शारान / म.प्र. से मान्यता प्राप्त खेल संघों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में :- (क) छत्तीसगढ़ / म.प्र. का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम के सदस्य को 10 प्रतिशत (ख) प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छत्तीसगढ़ की टीम के सदस्यों को 12 प्रतिशत	



१३.६ जम्मू-कश्मीर के विस्थापितों तथा उनके आश्रितों को

०१ प्रतिशत

१३.७ विशेष प्रोत्साहन :-

छत्तीसगढ़ राज्य एवं महाविद्यालय के हित में एन.सी.सी./खेलकूद को प्रोत्साहन देने के लिए एन.सी.सी. के राष्ट्रीय स्तर के सर्वश्रेष्ठ कैडेट्स तथा ओलम्पियाड/एशियाड/स्पोर्ट्स अथारिटी औफ इंडिया द्वारा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित खेल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को बगैर गुणानुकम के आगामी शिक्षा सत्र में उन कक्षाओं में सीधे प्रवेश दिया जाए जिनकी उन्हें पात्रता है कि :-

- (१) इस प्रकार के प्रमाण-पत्रों को संचालक, खेल एवं युवक कल्याण, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अभिप्राप्ताणि किया गया हो, एवं
- (२) यह सुविधा केवल उन्हीं अभ्यार्थियों को मिलेगी जिन्होंने निर्धारित समयावधि के अंतर्गत अपना अभ्यावेदन महाविद्यालय में प्रस्तुत किया है, परन्तु इस प्रकार की सुविधा दूसरी बार प्राप्त करने के लिए उन्हें उपलब्धि पुनः प्राप्त करना आवश्यक होगा।

१३.८ प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु रूकूल स्तर के पिछले घार कमिक सत्र तक के प्रमाण-पत्र स्नातकोत्तर प्रथम या विधि प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु विगत तीन कमिक सत्र तक के प्रमाण-पत्र अधिभार हेतु मान्य किये जायेंगे। स्नातक द्वितीय, तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष में प्रवेश हेतु पूर्व सत्र के प्रमाण-पत्र अधिभार हेतु मान्य होंगे।

१४ संकाय/विषय/गुप्त परिवर्तन :-

स्नातक/स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में अहंकारी परीक्षा के संकाय/विषय/गुप्त परिवर्तन कर प्रवेश चाहने वाले विद्यार्थियों को उनके प्राप्तांकों से ५ प्रतिशत घटाकर उनका गुणानुकम निर्धारित किया जायेगा, अधिभार घटे हुये प्राप्तांकों पर देय होगा। महाविद्यालय में स्नातक/स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में एक बार प्रवेश लेने के बाद वर्तमान सत्र के दौरान संकाय/विषय/गुप्त परिवर्तन की अनुमति महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा ३० सितंबर तक या विलम्ब से मुख्य परीक्षा परिणाम आने पर कंडिका २२ में उल्लेखित प्रवेश की अंतिम रिथि से १५ दिनों तक ही दी जायेगी। यह अनुमति उन्हीं विद्यार्थियों को देय होगी जिनके प्राप्तांक संबंधित विषय/संकाय की मूल गुणानुकम सूची में अंतिम प्रवेश पाने वाले विद्यार्थी के समकक्ष या उससे अधिक हों।

१५ शोध छात्र :-

शासकीय महाविद्यालयों में पी.एच.-डी. के शोध छात्रों को दो वर्ष के लिये प्रवेश दिया जायेगा। पुस्तकालय/प्रायोगिक कार्य अपूर्ण रह जाने की रिथि में सुपरवाइजर की अनुशंसा पर प्राचार्य इस समयावधि की अधिकतम ४ वर्ष कर सकेंगे। छात्र निर्धारित आवेदन पत्र में आवेदन करेंगे, प्रवेश के बाद निर्धारित शुल्क जमा करने के बाद ही नियमित प्रवेश मान्य किया जायेगा। शोध छात्र के लिये संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा पी.एच.-डी. निर्देशन हेतु महाविद्यालय में पदरथ मान्य प्राचार्यापक सुपरवाइजर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों के अंतर्गत ही अपना शोध कार्य समाप्त करेंगे। अध्ययन अवकाश लेकर कोई शिक्षक यदि शोध छात्र के रूप में कार्यरत हैं तो सकाम अधिकारी द्वारा प्रेषित उपस्थिति प्रमाण-पत्र एवं प्रति तीन माह की



- ५ कार्य प्रगति रिपोर्ट प्राप्त होने पर ही वेतन आहरण अधिकारी द्वारा शोध शिक्षक का वेतन आहरित किया जावेगा।

महाविद्यालय में पदस्थ प्राध्यापक सुपरवाइजर के अन्यत्र स्थानांतरण हो जाने की रिथति में शोध छात्र ऐसी संस्था में अपना शोध कार्य छालू रख सकते हैं जहां से उनका शोध आवेदन पत्र अंग्रेजित किया गया था, शोध कार्य पूर्ण हो जाने के उपरान्त शोध का प्रवेश उसी महाविद्यालयों के प्राचार्य अंग्रेजित करेंगे।

१६ विशेष :-

- १६.१ जाली प्रमाण-पत्रों, गलत जानकारी, जानवूझाकर छिपाये गये प्रतिकूल तथ्यों प्रशासकीय अथवा कार्यालयीन असावधानीवश यदि किसी आवेदक को प्रवेश मिल गया है, तब ऐसे प्रवेश को निरस्त करने का पूर्ण दायित्व प्राचार्य को होगा।
- १६.२ प्रवेश लेकर किसी समुचित कारण, पूर्व अनुमति या सूचना के बिना लगातार एक माह या अधिक समय तक अनुपरिथित रहने वाले विद्यार्थी को प्रवेश निरस्त करने का अधिकार प्राचार्य को होगा।
- १६.३ प्रवेश के बाद सत्र के दौरान कांडिका ९.२ एवं ९.३ में वर्णित अनुशासनहीनता के प्रकरणों में लिपा विद्यार्थी का प्रवेश निरस्त करने अथवा उसे निष्कारित करने का अधिकार प्राचार्य को होगा।
- १६.४ प्रवेश के बाद सत्र के दौरान विद्यार्थी द्वारा महाविद्यालय छोड़ देने अथवा उसका प्रवेश निरस्त होने अथवा उसका निष्कासन किये जाने की रिथति में विद्यार्थी को संरक्षित निधि के अतिरिक्त अन्य कोई शुल्क वापिस नहीं किया जायेगा।
- १६.५ प्रवेश के मार्गदर्शक सिद्धांतों के स्पष्टीकरण या प्रवेश संबंधी किसी प्रकरण में 'मार्गदर्शन की आवश्यकता होने पर प्राचार्य प्रकरण में अनिवार्य रूप से स्पष्ट टीप व अभिमत देते हुए स्पष्टीकरण / मार्गदर्शन आयुक्त, उच्च शिक्षा, छत्तीसगढ़, रायपुर से प्राप्त करेंगे, प्रवेश संबंधी किसी भी प्रकरण को केवल अंग्रेजित लिखकर प्रेषित न किया जाये।
- १६.६ इन मार्गदर्शक सिद्धांतों में उल्लेखित प्रावधानों की व्याख्या करने का अधिकार आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग को है। इन मार्गदर्शक सिद्धांतों में समय-समय पर परिवर्तन/संशोधन/निरसन/संलग्न का संपूर्ण अधिकार छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मत्रालय को होगा।



(डॉ. किरण गजपाति)
संयुक्त संचालक
उच्च शिक्षा संचालनालय
नया रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय, आयुक्त, उच्च शिक्षा
ब्लॉक-सी-३ द्वितीय एवं तृतीय तल इन्ड्रवती भवन,
अटल नगर, रायपुर (छ.ग.)

—00—

कमांक/२५७०/ ४४७ /आउशि/ समन्वय/ 2019
प्रति,

अटल नगर रायपुर, दिनांक २५/ 05/ 2019

1. कुल सचिव,
समस्त विश्वविद्यालय,
छत्तीसगढ़।
2. प्राचार्य,
समस्त अग्रणी महाविद्यालय,
छत्तीसगढ़।

विषय :-

संदर्भ :-

छत्तीसगढ़ के शैक्षणिक संस्थाओं के लिये सत्र 2019-20 हेतु प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत।
अवर सचिव छ.ग. शासन उच्च शिक्षा विभाग का पत्र कमांक एफ 17-95/ 2017/ 38-2 अटल
नगर रायपुर, दिनांक 24.05.2019

—00—

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि छ.ग. शासन उच्च शिक्षा विभाग के संदर्भित पत्र द्वारा
छत्तीसगढ़ राज्य के शैक्षणिक संस्थाओं के लिये सत्र 2019-20 हेतु प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत जारी किये गये हैं।
प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत 2019-20 की प्रति संलग्न कर प्रेषित है।

कृपया आप अपने एवं अपने अधीनस्थ समस्त शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों को पत्र की
छायाप्रति उपलब्ध कराते हुए प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत 2019-20 में दिये गये प्रावधानों का कड़ाई से पालन
करना सुनिश्चित करावें।

संलग्न :- उपरोक्तानुसार

(डॉ. किरण गजपाल)

संयुक्त संचालक

उच्च शिक्षा संचालनालय,

अटल नगर रायपुर (छ.ग.)

अटल नगर रायपुर, दिनांक २५/ 05/ 2019

पृ. कमांक/२५७०/ ४४७ /आउशि/ समन्वय/ 2019
प्रतिलिपि :-

1. अवर सचिव छ.ग. शासन, उच्च शिक्षा विभाग की ओर संदर्भित पत्र के संदर्भ में सूचनार्थ।
2. क्षेत्रीय अपर संचालक, क्षेत्रीय कार्यालय, उच्च शिक्षा रायपुर/ बिलासपुर/ जगदलपुर/
अंबिकापुर / दुर्ग की ओर सूचनार्थ।

(खाली संचालक)

संयुक्त संचालक

उच्च शिक्षा संचालनालय,

अटल नगर रायपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ शासन
उच्च शिक्षा विभाग
मंत्रालय:
महानदी भवन, अटल नगर
जिला—रायपुर
-----00-----

क्रमांक एफ 17-95 / 2017 / 38-2 अटल नगर, रायपुर, दिनांक 24/5/2019
प्रति,

आयुक्त,
उच्च शिक्षा संचालनालय,
इंद्रावती भवन,
नया रायपुर।

विषय:— छत्तीसगढ़ के शैक्षणिक संस्थाओं के लिये सत्र 2019-20 हेतु प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत तैयार करने बाबत।

संदर्भ:— आपका प्रस्ताव जावक क्रमांक 1077 दिनांक 06.05.2019

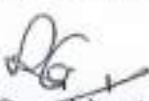
-----00-----

विषयात्मक संदर्भित प्रस्ताव का कृपया अवलोकन करें।

2/ राज्य के उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित शैक्षणिक संस्थाओं के लिये शैक्षणिक सत्र 2019-20 हेतु अनुमोदित प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत की एक प्रति संलग्न प्रेषित है।

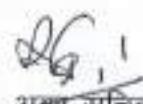
कृपया सभी संबंधित संस्थाओं को मार्गदर्शिका की प्रति उपलब्ध कराते हुए मार्गदर्शिका में दिये गये प्रावधानों का कड़ाई से पालन किये जाने हेतु निर्देशित करने का कष्ट करें।

संलग्न:— उपरोक्तानुसार।


(अधिकारी संदेश)
अवर सचिव

छ0ग0 शासन, उच्च शिक्षा विभाग
पृ क्रमांक एफ 17-95 / 2017 / 38-2 अटल नगर रायपुर, दिनांक / / 2018
प्रतिलिपि:—

- विशेष सहायक, माननीय, मंत्रीजी, उच्च शिक्षा विभाग, छ.ग. शासन, मंत्रालय, नया रायपुर।
- सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, नया रायपुर।
- विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, नया रायपुर, छ.ग.।
की ओर सूचनार्थ अग्रेषित।
- गार्ड फाईल।


अवर सचिव
छ0ग0 शासन, उच्च शिक्षा विभाग

छत्तीसगढ़ शासन

उच्च शिक्षा विभाग

छत्तीसगढ़ के शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों की स्नातक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत

सत्र 2019-20

1. प्रयुक्ति :-

- 1.1 ये मार्गदर्शक सिद्धांत छत्तीसगढ़ के सभी शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों में छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय अधिनियम-1973 के तहत अध्यादेश क्रमांक 6 एवं 7 के प्रावधान के साथ सहपठित करते हुए लागू होंगे तथा समस्त प्राचार्य इनका पालन सुनिश्चित करेंगे।
- 1.2 प्रवेश के नियमों को शासकीय तथा अशासकीय महाविद्यालयों को कड़ाई से पालन करना होगा। "प्रवेश हो आशय स्नातक कक्षा के प्रथम वर्ष अथवा प्रथम सेमेस्टर तथा स्नातकोत्तर कक्षा के पूर्व अथवा प्रथम सेमेस्टर से है।

2. प्रवेश की तिथि :-

2.1 प्रवेश हेतु आवेदन पत्र जमा करना :-

आवेदक द्वारा महाविद्यालय में प्रवेश के लिए प्राचार्य द्वारा निर्धारित आवेदन पत्र, रामरत प्रमाण पत्रों सहित निर्धारित दिनांक तक महाविद्यालय में जमा किये जाएंगे। विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि की सूचना महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा सूचना पटल पर कम से कम रात दिन पूर्व लगाई जायेगी। प्रवेश हेतु बोर्ड/विश्वविद्यालय द्वारा अंकसूची प्रदान न किये जाने की स्थिति में पूर्व संस्था के संबंधित प्राचार्य द्वारा प्रमाणित किये जाने पर बिना अंकसूची के आवेदन पत्र जमा किये जावें।

2.2 प्रवेश हेतु अंतिम तिथि निर्धारित करना :-

स्थानांतरण-प्रकरण को छोड़कर 15 जुलाई तक प्राचार्य स्वयं तथा 31 जुलाई तक कुलपति की अनुमति से प्राचार्य प्रवेश देने में सक्षम होंगे। (स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश की तिथि 01 जून से तथा अन्य कक्षाओं हेतु 16 जून से प्रारंभ होगा) परीक्षा परिणाम विलम्ब से घोषित होने की स्थिति में प्रवेश की अंतिम तिथि महाविद्यालय में परीक्षा परिणाम प्राप्त होने की तिथि से 10 दिन तक अथवा विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा परीक्षा परिणाम घोषित होने की तिथि से 15 दिन तक, जो भी पहले हो मान्य होगी। कड़िका 5.1 (क) में उल्लेखित, कर्मचारियों के स्थानांतरित होने पर प्रवेश की अंतिम तिथि के बाद प्रवेश बाहने वाले उनके पुत्र-पुत्रियों को स्थान रिक्त होने पर ही सत्र के दौरान प्रवेश दिया जाये किन्तु इसके लिए कर्मचारी द्वारा कार्यभार ग्रहण करने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना एवं आवेदक का प्रवेश हेतु निर्धारित अंतिम तिथि के पूर्व अन्य महाविद्यालय में प्रवेश होने की स्थिति में ही प्रवेश दिया जायेगा।

स्पष्टीकरण :-

आवेदक "क" ने किसी अन्यत्र स्थान (अ) के महाविद्यालय में नियमानुसार किसी कक्षा में प्रवेश लिया था। उसके बाद उसके पालक का स्थानांतरण स्थान "ब" में हो गया, इस स्थान (ब) के किसी महाविद्यालय में अब वह प्रवेश लेना चाहता है, रिक्त स्थान होने पर ही उसे प्रवेश दिया जायेगा। आवेदक "ख" ने स्थान (अ) में जहाँ उसके पालक कर्मचारी थे, किसी भी

महाविद्यालय में प्रवेश नहीं लिया किन्तु पालक के स्थान (ब) पर स्थानान्तरण होते ही, स्थान (द) के किसी महाविद्यालय में प्रवेश लेना चाहता है अतः अब प्रवेश के लिए निर्धारित अंतिम तिथि निकल जाने के बाद आवेदक (ख) को प्रवेश नहीं दिया जा सकता।

2.3 पुनर्मूल्यांकन में उत्तीर्ण छात्रों के लिए प्रवेश की अंतिम तिथि निर्धारित करना :-

विधि संकाय के अंतिरिक्त अन्य संकायों के पुनर्मूल्यांकन में उत्तीर्ण छात्रों को पुनर्मूल्यांकन के परिणाम घोषित होने के 15 दिन तक, संबंधित विश्वविद्यालय के कुलपति की अनुमति के पश्चात् गुणानुक्रम में आने पर प्रवेश की पात्रता होगी। किन्तु विधि संकाय की कक्षाओं में गुणानुक्रम के आधार पर प्रवेश की पात्रता होने पर भी महाविद्यालय में स्थान रिक्त होने पर ही प्रवेश दिया जायेगा। 12 वीं कक्षा में पुनर्मूल्यांकन में उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को भी स्थान रिक्त होने पर नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।

3. प्रवेश संख्या का निर्धारण :-

3.1 महाविद्यालयों में उपलब्ध संधर्नों तथा कक्षा में बैठने की व्यवस्था, प्रयोगशाला में उपलब्ध उपकरण/उपयोग योग्य सामग्री एवं स्टाफ की उपलब्धता आदि के आधार पर पूर्व में दी गई छात्र संख्या (सीट) के अनुसार ही विभिन्न कक्षाओं के लिए छात्रों को प्रवेश दिया जावेगा। यदि प्राचार्य महाविद्यालय में प्रवेश हेतु छात्र संख्या में सीट की वृद्धि चाहते हैं तो वे 30 अप्रैल तक अपना प्रस्ताव उच्च शिक्षा संचालनालय को प्रेषित करें तथा "उच्च शिक्षा संचालनालय/उच्च शिक्षा विभाग से अनुमति प्राप्त होने पर ही बढ़ हुए स्थान के अनुसार प्रवेश की कार्यवाही करें।"

3.2 विधि स्नातक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षाओं में बार कौसिल द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार अधिकतम 80 विद्यार्थियों को ही प्रति सेवशन (अधिकतम 4 सेवशन) में प्रवेश गुणानुक्रम के आधार पर दिया जावे। सम्बद्ध विश्वविद्यालय/संवादी महाविद्यालय द्वारा प्रत्येक कक्षा के लिए अध्यापन के विषय/विषय समूह का निर्धारण किया गया है। प्राचार्य अपने महाविद्यालयों में उन्हीं निर्धारित विषय/विषय समूह में निर्धारित प्रवेश संख्या के अनुसार ही प्रत्येक कक्षा में आवेदकों को प्रवेश देंगे।

4. प्रवेश सूची :-

4.1 प्राचार्य द्वारा प्रवेश शुल्क जमा करने की निर्धारित अंतिम तिथि की सूचना देते हुए, प्रवेश हेतु वयस्ति विद्यार्थियों की अर्हकारी परीक्षा में प्राप्ताकां एवं जहां अधिभार देय है, वहां अधिभार देकर कुल प्राप्ताकां को गुणानुक्रम सूची, प्रतिशत अंक सहित, सूचना पटल पर लगाई जायेगी।

4.2 प्रवेश समिति द्वारा आवश्यक संलग्न प्रमाण पत्रों की प्रतियों को मूल प्रमाण पत्रों से मिलान कर प्रमाणित किये जाने एवं स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र की मूल प्रति जमा करने के पश्चात् ही प्रवेश शुल्क जमा करने की अनुमति दी जायेगी। प्रवेश देने के तत्काल बाद स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र पर "प्रवेश दिया गया" की मोहर लगाकर उसे रद्द करना चाहिये।

- 4.3 निर्धारित शुल्क जमा करने पर ही महाविद्यालय में प्रवेश मान्य होगा। प्रवेश के पश्चात् रथानातरण प्रमाण—पत्र की मूल प्रति को निररत की सील लगाकर अनिवार्य रूप से निरस्त कर दिया जाये।
- 4.4 घोषित प्रदेश सूची की शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि के बाद रथानातरण रिक्त होने पर सभी कक्षाओं में नियमानुसार प्रवेश हेतु विलम्ब शुल्क रूपये 100/- अशासकीय मद में अतिरिक्त रूप से बसूला जायेगा। तथापि ऐसे प्रकरणों में 31 जुलाई के पश्चात् प्रवेश की अनुमति नहीं दी जायेगी।
- 4.5 रथानातरण प्रमाण—पत्र की द्वितीय प्रति (डुप्लीकेट) के आधार पर प्रवेश नहीं दिया जाये। रथानातरण प्रमाण—पत्र खो जाने की स्थिति में, विद्यार्थी द्वारा निकटरथ पुलिस थाने में एफ आई आर दर्ज किया जाये। पुलिस थाने की रिपोर्ट एवं पूर्व प्रवेश प्राप्त संस्था से अधिकृत रिपोर्ट जिसमें मूल रथानातरण प्रमाण—पत्र का अनुकरण एवं दिनांक का उल्लेख हो, प्राप्त होने की स्थिति में ही प्रवेश दिया जा सकता है। इस हेतु विद्यार्थी से बचन पत्र लिया जाये।
- 4.6 महाविद्यालय के प्राचार्य रथानातरण प्रमाण—पत्र जारी करने के साथ—साथ छात्र से संबंधित गोपनीय रिपोर्ट जारी करेंगे कि संबंधित छात्र रैगेंग/अनुशासनहीनता/तोड़फोड़ आदि में सलिल है या नहीं। ऐसे गोपनीय रिपोर्ट को सीलबन्द लिफाफे में बन्द कर उस महाविद्यालय के प्राचार्य को प्रेषित करेंगे जहाँ कि छात्र/छात्रा ने प्रवेश के लिए आवेदन किया है।
- 4.7 छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग के आदेश क्रमांक 2653/2014/38-1 दिनांक 10.09.2014 अनुसार “राज्य शासन, एतद द्वारा, शासकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत् स्नातक स्तर की छात्राओं को शैक्षणिक सत्र 2014-15 से शिक्षण शुल्क से छूट प्रदान करता है।” का पालन किया जाए।

5 प्रवेश की पात्रता :-

5.1 निवासी एवं अर्हकारी परीक्षा :-

- (क) छत्तीसगढ़ के मूल/स्थायी, छत्तीसगढ़ में स्थायी संपत्तिधारी निवासी/राज्य या केन्द्र राजकार के शासकीय कर्मचारी, अर्धशासकीय कर्मचारी तथा प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कर्मचारी, राष्ट्रीयबृता बैंकों तथा भारत सरकार द्वारा संचालित व्यावसायिक संगठनों के कर्मचारी जिनका पदाकन छत्तीसगढ़ में है, उनके पुत्र/पुत्रियों एवं जम्मू काश्मीर के विस्थापितों तथा उनके आश्रितों को ही शासकीय महाविद्यालयों में प्रवेश दिया जायेगा। उपरोक्तानुसार प्रवेश देने के पश्चात् भी स्थान रिक्त होने पर अन्य राज्यों के मान्यता प्राप्त बोर्ड एवं अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को नियमानुसार गुणानुक्रम के आधार पर प्रवेश दिया जा सकता है।
- (ख) सम्बद्ध विश्वविद्यालय से या सम्बद्ध विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों से अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को ही महाविद्यालय में प्रवेश की पात्रता होगी।
- (ग) आवश्यकतानुसार संबंधित विश्वविद्यालय से पात्रता प्रमाण—पत्र प्राप्त करने के पश्चात् ही आवेदक को प्रवेश प्रदान किया जाए।

5.2 स्नातक स्तर, नियमित प्रवेश :—

- (५) 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को स्नातक प्रथम वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी। किन्तु वाणिज्य और कला संकाय के आवेदकों को विज्ञान संकाय में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। बी.एस.सी. (गृह विज्ञान) प्रथम वर्ष में किसी भी संकाय से उत्तीर्ण छात्रा को प्रवेश की पात्रता होगी।
- (६) स्नातक स्तर पर प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को उन्होंने विषयों की कमशः द्वितीय/तृतीय वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी। स्नातक द्वितीय स्तर पर विषय परिवर्तन की पात्रता नहीं होगी।

5.3 स्नातकोत्तर स्तर नियमित प्रवेश :—

- (७) बी.कॉम्फ/बी.एस.सी. (गृह विज्ञान)/बी.ए. स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को कमशः एम.कॉम./एम.एस.सी. (गृह विज्ञान)/एम.ए-पूर्व/प्रथम सेमेस्टर एवं अहंकारी विषय लेकर बी.एस.सी उत्तीर्ण आवेदकों को एम.एस.-सी./एम.ए-पूर्व में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।
- (८) स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष/प्रथम सेमेस्टर उत्तीर्ण आवेदकों को उसी विषय के स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी। सेमेस्टर पद्धति की, पूर्व अहंकारी परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को अगले सेमेस्टर में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।
- (९) स्नातकोत्तर कक्षाओं हेतु एटी.के.टी. (Allowed To Keep Terms) नियम :—

1. स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में प्रावधिक प्रवेश की पात्रता रखने वाले आवेदकों को प्रवेश के लिए निर्धारित अंतिम तिथि के पूर्व प्रावधिक प्रवेश लेना अनिवार्य है।
2. स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर में एटी.के.टी. (Allowed To Keep Terms) नियमों के अनुसार पात्र आवेदकों को अगले सेमेस्टर में प्रावधिक प्रवेश की पात्रता होगी।

5.4 विधि संकाय नियमित प्रवेश :—

- (१) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को पात्रता होगी।
- (२) विधि स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को एल.एल.एम. प्रथम वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।
- (३) एल.एल.बी. प्रथम सेमेस्टर एवं एल.एल.एम. प्रथम सेमेस्टर परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को कमशः एल.एल.बी. द्वितीय सेमेस्टर एवं एल.एल.एम. द्वितीय सेमेस्टर में प्रवेश की पात्रता होगी। इसी प्रकार तृतीय, चतुर्थ, पंचम सेमेस्टर में भी प्रवेश की यही प्रक्रिया लागू होगा।

5.5 प्रवेश हेतु अहंकारी परीक्षा में न्यूनतम अंक सीमा :—

- (४) विधि स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु न्यूनतम अंक सीमा 45% (अनुसूचित जनजाति/अन्यसूचित जाति हेतु 40%) होगी। तथा विधि स्नातकोत्तर पूर्वादि में 55% अंक (अन्यसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति /ओ.बी.सी हेतु 50%) प्राप्त आवेदकों को नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।

6. AKTIE NCTE BAR COUNCIL OF INDIA/MEDICAL COUNCIL OF INDIA से अनुमोदित पाठ्यक्रमों में प्रवेश/संचालन पर संबंधित संस्था के प्रावधान प्रभावी होंगे।

6. समकक्ष परीक्षा :-

- 6.1 सन्दर्भ बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी एजुकेशन (सी.बी.एस.ई.), इंडियन कॉर्सिल फार सेकेण्डरी एजुकेशन (आई.सी.एस.ई.) तथा अन्य राज्यों के विद्यालयों/इंटरमीडिएट बोर्ड की 10+2 की परीक्षाएं माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 10+2 परीक्षा के समकक्ष मान्य हैं। प्राचार्य, मान्य बोर्ड की सूची सम्बद्ध विश्वविद्यालयों से प्राप्त कर सकते हैं।
- 6.2 सामान्यतः भारत में स्थित विश्वविद्यालयों जो भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एसोसिएशन ऑफ पूनिवरिटी) के सदस्य हैं, उनकी समरत परीक्षाएं छत्तीसगढ़ के विश्वविद्यालय की परीक्षा के समकक्ष मान्य हैं। ऐसे विश्वविद्यालय (IGNOU को छोड़कर) जो दूरवर्ती पाठ्यक्रम संचालित करते हैं, किंतु राज्य शासन से अनुमति प्राप्त नहीं है, की परीक्षाएं मान्य नहीं हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के निदेशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य के बाहर के किसी भी विश्वविद्यालय जथवा शैक्षणिक संस्था को छत्तीसगढ़ राज्य में अध्ययन केन्द्र/ऑफ कैम्पस आदि खोलकर छात्र-छात्राओं को प्रवेश देने/डिग्री देने की मान्यता नहीं है तथा ऐसी संस्थाओं से डिग्री/डिप्लोमा वैधानिक रूप से मान्य नहीं होगा।
- 6.3 सम्बद्ध विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय का शिक्षण संस्थाओं की सूची एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय-समय पर जारी फर्जी अथवा मान्यता विहीन विश्वविद्यालय या शिक्षण संस्थाओं, जिनकी उपाधि मान्य नहीं है, की जानकारी प्राचार्य सम्बद्ध विश्वविद्यालय से प्राप्त करें।
- 6.4 वर्ष 2012 में प्रारम्भ किए गए एनवीईक्यूएफ (National Vocational Educational Qualification Framework) के अंतर्गत उत्तीर्ण आवेदकों को विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में दाखिलों के लिए अन्य सामान्य विषयों की तुलना में समतुल्य प्राथमिकता प्रदान की जावे।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अर्द्धशासकीय पत्र क्रमांक
1-52 / 2013(रीसी / एनएसक्यूएफ) अप्रैल, 2014 के अनुसार —

जैसा कि आपको जात है आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय द्वारा अधिसूचित राष्ट्रीय परीक्षल अर्हता संरचना (एनएसक्यूएफ) में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय व्यवसायिक शैक्षणिक अर्हता संरचना (एनवीईक्यूएफ) में सुनिश्चित किये गये समरत महत्वपूर्ण विषयों को निर्गमित किया गया है। जैसा कि एनएसक्यूएफ में अधिसूचित किया गया है कि यह 1 से 10 स्तर तक के प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराता है जिनमें स्तर 5 से स्तर 10 तक के प्रमाण पत्र उपलब्ध शिक्षा से एवं स्तर 1 से स्तर 4 तक के प्रमाण पत्र स्कूली शिक्षा के क्षेत्र से सम्बद्ध हैं। वर्ष 2012 में प्रारम्भ किये गये एनवीईक्यूएफ के अनुसरण में कुछ स्कूल बोर्ड द्वारा छात्रों को पाठ्यक्रम प्रत्यावृत्त किये गये और एनवीईक्यूएफ के अंतर्गत छात्रों को

के प्रमाणित स्तर रहित 10+2 शिक्षा को वर्ष 2014 तक सफल कर पायेगे। मानव संसाधन पिकास मंत्रालय, भारत सरकार ने आशका जताई है कि ऐसे छात्र जो विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में स्नातक पूर्व किसी भी पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के इच्छुक हैं तथा जिनके पास 12 वर्ष में व्यावरायिक विषय थे वे अलाभकारी स्थिति में होंगे। अतः मेरा आपसे अनुरोध है कि जिस समय छात्रों द्वारा विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में अन्य किसी भी स्नातक पूर्व पाठ्यक्रमों में दाखिलों के लिए प्रयास किये जा रहे हों तो उस समय ऐसे विषयों को अन्य सामान्य विषयों की तुलना में समतुल्य प्राथमिकता प्रदान की जाये, ताकि उन छात्रों की वीतिजिक गत्यान्वकता के लिए सुअवसर मिल सके।

7. बाह्य आवेदकों का प्रवेश :-

- 7.1 स्नातक स्तरकृतक वी.ए./वी.कॉम./वी.एस-सी./वी.एच.एस-सी. में एकीकृत पाठ्यक्रम लागू होने से छत्तीसगढ़ के किसी भी विश्वविद्यालय/स्वशासी महाविद्यालय से प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को कमश: द्वितीय/तृतीय वर्ष में प्रवेश की पात्रता है किन्तु सम्बद्ध विश्वविद्यालय/स्वशासी महाविद्यालय में पढ़ाये जा रहे विषयों/विषय समूहों में आवेदकों ने पिछली परीक्षा दी हो इसका परीक्षण करने के पश्चात ही नियमित प्रवेश दिया जावे। आवश्यक हो तो विश्वविद्यालय से पत्रता प्रमाण—पत्र अवश्य लिया जाये।
- 7.2 छत्तीसगढ़ के बाहर स्थित विश्वविद्यालय/स्वशासी महाविद्यालयों से स्नातक स्तर की प्रथम/द्वितीय परीक्षा अन्य विश्वविद्यालय/स्वशासी महाविद्यालयों से स्नातकोत्तर पूर्व की परीक्षा या प्रथम, द्वितीय, तृतीय सेमेस्टर परीक्षा एवं विधि स्नातक स्तर की प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को उनके द्वारा सम्बद्ध विश्वविद्यालयों से पात्रता प्रमाण—पत्र प्रस्तुत करने के पश्चात ही उन्हीं विषयों/विषय समूह की अगली कक्षा में नियमित प्रवेश दिया जावे।

राज्य के बाहर के विद्यार्थियों को निर्धारित प्रारूप में एक शपथ—पत्र देना होगा किसी नी प्रकार की झूटी/गलत जानकारी पाए जाने पर संबंधित विद्यार्थी का प्रपेश निरस्त करते हुए उस प्रदेश के किसी भी विश्वविद्यालय में प्रवेश से बंधित कर दिया जाएगा। अन्य राज्य के आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों का प्रमाणीकरण संबंधित बोर्ड/विश्वविद्यालय से कराया जाना अनिवार्य है।

- 7.3 विज्ञान एवं अन्य प्रायोगिक विषयों में स्वाध्यायी आवेदकों को स्थान रिक्त होने पर तथा महाविद्यालय के मूत्रपूर्व छात्रों को 30 नववर तक, निर्धारित शुल्क लेकर मात्र प्रायोगिक कार्य करने की अनुमति प्राप्तार्थी द्वारा दी जा सकती है।

8. अस्थायी प्रवेश की पात्रता रखने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश हेतु निर्धारित अंतिम तिथि के पूर्व अस्थायी प्रवेश लेना-अनिवार्य होगा :-

- 8.1 10+2 स्नातक स्तर की प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा में पूरक परीक्षा (कम्पार्टमेंट) प्राप्त नियमित आवेदकों को अगली कक्षा में स्थान रिक्त होने पर अस्थायी प्रवेश की पात्रता होगी।
- 8.2 स्नातकोत्तर सेमेस्टर प्रथम/द्वितीय तृतीय में पूरक/एटी-कैटी प्राप्त आवेदकों ने

- 8.3 नीचे स्नातक प्रथम/हितीय वर्ष में निर्धारित एयरोट 48 प्रतिशत पूरा न करने वाले या प्राप्त आवेदकों को अगली कक्षा में अस्थायी प्रवेश की पात्रता होगी।
- 8.4 उपरोक्त कठिका 7 के खण्ड 1 एवं 2 के आवेदकों को अस्थायी प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
- 8.5 पुरक परीक्षा में अनुलीण होने पर अस्थायी प्रवेश प्राप्त छात्र/छात्राओं का अस्थायी प्रवेश स्विरस्त हो जायेगा। उत्तीर्ण होने पर अस्थायी प्रवेश नियमित प्रवेश के रूप में मान्य कियेगा।
- 9 प्रवेश हेतु अहंताएः :-
- 9.1 किसी भी महाविद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के किसी संकाय में प्रवेश प्राप्त छात्र/छात्राओं को उसी संकाय की उसी कक्षा में पुनः नियमित प्रवेश की पात्रता नहीं होगी। यदि किसी छात्र ने पूर्व सत्र में आवेदित कक्षा में नियमित प्रवेश नहीं लिया हो तो ऐसे आवेदक नियमित प्रवेश हेतु अनहूं नहीं माना जायेगा। उसे मात्र मूल स्थानांतरण प्रमाण-पत्र या शपथ-पत्र जिससे प्रमाणित हो कि पूर्व में उसने प्रवेश नहीं लिया है, के आधार पर ही नियमानुसार प्रवेश दिया जायेगा।
- 9.2 जिनके विरुद्ध न्यायालय में बालान प्रस्तुत किया गया हो या न्यायालय में अपराधिक प्रकरण बत रहे हों। परीक्षा में या पूर्व सत्र में छात्रों/अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार/पारपोट करने के मानी आरोप हो/बतावनी के बाद भी सुधार परिलक्षित नहीं हुआ हो। ऐसे छात्र/छात्राओं को प्रवेश नहीं देने के लिए प्राचार्य अधिकृत है।
- 9.3 महाविद्यालय में लौडफोड करने और महाविद्यालय की संपत्ति को नष्ट करने वाले/रेगिंग के आरोपी छात्र/छात्राओं का प्रवेश निरस्त करने/प्रवेश न देने के लिए प्राचार्य अधिकृत हैं। प्राचार्य इस हेतु समिति महित कर जीव करवायें एवं जीव रिपोर्ट के आधार पर प्रवेश निरस्त किया जाये। ऐसे छात्र-छात्राओं को छत्तीसगढ़ राज्य के किसी भी शासकीय/अशासकीय महाविद्यालय में प्रवेश न दिया जावे।
- 9.4 प्रवेश हेतु आयु-सीमा :-
- (क) स्नातक प्रथम वर्ष में 22 वर्ष एवं स्नातकोत्तर पूर्वद्वारा/प्रथम सोमेरस्टर में 27 वर्ष से अधिक आयु के आवेदकों को प्रवेश की पात्रता नहीं होगी। आयु की गणना आवेदित वर्ष के एक जुलाई की स्थिति में की जायेगी। डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा में प्रवेश हेतु निर्धारित अधिकतम आयु सीमा सामान्यतः 27 वर्ष मान्य की जाएगी।
- (ख) आयु सीमा का बढ़ान। किसी भी राज्य सरकार/भारत सरकार के मंत्रालय/कार्यालय द्वारा नियन्त्रित संस्थाओं द्वारा प्रायोजित एवं अनुशासित प्रत्याशियों, भारत सरकार द्वारा आयोजित अथवा किसी विदेश सरकार द्वारा अनुशासित विदेश से अध्ययन हेतु मेजे नये छात्रों अथवा विदेश से अध्ययन के लिए विदेशी मुद्रा में पेंटेसीट पर अध्ययन करने वाले छात्रों पर लागू नहीं होगा।
- (ग) विधि संकाय में प्रवेश हेतु अधिकतम आयु सीमा का प्रावधान समाप्त किया जाता है।

- (४) संस्कृत महाविद्यालय में प्रवेश हेतु स्नातक प्रथम वर्ष में 25 वर्ष तथा स्नातकों पूर्व/प्रथम सेमेस्टर में 27 वर्ष से अधिक आयु वाले आवेदकों का प्रवेश की पात्रता होगी।
- (५) विधि संकाय को छोड़कर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़ा वा/महिला आवेदकों के लिए आयु सीमा में ३ वर्ष की छूट रहेगी। निःशक्त अभ्यर्थी आवेदकों के लिए आयु सीमा में ५ वर्ष की छूट रहेगी।
- 9.5 पूर्णकालिक शासकीय/अशासकीय सेवारत् कमीचारी की उसकी दिनिक कार्य की अवधि लगने वाले महाविद्यालय में नियमित प्रवेश की पात्रता नहीं होगी। दिनिक कर्तव्य अवधि उपरात लगने वाले महाविद्यालय में प्रवेश हेतु आवेदन करने पर आवेदक द्वारा नियोक्ता अनापत्ति प्रैमाण पत्र प्रस्तुत करने के बाद ही प्रवेश दिया जावेगा।
- 9.6 किसी संकाय में स्नातक उपाधि प्राप्त छात्र/छात्राओं को किसी अन्य संकायों के स्नातकों पाठ्यक्रम में नियमित प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
10. प्रवेश हेतु गुणानुक्रम का निर्धारण :-
- 10.1 उपलब्ध स्थानों से अधिक आवेदक होने पर प्रवेश निम्नानुसार गुणानुक्रम से किया जायेगा।
- (क) स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश हेतु अहंकारी परीक्षा के प्राप्ताक एवं अधिकारी देश है, तो अधिभार जोड़कर प्राप्त कुल प्रतिशत अंकों के आधार पर तथा
- (ख) विधि स्नातक प्रथम वर्ष में सम्बद्ध विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा का प्रावधान हो विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार होगी।
- 10.2 अनारक्षित एवं आरक्षित श्रेणी के लिये अलग-अलग गुणानुक्रम सूची तैयार की जावेगी।
11. प्रवेश हेतु प्राथमिकता :-
- 11.1 प्रथम वर्ष स्नातक/स्नातकोत्तर/विधि कक्षाओं में प्राथमिकता का आधार, अहंकारी परीक्षा उत्तीर्ण नियमित/मूलपूर्व नियमित परीक्षार्थी/स्वाध्यार्थी उत्तीर्ण छात्रों के कमानुसार रहेगा।
- 11.2 स्नातक/स्नातकोत्तर अगली कक्षाओं में प्राथमिकता का आधार, अहंकारी परीक्षा में उत्तीर्ण नियमित/उत्तीर्ण मूलपूर्व नियमित/एक विषय में पूरक प्राप्त चूर्चा सत्र के नियमित/स्वाध्यार्थी विद्यार्थीयों के क्रम में होगा।
- 11.3 विधि संकाय की अगली कक्षाओं में पूरक छात्रों के पहले उत्तीर्ण, परंतु 48 एप्रील ग्राप्त करने वाले छात्रों को प्राथमिकता के आधार पर प्रवेश दिया जावे, अन्य क्रम यथावत रहेगा।
- 11.4 आवेदक द्वारा अहंकारी परीक्षा उत्तीर्ण करने के स्थान अथवा उसके निवास स्थान/तहसील/जिला में स्थित या आसापास के अन्य जिले के समीपस्थ स्थानों पर स्थित महाविद्यालयों में आवेदित विषय/विषय समूह के अध्यापन की सुविधा होने पर ऐसे आवेदकों के आवेदनों पर विवार न करते हुए उस विषय/विषय समूह में प्रवेश हेतु प्राचार्य द्वारा अपनामर/तहसील/जिलों की सीमा से लगे अन्य जिलों के समीपस्थ स्थानों के आवेदकों का प्राथमिकता देते हुए प्रवेश दिया जावे आवेदक के निवास स्थान/तहसील/जिलों में स्थित या आसापास के अन्य जिलों के समीपस्थ स्थित महाविद्यालय में आवेदित विषय/विषय ग्राप्त करने वाले छात्रों को प्रवेश दिया जावे।

- अध्ययन की सुविधा नहीं होने पर उन्हें गुणानुक्रम से प्रवेश दिया जावेगा। स्थान रिक्त रहने पर एवं गुणानुक्रम में आगे पर पूरे प्रदेश के छात्रों को पूरे प्रदेश में प्रवेश की पात्रता होगी।
- 11.5 परन्तु उपरोक्त प्राविधान स्वशासी महाविद्यालयों के लिए लागू नहीं होगा, किसी एक विषय की इनातकोल्टर प्रशिक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थी को अन्य विषय की स्नातकोल्टर कक्षा में प्रवेश महाविद्यालय में स्थान रिक्त रहने की स्थिति में ही दिया जा सकेगा।
- 12 आरक्षण—छत्तीसगढ़ शासन की आरक्षण नीति के अनुरूप निम्नानुसार होगा—
- 12.1 प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में प्रवेश में सीटों का आरक्षण तथा किसी शैक्षणिक संस्था में इसका विस्तार निम्नलिखित रैति से होगा, अर्थात्—
- (क) अध्ययन या संकाय की प्रत्येक शाखा में वार्षिक अनुज्ञाप्त संख्या में से बत्तीस प्रतिशत रीटे अनुरूपित जनजातियों के लिए आरक्षित रहेंगी।
 - (ख) अध्ययन या संकाय की प्रत्येक शाखा में वार्षिक अनुज्ञाप्त संख्या में से बारह प्रतिशत रीटे अनुरूपित जातियों के लिए आरक्षित रहेंगी।
 - (ग) अध्ययन या संकाय की प्रत्येक शाखा में वार्षिक अनुज्ञाप्त संख्या में से चौदह प्रतिशत रीटे अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित रहेंगी।
- परन्तु यहीं अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटे पात्र विद्यार्थियों की अनुपलब्धता के कारण अंतिम तिथि(यों) पर रिक्त रह जाती हैं, तो इसे अनुसूचित जातियों से तथा विपरीत कम में पात्र विद्यार्थियों में से भरा जाएगा।
- परन्तु यह और कि पूर्वगामी परंतुक में निर्दिष्ट व्यवस्था के पश्चात् भी, जहाँ खण्ड (क), (ख) तथा (ग) के अधीन आरक्षित सीटे, अंतिम तिथियों पर रिक्त रह जाती हैं, तो इसे अन्य पात्र विद्यार्थियों से भरा जाएगा।
- 12.2 (1) बिन्दु क. 12.1 के खण्ड (क), (ख) तथा (ग) के अधीन उपलब्ध सीटों का आरक्षण उर्ध्वाधर (पटीकल) ८५ से अवधारित किया जाएगा।
 (2) निःशक्त व्यवितयों, महिलाओं, भूतपूर्व कार्मिकों / भूतपूर्व सैनिक, रवतंत्रता संग्राम सेनानियों के बच्चों या व्यवितयों के अन्य विशेष वर्गों के संबंध में क्षेत्रिज आरक्षण का प्रतिशत ऐसा होगा, जैसा कि राज्य सरकार द्वासा समय—समय पर इस अधिनियम के प्रयोजनों के लिए अधिसूचित किया जाए तथा यह बिन्दु क. 12.1 के खण्ड (क), (ख) तथा (ग) के अधीन यथास्थिति, उर्ध्वाधर आरक्षण के भीतर होगा।
- 12.3 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के पुत्र—पुत्रियों के लिये ३ प्रतिशत स्थान आरक्षित रहेंगे। निशक्त श्रेणी के आवेदकों के लिए ५ प्रतिशत स्थान आरक्षित रहेंगे।
- 12.4 सभी वर्गों में उपलब्ध स्थानों में से ३० प्रतिशत स्थान छात्राओं के लिये आरक्षित होंगे।
- 12.5 आरक्षित श्रेणी का कोई उम्मीदवार अधिक अंक पाने वाले कारण अनारक्षित श्रेणी ओपन काम्पोटीशन में नियमानुसार मेरिट सूची में रखा जाता है, तो आरक्षित श्रेणी की सीटें यथावत् अप्रभावित रहेंगी, परन्तु यदि ऐसा विद्यार्थी किसी संवर्ग जैसे— स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आदि

का भी है तो सर्वम् की यह सीट उस आरक्षित श्रेणी में भरी मानी जायेगी। शेष सर्वम् की शीर्ष भरी जायेगी।

- 12.6 आरक्षित स्थान का प्रतिशत $1/2$ से कम आता है तो आरक्षित स्थान उपलब्ध नहीं होगा। $1/2$ प्रतिशत एवं एक प्रतिशत के बीच आने पर आरक्षित स्थान की संख्या एक होगी।
- 12.7 जमू कश्मीर चिरस्थापितो तथा आश्रितों को 5 प्रतिशत तक सीट वृद्धि कर प्रवेश दिया जाए। यह न्युनतम अंक में 10 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी।
- 12.8 समय समय पर शासन द्वारा जारी आरक्षण नियमों का पालन किया जाए।
- 12.9 कड़िका 12.1 में दर्शाई गई आरक्षण के प्रावधान माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर के निर्णय के अध्यधीन रहेगा।
- 12.10 दृढ़ीय लिंग के व्यक्तियों को माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा इस संबंध में प्रकरण क्रमांक डक्यूमेंट (सी) 400/2012 नंशनल लीगल सर्विसेस अर्थोरिटी विरुद्ध भारत सरकार एवं अन्य में पारित निर्णय दिनांक 15.04.2014 की कड़िका 129(3) में यह निर्देश दिया गया है कि – "We direct the Centre and the State Government to take Steps to treat them as socially and educationally backward classes of citizens and extend all kinds of reservation in cases of admission in educational institutions and for public appointments." का कड़ाई से पालन किया जाए।

13 अधिभार :—

अधिभार मात्र गुणानुकम निर्धारण के लिये ही प्रदान किया जायेगा, पात्रता प्राप्ति हेतु इसका उपयोग नहीं किया जायेगा। अहंकारी परीक्षा के प्राप्ताकों के प्रतिशत पर ही अधिभार देय होगा। अधिभार हेतु समरत प्रमाण-पत्र प्रवेश आवेदन-पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। आवेदन पत्र जमा करने के पश्चात् बाद में लाये जाने/जमा किये जाने वाले प्रमाण-पत्रों पर अधिभार हेतु विचार नहीं किया जायेगा। एक से अधिक अधिभार प्राप्त होने पर मात्र सर्वाधिक अधिभार ही देय होगा।

13.1 एन.सी.सी./एन.एस.एस./स्काउट्स

रक्षणात्मक शब्द को स्काउट्स/गाइड्स/रन्जस/रोवर्स के अर्थ में पढ़ जावे।

(क)	एन.एस.एस./एन.सी.सी. "ए" सर्टिफिकेट	02 प्रतिशत
(ब)	एन.एस.एस./एन.सी.सी. "बी" सर्टिफिकेट या तृतीय सोपान उत्तीर्ण स्काउट्स	03 प्रतिशत
(ग)	"सी" सर्टिफिकेट या तृतीय सोपान उत्तीर्ण स्काउट्स	04 प्रतिशत
(ध)	राज्य स्तरीय संचालनालयीन एन.सी.सी. प्रतियोगिता में मुप का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्रों को	04 प्रतिशत
(घ)	नई दिल्ली के गणतंत्र दिवस परेड में छत्तीसगढ़ के एन.सी.सी./एन.एस.एस. कंटिन्जेन्स में भाग लेने वाले विद्यार्थी को	05 प्रतिशत
(ङ)	राज्यपाल स्काउट्स	05 प्रतिशत
(ज)	राष्ट्रपति स्काउट्स	10 प्रतिशत
(झ)	छत्तीसगढ़ एन.सी.सी. कंटेन्ट	10 प्रतिशत

	(६) भारत एवं अन्य राष्ट्रों के मध्य यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में सामग्री लेने वाले कैडेट, एन.सी.सी. / एन.एस.एस. के लिए व्यापारिक एवं प्रवास करने वाले कैडेट को, अन्तर्राष्ट्रीय अभियानों के लिये व्यापारिक होने वाले विद्यार्थियों को	15 प्रतिशत
13.2	आनंदी विषय पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण विद्यार्थी को स्नातकोत्तर कक्षा में उत्तीर्ण विषय में प्रवेश लेने पर	10 प्रतिशत
13.3	व्यापारिक / साहित्यिक / राष्ट्रकृतिक / विवाज / रूपांकन प्रतियोगिताएं –	
	(१) लॉक शिक्षण संचालनालय अथवा छल्लीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित ३ जिलों। सभाग रत्नर अथवा केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित अंतर संभाग / रत्नर प्रतियोगिता में	3
	(२) प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त टीम के प्रत्येक सदस्य को	02 प्रतिशत
	(३) वाक्तिगत प्रतियोगिता में उपर्युक्त स्थान प्राप्त करने वाले को	04 प्रतिशत
	(२) उपर्युक्त कंडिका 13.3 (१) में उल्लेखित विभाग / संचालनालय द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अथवा भारतीय विश्वविद्यालय सघ ए.आई.यू. द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में अथवा संसदीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित क्षेत्र प्रतियोगिता में	
	(५) प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त टीम के प्रत्येक सदस्य को	06 प्रतिशत
	(६) वाक्तिगत प्रतियोगिता में उपर्युक्त स्थान प्राप्त करने वाले को	07 प्रतिशत
	(७) सभाग / क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतियोगी को	05 प्रतिशत
	(८) भारतीय विश्वविद्यालय सघ द्वारा आयोजित, संसदीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में	
	(९) वाक्तिगत प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को	15 प्रतिशत
	(१०) प्रथम, द्वितीय अथवा तृतीय स्थान अंजित करने वाली टीम के सदस्यों को	12 प्रतिशत
	(११) द्वेष का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतियोगी को	10 प्रतिशत
13.4	भारत एवं अन्य राष्ट्रों के मध्य यूथ अथवा साईन्स एवं कल्घरल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत विज्ञान / सांस्कृतिक / साहित्यिक / कला क्षेत्र में व्यापारिक एवं प्रवास करने वाले दल के सदस्यों को	10 प्रतिशत
13.5	छल्लीसगढ़ शासन / मप्र. से मान्यता प्राप्त खेल संघों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में	
	(१) छल्लीसगढ़ / मप्र. का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम के सदस्यों को	10 प्रतिशत
	(२) प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छल्लीसगढ़ की	10 प्रतिशत

13.6 जमू कर्मीर के विस्थापिता तथा उनके आश्रितों को

13.7 विशेष प्रोत्साहन :-

छत्तीसगढ़ सभ्य एवं महाविद्यालय के हित में एन.सी.सी./खेलकूद को प्रोत्साहन देने के लिए एन.सी.सी. के साक्षीय रूप के सर्वश्रेष्ठ कैडेट्स तथा ओलम्पियाड/एशियाड/स्पोर्ट्स अध्यारिटी और इंडिया द्वारा साक्षीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित खेल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को बगेर गुणानुक्रम के आगामी शिक्षा सत्र में उन कक्षाओं में सीधे प्रवेश दिया जाए जिनकी उन्हें पात्रता है कि -

- (1) इस प्रकार के प्रमाण-पत्रों को संबालक, खेल एवं युवक कल्याण, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अनिवार्यता किया गया हो, एवं
- (2) यह सुविधा केवल उन्हीं अध्यार्थियों को मिलेगी जिन्होंने निर्धारित समयावधि के अंतर्गत अपना अध्यावेदन महाविद्यालय में प्रस्तुत किया है, परन्तु इस प्रकार की सुविधा दूसरी बार प्राप्त करने के लिए उन्हें उपलब्ध पुनः प्राप्त करना आवश्यक होगा।

13.8 प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु स्कूल स्तर के पिछले चार कमिक सत्र तक के प्रमाण-पत्र स्नातकोत्तर प्रथम या विद्युत प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु विगत तीन कमिक सत्र तक के प्रमाण-पत्र अधिभार हेतु मान्य किये जायेगे। स्नातक द्वितीय, तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष में प्रवेश हेतु पूर्व तीन के प्रमाण पत्र अधिभार हेतु मान्य होंगे।

14 संकाय/विषय/युप परिवर्तन :-

स्नातक/स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में अहेंकारी परीक्षा के संकाय/विषय/युप परिवर्तन कर प्रवेश वाहने वाले विद्यार्थियों को उनके प्राप्तांकों से 5 प्रतिशत घटाकर उनका गुणानुक्रम निर्धारित किया जायेगा, अधिभार घटे हुये प्राप्तांकों पर देय होगा। महाविद्यालय में स्नातक/स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में एक बार प्रवेश लेने के बाद वर्तमान सत्र के दौरान संकाय/विषय/युप परिवर्तन की अनुमति महाविद्यालय वे प्रावार्य द्वारा 30 सितंबर तक या विलम्ब से मुख्य परीक्षा परिणाम आने पर कठिका 22 में उल्लिखित प्रवेश की अंतिम तिथि से 15 दिनों तक ही दी जायेगी। यह अनुमति उन्हीं विद्यार्थियों को देय होगी जिनके प्राप्तांक संबंधित विषय/संकाय की मूल गुणानुक्रम सूची में अतिम प्रवेश पाने वाले विद्यार्थी के समकक्ष या उससे अधिक हों।

15 शोध छात्र :-

शाराकीय महाविद्यालयों में पी.एच.डी. के शोध छात्रों को दो वर्ष के लिये प्रवेश दिया जायेगा। पुस्तकालय/प्रायोगिक वार्षे अपूर्ण रह जाने की स्थिति में सुपरवाइजर की अनुशासा पर प्रावार्य इस समयावधि को अधिकतम 4 वर्ष कर सकेंगे। छात्र निर्धारित आवेदन पत्र में आवेदन पत्रों, प्रवेश के बाद निर्धारित शुल्क जमा करने के बाद ही नियमित प्रवेश मान्य किया जायेगा। शोध छात्र के लिये संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा पी.एच.डी. निर्देशन हेतु महाविद्यालय में प्रदर्शन मान्य प्राप्त्यापक सुपरवाइजर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों के अन्तर्गत ही वर्षना शामिल रहने करें। अध्ययन अवकाश लेकर कोई शिक्षक यदि शोध छात्र के सापे में कार्यरत है तो सबसम अधिकारी हासा प्रेषित गणकिति करें।

मार्ग प्रस्तुति स्पैट प्राप्त होने पर ही येतन अहरण अधिकारी द्वारा शोध शिक्षक का वेता आवृत्ति किया जायगा।

गहाविद्यालय में पदस्थ प्राच्यापक सुपरवाइजर के अन्यत्र स्थानांतरण हो जाने की स्थिति में शोध सत्र ऐसी स्थिति में अपना शोध कार्य छालू रख सकते हैं जहां से उनका शोध लिखने पर अवैध विद्या माया था, शोध कार्य पूर्ण हो जाने के उपरान्त शोध का प्रबन्ध उर्माधिकारीलय के प्राचार्य अवैधित करें।

16 विशेष :-

- 16.1 गाली प्रकाण पत्रों, गलत नामकारी, जानबूझकर छिपाये गये प्रतिकूल तथ्यों, प्रशासकीय अथवा विद्यालयीय असाक्षणीयता यादि किसी आवेदक को प्रवेश मिल गया है, तब ऐसा प्रवेश को निरस्त करने पूर्ण दायित्व प्राचार्य को होगा।
- 16.2 प्रवेश लेकर किसी समुचित कारण, पूर्व अनुमति या सूचना के बिना लगातार एक माह या अधिक समय तक अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थी को प्रवेश निरस्त करने का अधिकार प्राचार्य को होगा।
- 16.3 प्रवेश के बाद सत्र के दौरान कड़िका 9.2 एवं 9.3 में वर्णित अनुशासनहीनता के प्रकरणों में लिख विद्यार्थी का प्रवेश निरस्त करने अथवा उसे निष्कारित करने का अधिकार प्राचार्य को होगा।
- 16.4 प्रवेश के बाद सत्र के दौरान विद्यार्थी द्वारा गहाविद्यालय छोड़ देने अथवा उसका प्रवेश निरस्त होने तथा उसका निष्कारान किये जाने की स्थिति में विद्यार्थी को सरक्षित निधि के अतिरिक्त अन्य काँड़ शुल्क वापिस नहीं किया जायेगा।
- 16.5 प्रवेश के मार्गदर्शक सिद्धांतों के स्पष्टीकरण या प्रवेश संबंधी किसी प्रकरण में मार्गदर्शन की लावश्यकता होने पर प्राचार्य प्रकरण में अनिवार्य रूप से स्पष्ट टीप व अभिमत देते हुए स्पष्टीकरण/मार्गदर्शन आयुक्त, उच्च शिक्षा, उत्तीर्णगढ़, रायपुर से प्राप्त करें, प्रवेश संबंधी विस्तीर्ण में प्रकरण को केवल अवैधित लिखकर प्रेषित न किया जाये।
- 16.6 इन मार्गदर्शक सिद्धांतों में उल्लेखित प्रावधानों की व्याख्या करने का अधिकार आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग का है। इन मार्गदर्शक सिद्धांतों में समय-समय पर परिवर्तन/संशोधन/निरसन/संलग्न का संपूर्ण अधिकार उत्तीर्णगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय को होगा।



कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा
 सी-३, द्वितीय एवं तृतीय तल, इन्द्रावती भवन,
 नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.)

—००—

क्रमांक ५७२/१४९ आठशि / सम / २०२०
 प्रति,

नवा रायपुर अटल नगर दिनांक ०७/८/२०

१. कुलसचिव
 समस्त विश्वविद्यालय,
 छत्तीसगढ़
२. प्राचार्य,
 समस्त अग्रणी महाविद्यालय,
 छत्तीसगढ़

विषय :-

छत्तीसगढ़ के शैक्षणिक संस्थानों के लिये सत्र २०२०-२१ हेतु प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत।
 संदर्भ :-
 अबर सचिव, छ.ग.शासन, उच्च शिक्षा विभाग का पत्र क्रमांक एफ १७-९५/२०१७/३८-२
 नवा रायपुर अटल नगर दिनांक २९.०६.२०२०।

—००—

उपरोक्त विषयात्मक संदर्भित पत्र के अनुक्रम में लेख है, कि छ.ग.शासन उच्च शिक्षा विभाग
 के संदर्भित पत्र द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के शैक्षणिक संस्थाओं के लिये सत्र २०२०-२१ हेतु प्रवेश मार्गदर्शिका
 सिद्धांत जारी किये गये हैं। प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत २०२०-२१ की प्रति संलग्न कर प्रेषित है।

कृपया आप अपने एवं अपने अधीनस्थ समस्त शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों को पत्र की
 छायाप्रति उपलब्ध कराते हुए प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत २०२०-२१ में दिये गये प्रावधानों का कड़ाई से पालन
 करना सुनिश्चित करावें।

संलग्न – उपरोक्तानुसार।

(आयुक्त, उच्च शिक्षा द्वारा अनुमोदित)



(डॉ. एच.एस.कर)

अपर संचालक

उच्च शिक्षा संचालनालय

नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)

पृ.क्रमांक ५७३/१४९ आठशि / सम / २०२०

नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक ०७/८/२०

प्रतिलिपि :-

१. अबर सचिव, छ.ग.शासन उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय को संदर्भित पत्र के परिपेक्ष्य में सूचनार्थ
 प्रेषित।
२. क्षेत्रीय अपर संचालक, क्षेत्रीय कार्यालय, उच्च शिक्षा रायपुर/बिलासपुर/जगदलपुर/
 अंबिकापुर/दुर्ग की ओर सूचनार्थ।



all

अपर संचालक

उच्च शिक्षा संचालनालय

नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ शासन
उच्च शिक्षा विभाग
मंत्रालय:
महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर
जिला-रायपुर
-----00-----

12 JULY 2020 CSE
Social कानून पर तोड़ा।
12 JULY 2020 CSE

प्रक्रमिक एफ 17-95/2017/38-2 नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर, दिनांक 29-06-2020
प्रति,

आयुक्त,
उच्च शिक्षा सचालनालय,
इंद्रावती भवन,
नवा रायपुर अटल नगर,
रायपुर।

विषय:- छत्तीसगढ़ के शैक्षणिक संस्थाओं के लिये सत्र 2020-21 हेतु प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत तैयार करने बाबत।

संदर्भ:- आपका ज्ञापन क्रमांक 416/149/आउशि/सम/2020 दिनांक 26.05.2020

-----00-----

विषयांतर्गत संदर्भित प्रस्ताव का कृपया अवलोकन करें।

2/ राज्य के उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत सचालित शैक्षणिक संस्थाओं के लिये शैक्षणिक सत्र 2020-21 हेतु अनुमोदित प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत की एक प्रति संलग्न प्रेषित है।

कृपया सभी संबंधित संस्थाओं को मार्गदर्शिका की प्रति उपलब्ध कराते हुए मार्गदर्शिका में दिये गये प्रावधानों का कड़ाई से पालन किये जाने हेतु निर्देशित करने का कार्य करें।

संलग्न:- उपरोक्तानुसार।

(रविन्द्र कुमार मंडेकर)

अवर सचिव

छोटा शासन, उच्च शिक्षा विभाग

पृ क्रमांक एफ 17-95/2017/38-2 नवा रायपुर अटल नगर रायपुर, दिनांक

प्रतिलिपि:-

- विशेष सहायक, माननीय मंत्रीजी, उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन, मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर।
- सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर की ओर सूचनार्थ अग्रेषित।
- गार्ड फाईल।

अवर सचिव

छोटा शासन, उच्च शिक्षा विभाग

स.पु.(टी)

P
27/20

27/20

छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग



छत्तीसगढ़ के शैक्षणिक संस्थाओं के लिये
सत्र 2020–21 हेतु
प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत

छत्तीसगढ़ शासन
उच्च शिक्षा विभाग
छत्तीसगढ़ के शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों की स्नातक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश
के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत
सत्र 2020-21

1. प्रयुक्ति :-
- 1.1 ये मार्गदर्शक सिद्धांत छत्तीसगढ़ के सभी शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों में छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय अधिनियम-1973 के तहत अध्यादेश क्रमांक 6 एवं 7 के प्रावधान के साथ सहपठित करते हुए लागू होंगे तथा समस्त प्राचार्य इनका पालन सुनिश्चित करेंगे।
- 1.2 प्रदेश के नियमों को शासकीय तथा अशासकीय महाविद्यालयों को कडाई से पालन करना होगा। प्रवेश से आशय स्नातक कक्षा के प्रथम वर्ष अथवा प्रथम सेमेस्टर तथा स्नातकोत्तर कक्षा के प्रथम सेमेस्टर से है।
2. प्रवेश की तिथि :-
- 2.1 प्रवेश हेतु आवेदन पत्र जमा करना :-
 इस वर्ष विश्वविद्यालय स्तर पर प्रवेश हेतु "ऑनलाइन" फार्म जमा कराया जावेगा। जिन महाविद्यालयों के लिए जितने फार्म जमा होंगे, उसे उस महाविद्यालय को प्रेषित किये जायेंगे। ऑफलाइन से प्राप्त आवेदनों में से प्राचार्य, शासन से प्राप्त प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत के नियमों के आधार पर प्रवेश प्रदान करेंगे।
 (अ) अपरिहार्य कारणों से यदि "ऑफलाइन" आवेदन जमा करना हो तो आवेदक द्वारा महाविद्यालय में प्रवेश के लिए प्राचार्य द्वारा निर्धारित आवेदन पत्र समस्त प्रमाण पत्रों सहित निर्धारित दिनांक तक महाविद्यालय में जमा किये जायेंगे।
 (ब) प्रवेश हेतु बोर्ड/विश्वविद्यालय द्वारा अंकसूची प्रदान न किये जाने की स्थिति में पूर्व संस्था के संबंधित प्राचार्य द्वारा प्रमाणित किये जाने पर दिनांक अंकसूची के आवेदन पत्र जमा किये जा सकेंगे।
- 2.2 प्रवेश हेतु अंतिम तिथि निर्धारित करना :-
 स्थानांतरण प्रकरण को छोड़कर 01 अगस्त से 31 अगस्त तक प्राचार्य स्वयं तथा 15 सितंबर तक कुलपति की अनुमति से प्राचार्य प्रवेश देने में सक्षम होंगे। (स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश की तिथि 01 अगस्त से तथा अन्य कक्षाओं हेतु परीक्षा परिणाम घोषित होने के 15 दिवस के भीतर) शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया की जावेगी। परीक्षा परिणाम विलम्ब से घोषित होने की स्थिति में प्रवेश की अंतिम तिथि महाविद्यालय में परीक्षा परिणाम प्राप्त होने की तिथि से 10 दिन तक अथवा विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा परीक्षा परिणाम घोषित होने की तिथि से 15 दिन तक, जो भी पहले हो मान्य होगी। कडिका 5.1 (क)

में उल्लेखित, कर्मचारियों के स्थानांतरित होने पर प्रवेश की अंतिम तिथि के बाद प्रवेश चाहने वाले उनके पुत्र-पुत्रियों को स्थान रिक्त होने पर ही सत्र के दौरान प्रवेश दिया जाये किन्तु इसके लिए कर्मचारी द्वारा कार्यभार छोड़ने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना एवं आवेदक का प्रवेश हेतु निर्धारित अंतिम तिथि के पूर्व अन्य महाविद्यालय में प्रवेश होने की स्थिति में ही प्रवेश दिया जायेगा।

स्पष्टीकरण :-

आवेदक के ने किसी अन्यत्र स्थान (अ) के महाविद्यालय में नियमानुसार किसी कक्षा में प्रवेश लिया था। उसके बाद उसके पालक का स्थानांतरण स्थान 'ब' में हो गया, इस स्थान (ब) के जायेगा। आवेदक 'ख' ने स्थान (अ) में जहाँ उसके पालक कार्यरत थे, किसी भी स्थान महाविद्यालय में प्रवेश नहीं लिया किन्तु पालक के स्थान (ब) पर स्थानांतरण होते ही, स्थान महाविद्यालय में प्रवेश लेना चाहता है, अतः अब प्रवेश के लिए निर्धारित अंतिम (ब) के किसी महाविद्यालय में प्रवेश लेना चाहता है, अतः अब प्रवेश के लिए निर्धारित अंतिम

- 2.2 तिथि निकल जाने के बाद आवेदक (ख) को प्रवेश नहीं दिया जा सकता।
 पुनर्मूल्यांकन / पुनर्गणना में उत्तीर्ण छात्रों के लिए प्रवेश की अंतिम तिथि निर्धारित करना :-
 पुनर्मूल्यांकन / पुनर्गणना में उत्तीर्ण छात्रों को विधि संकाय के अतिरिक्त अन्य संकायों के पुनर्मूल्यांकन / पुनर्गणना में उत्तीर्ण छात्रों को पुनर्मूल्यांकन / पुनर्गणना के परिणाम घोषित होने के 15 दिन तक, सबैधित विश्वविद्यालय के कुलपति की अनुमति के पश्चात् गुणानुक्रम में आने पर प्रवेश की पात्रता होगी। किन्तु विधि संकाय की कक्षाओं में गुणानुक्रम के आधार पर प्रवेश की पात्रता होने पर भी महाविद्यालय में स्थान रिक्त होने पर ही प्रवेश दिया जायेगा। 12 वीं कक्षा में पुनर्मूल्यांकन / पुनर्गणना में स्थान रिक्त होने पर भी रस्ता रिक्त होने पर नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।
 उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को भी स्थान रिक्त होने पर नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।

प्रवेश संख्या का निर्धारण :-

- 3.1 महाविद्यालयों में उपलब्ध साधनों तथा कक्षा में बैठने की व्यवस्था, प्रयोगशाला में उपलब्ध उपकरण / उपयोग योग्य सामग्री एवं स्टाफ की उपलब्धता आदि के आधार पर स्वीकृत छात्र संख्या (सीट) अन्तर्गत ही विभिन्न कक्षाओं के लिए छात्रों को प्रवेश दिया जावेगा। यदि प्राचार्य संख्या (सीट) अन्तर्गत ही छात्र संख्या में सीट की वृद्धि चाहते हैं तो वे 30 अप्रैल तक अपना महाविद्यालय में प्रवेश हेतु छात्र संख्या को प्रेषित करें तथा "उच्च शिक्षा संचालनालय / उच्च शिक्षा प्रस्ताव उच्च शिक्षा संचालनालय को प्रेषित करें तथा "उच्च शिक्षा संचालनालय / उच्च शिक्षा विभाग से अनुमति प्राप्त होने पर ही बढ़े हुए स्थान के अनुसार प्रवेश की कार्यवाही करें।"
- 3.2 विभाग से अनुमति प्राप्त होने पर ही बढ़े हुए स्थान के अनुसार प्रवेश की कार्यवाही करें। विधि स्नातक प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष एवं पंचवर्षीय पाठ्यक्रम वी.एल.एल.बी. की कक्षाओं में बार कौसिल द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार अधिकतम 80 विद्यार्थियों को ही प्रति सेवशन (अधिकतम 4 सेवशन) में प्रवेश गुणानुक्रम के आधार पर दिया जावे।
- 3.3 सम्बद्ध विश्वविद्यालय / स्वशासी महाविद्यालय द्वारा प्रत्येक कक्षा के लिए अध्यापन के विषय / विषय समूह का निर्धारण किया गया है। प्राचार्य अपने महाविद्यालयों में उन्हीं निर्धारित विषय / विषय समूह में निर्धारित प्रवेश संख्या के अनुसार ही प्रत्येक कक्षा में आवेदकों को प्रवेश देंगे।

Sarkam

प्रवेश सूची :-

- 1.1 प्राचार्य द्वारा प्रवेश शुल्क जमा करने की निर्धारित अंतिम तिथि की सूचना देते हुए, प्रवेश हेतु चर्चानित विद्यार्थियों की अर्हकारी परीक्षा में प्राप्तांकों एवं जहां अधिभार देय है, वहां अधिभार देकर कुल प्राप्तांकों की गुणानुक्रम सूची, प्रतिशत अंक सहित, सूचना पटल पर लगाई जायेगी।
- 1.2 प्रवेश समिति द्वारा आवश्यक संलग्न प्रमाण पत्रों की प्रतियों को मूल प्रमाण पत्रों से मिलान कर प्रमाणित किये जाने एवं स्थानांतरण प्रमाण-पत्र की मूल प्रति जमा करने के पश्चात् ही प्रवेश-प्रमाणित किये जाने एवं स्थानांतरण प्रमाण-पत्र के तत्काल बाद स्थानांतरण प्रमाण-पत्र शुल्क जमा करने की अनुमति दी जायेगी। प्रवेश देने के तत्काल बाद स्थानांतरण प्रमाण-पत्र पर "प्रवेश दिया गया" की मोहर लगाकर उसे रद्द करना चाहिये।
- 1.3 निर्धारित शुल्क जमा करने पर ही महाविद्यालय में प्रवेश मान्य होगा। प्रवेश के पश्चात् निर्धारित शुल्क जमा करने की अनुमति दी जायेगी। प्रवेश के पश्चात् निरस्त स्थानांतरण प्रमाण-पत्र की मूल प्रति को निरस्त की सील लगाकर अनिवार्य रूप से निरस्त कर दिया जाये।
- 1.4 घोषित प्रवेश सूची की शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि के बाद स्थान रिक्त होने पर सभी रक्षाओं में नियमानुसार प्रवेश हेतु विलग्न शुल्क रूपये 100/- अशासकीय मद में अतिरिक्त रूप से दसूला जायेगा, तथापि ऐसे प्रकरणों में 15 सितम्बर के पश्चात् प्रवेश की अनुमति नहीं दी जायेगी।
- 1.5 स्थानांतरण प्रमाण-पत्र की द्वितीय प्रति (डुप्लीकेट) के आधार पर प्रवेश नहीं दिया जाये। स्थानांतरण प्रमाण-पत्र खो जाने की स्थिति में, विद्यार्थी द्वारा निकटस्थ पुलिस थाने में एफ.आई.आर. दर्ज किया जाये। पुलिस थाने की रिपोर्ट एवं पूर्व प्रवेश प्राप्त संस्था से अधिकृत होने की स्थिति में ही प्रवेश दिया जा सकता है। इस हेतु विद्यार्थी से बचन पत्र लिया जाये।
- 1.6 महाविद्यालय के प्राचार्य स्थानांतरण-प्रमाण-पत्र जारी करने के साथ-साथ छात्र से संबंधित गोपनीय रिपोर्ट जारी करेंगे कि संबंधित छात्र रेगिस्ट्रेशन/अनुशासनहीनता/तोड़फोड़ आदि में संलिप्त है या नहीं। ऐसे गोपनीय रिपोर्ट को सीलबन्द लिफाफे में बन्द कर उस महाविद्यालय के प्राचार्य को प्रेषित करेंगे जहां कि छात्र/छात्रा ने प्रवेश के लिए आवेदन किया है।
- 1.7 "राज्य शासन, द्वारा, शासकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत् स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं को शिक्षण शुल्क से छूट प्रदान की गई है। अतः उक्त निर्देशों का पालन किया जाए।
5. प्रवेश की पात्रता :-
- 5.1 निवासी एवं अर्हकारी परीक्षा :-
- (क) छत्तीसगढ़ के मूल/स्थायी, छत्तीसगढ़ में स्थायी संपत्तिधारी निवासी/राज्य या केन्द्र सरकार के शासकीय कर्मचारी, अर्धशासकीय कर्मचारी तथा प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कर्मचारी, राष्ट्रीयकृत बैंकों तथा भारत सरकार द्वारा संचालित व्यावसायिक संगठनों के कर्मचारी जिनका पदांकन छत्तीसगढ़ में है, उनके पुत्र/पुत्रियों एवं जम्मू काश्मीर के

११८

विस्थापितों तथा उनके आश्रितों को ही शासकीय महाविद्यालयों में प्रवेश दिया जायेगा। उपरोक्तानुसार प्रवेश देने के पश्चात् भी स्थान रिक्त होने पर अन्य राज्यों के मान्यता प्राप्त बोर्ड एवं अहंकारी परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को नियमानुसार गुणानुक्रम के आधार पर प्रवेश दिया जा सकता है।

- (ख) सम्बद्ध विश्वविद्यालय से या सम्बद्ध विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/बोर्ड से अहंकारी परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को ही महाविद्यालय में प्रवेश की पात्रता होगी।
- (ग) आवश्यकतानुसार संबंधित विश्वविद्यालय से पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के पश्चात् ही आवेदक को प्रवेश प्रदान किया जाए।

5.2 स्नातक स्तर, नियमित प्रवेश :-

- (क) 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को स्नातक प्रथम वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी। किन्तु वाणिज्य और कला संकाय के आवेदकों को विज्ञान संकाय में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। बी.एस.सी. (गृह विज्ञान) प्रथम वर्ष में किसी भी संकाय से उत्तीर्ण छात्रा को प्रवेश की पात्रता होगी। व्यवसायिक पाठ्यक्रम से 12 वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को केवल कला संकाय में प्रवेश की पात्रता होगी। परंतु यदि अभ्यार्थी ने वाणिज्य संकाय के विषयों से अध्ययन किया हो तो उसे वाणिज्य संकाय में प्रवेश की पात्रता होगी। इसी प्रकार 10+2 परीक्षा कृषि संकाय से उत्तीर्ण आवेदकों को विज्ञान संकाय अथवा बी.एस.सी. (बायो/गणित समूह) प्रथम वर्ष में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।
- (ख) स्नातक स्तर पर प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को उन्हीं विषयों की कमशः द्वितीय/तृतीय वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी। स्नातक द्वितीय स्तर पर विषय परिवर्तन की पात्रता नहीं होगी।

5.3 स्नातकोत्तर स्तर नियमित प्रवेश :-

- (क) बी.कॉम./बी.एस.सी. (गृह विज्ञान)/बी.ए. स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को कमशः एम.कॉम./एम.एस.सी. (गृह विज्ञान)/एम.ए.- प्रथम सेमेस्टर एवं अहंकारी विषय लेकर बी.एस.सी उत्तीर्ण आवेदकों को एम.एस.-सी/एम.ए.-प्रथम सेमेस्टर में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी। एम.ए. प्रथम सेमेस्टर/पूर्व-भूगोल में उन्हीं विद्यार्थियों को प्रवेश की पात्रता होगी जिन्होंने स्नातक स्तर पर भूगोल विषय का अध्ययन किया हो। उपरोक्त के अतिरिक्त अर्हता के संबंध में संकाय की स्थिति में संबंधित विश्वविद्यालय के संबंधित अध्यादेश में चलानेखित प्रावधान/अर्हता ही बंधनकारी होंगे।
- (ख) स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष उत्तीर्ण आवेदकों को उसी विषय के स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी। सेमेस्टर पद्धति की, पूर्व अहंकारी परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को अगले सेमेस्टर में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।
- (ग) स्नातकोत्तर कक्षाओं हेतु ए.टी.के.टी. (Allowed To Keep Terms) नियम :-
 1. स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में प्रावधिक प्रवेश की पात्रता रखने वाले आवेदकों को प्रवेश के लिए निर्धारित अतिम तिथि के पूर्व प्रावधिक प्रवेश लेना अनिवार्य है।
 2. स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर में ए.टी.के.टी. (Allowed To Keep Terms) नियमों के अनुसार पात्र आवेदकों को अगले सेमेस्टर में प्रावधिक प्रवेश की पात्रता होगी।

विधि संकाय नियमित प्रदेश :-

- विधि सकाय नियमित प्रवेश :-**

 - (क) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को विधि स्नातक प्रथम वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।
 - (ख) विधि स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को एल.एल.एम. प्रथम वर्ष में नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।
 - (ग) एल.एल.बी. प्रथम सेमेस्टर एवं एल.एल.एम. प्रथम सेमेस्टर परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को कमश एल.एल.बी. द्वितीय सेमेस्टर एवं एल.एल.एम. द्वितीय सेमेस्टर में प्रवेश की पात्रता होगी। इसी प्रकार तृतीय, चतुर्थ, पंचम सेमेस्टर में भी प्रवेश की यही प्रक्रिया लागू होगा।

55 प्रवेश हेतु अर्हकारी परीक्षा में न्यूनतम अंक सीमा :-

- प्रवेश हेतु अहकारी परीक्षा में न्यूनतम अंक सामा :-
 (क) विधि स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु न्यूनतम अंक सीमा 45% (अनुसूचित जनजाति / अनुसूचित जाति हेतु 40%, अन्य पिछड़ा वर्ग 42% होगी। तथा विधि स्नातकोत्तर पूर्वाद्वि में 55% अंक (अनुसूचित जनजाति / अनुसूचित जाति / ओ.बी.सी. हेतु 50%) प्राप्त आवेदकों को नियमित प्रवेश की पात्रता होगी।

56 हेतु 50%) प्राप्त आयेदकों को नियामित प्रवेश का भाग रहा है। AICTE/NCTE/BAR COUNCIL OF INDIA/MEDICAL COUNCIL OF INDIA से अनुमोदित पाठ्यक्रमों में प्रवेश / संचालन पर संबंधित संस्था के प्रावधान प्रभावी होंगे।

समकक्ष परीक्षा :-

6. समकक्ष परीक्षा :-
 6.1 सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी एजुकेशन (सी.बी.एस.ई.), इंडियन कॉर्सिल फार सेकेण्डरी एजुकेशन (आई.सी.एस.ई.) तथा अन्य राज्यों के विद्यालयों/इंटरमीडिएट बोर्ड की 10+2 की परीक्षाएं माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 10+2 परीक्षा के समकक्ष मान्य है। प्राचार्य, मान्य बोर्ड की सूची सम्बद्ध विश्वविद्यालयों से प्राप्त कर सकते हैं।

6.2 सामान्यतः भारत में स्थित विश्वविद्यालयों जो भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटी) के सदस्य हैं, उनकी समर्त परीक्षाएं छत्तीसगढ़ के विश्वविद्यालय की परीक्षा के अनुदान आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य के बाहर के किसी भी विश्वविद्यालय अथवा शैक्षणिक संस्था को छत्तीसगढ़ राज्य में अध्ययन केन्द्र/ऑफ कैम्पस आदि खोलकर छात्र-छात्राओं को प्रवेश देने/डिग्री देने की मान्यता नहीं है तथा ऐसी संस्थाओं से डिग्री/डिप्लोमा वैधानिक रूप से मान्य नहीं होगा।

6.3 संस्थाओं से डिग्री/डिप्लोमा वैधानिक रूप से मान्य नहीं होगा। सम्बद्ध विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय का शिक्षण संस्थाओं की सूची एवं विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय का शिक्षण संस्थाओं की सूची एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय-समय पर जारी कर्जी अथवा मान्यता विहीन विश्वविद्यालय या शिक्षण संस्थाओं, जिनकी उपाधि मान्य नहीं है, की जानकारी प्राचार्य सम्बद्ध विश्वविद्यालय से प्राप्त करें।

विश्वविद्यालय से प्राप्त कर।
6.4 वर्ष 2012 में प्रारंभ किए गए एनवीईक्यूएफ (National Vocational Educational Qualifications Framework) के अंतर्गत उत्तीर्ण आवेदकों को विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में स्नातक

✓ के पाठ्यक्रमों में दाखिलों के लिए अन्य रामान्य विषयों की तुलना में समतुल्य प्राथमिकता प्रदान की जावे।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अन्तर्गत सकारात्मक
1-52 / 2013(सीसी / एनएसक्यूएफ) अप्रैल, 2014 के अनुसार -
प्राप्ति संतुष्टि द्वारा अधिसंचित राष्ट्रीय

1-52 / 2013(सीरीज़ / एनएसक्यूएफ) अप्रैल, 2014 के लिए।

7 बाह्य आवेदकों का प्रवेश :-

7. बाह्य आवेदकों का प्रवेश -

7.1 स्नातक स्तर तक बी.ए./बी.कॉम./बी.एस.-सी./बी.एच.एस.-सी. में एकीकृत पाठ्यक्रम लागू होने से छत्तीसगढ़ के किसी भी विश्वविद्यालय/स्वशासी महाविद्यालय से प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को कमशः द्वितीय/तृतीय वर्ष में प्रवेश की पात्रता है किन्तु सम्बद्ध विश्वविद्यालय/स्वशासी महाविद्यालय में पढ़ाये जा रहे विषयों/विषय समूहों में आवेदकों ने पिछली परीक्षा दी हो इसका परीक्षण करने के पश्चात ही नियमित प्रवेश दिया जावे। आवश्यक हो तो विश्वविद्यालय से पात्रता प्रमाण-पत्र अवश्य लिया जाये।

7.2 छत्तीसगढ़ के बाहर स्थित विश्वविद्यालय/स्वशासी महाविद्यालयों से स्नातक स्तर की प्रथम/द्वितीय परीक्षा अन्य विश्वविद्यालय/स्वशासी महाविद्यालयों से स्नातकोत्तर पूर्ण की परीक्षा या प्रथम, द्वितीय, तृतीय सेमेस्टर परीक्षा एवं विधि स्नातक स्तर की प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को उनके द्वारा सम्बद्ध विश्वविद्यालयों से पात्रता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने के पश्चात ही उन्हीं विषयों/विषय समूह की अगली कक्षा में नियमित प्रवेश दिया जावे।

[Signature]

राज्य के बाहर के विद्यार्थियों को निर्धारित प्रारूप में एक शपथ-पत्र देना होगा किसी भी प्रकार की झूठी/गलत जानकारी पाए जाने पर संबंधित विद्यार्थी का प्रवेश निरस्त करते हुए उसे प्रदेश के किसी भी विश्वविद्यालय में प्रवेश से वंचित कर दिया जाएगा। अन्य राज्य के आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों का प्रमाणीकरण संबंधित बोर्ड/विश्वविद्यालय से कराया जाना अनिवार्य है।

- 7.3 विज्ञान एवं अन्य प्रायोगिक विषयों में स्वाध्यायी आवेदकों को स्थान रिक्त होने पर तथा महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्रों को 30 नवंबर तक, निर्धारित शुल्क लेकर मात्र प्रायोगिक कार्य करने की अनुमति प्राचार्य द्वारा दी जा सकती है।
8. अस्थायी प्रवेश की पात्रता रखने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश हेतु निर्धारित अंतिम तिथि के पूर्व अस्थायी प्रवेश लेना अनिवार्य होगा :—
- 8.1 स्नातक स्तर की प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा में पूरक परीक्षा (कम्पार्टमेंट) प्राप्त नियमित आवेदकों को अगली कक्षा में स्थान रिक्त होने पर अस्थायी प्रवेश की पात्रता होगी।
- 8.2 स्नातकोत्तर सेमेस्टर प्रथम/द्वितीय/तृतीय में पूरक/एटी-केटी प्राप्त आवेदकों को अगली कक्षा में अस्थायी प्रवेश की पात्रता होगी।
- 8.3 विधि स्नातक त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम एल.एल.बी. के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में निर्धारित एग्री�ेट 48 प्रतिशत पूरा न करने वाले या पूरक प्राप्त आवेदकों को अगली कक्षा में अस्थायी प्रवेश की पात्रता होगी।
- 8.4 उपरोक्त कड़िका 7 के खण्ड 1 एवं 2 के आवेदकों को अस्थायी प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
- 8.5 पूरक परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर अस्थायी प्रवेश प्राप्त छात्र/छात्राओं का अस्थायी प्रवेश स्वतः निरस्त हो जायेगा। उत्तीर्ण होने पर अस्थायी प्रवेश नियमित प्रवेश के रूप में मान्य किया जावेगा।
- 9 प्रवेश हेतु अहंताएँ :—
- 9.1 किसी भी महाविद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के किसी संकाय में प्रवेश प्राप्त छात्र/छात्राओं को उसी संकाय की उसी कक्षा में आगामी वर्ष/ वर्षों में पुनः नियमित प्रवेश की पात्रता नहीं होगी। यदि किसी छात्र ने पूर्व सत्र में आवेदित कक्षा में नियमित प्रवेश नहीं लिया हो तो ऐसा आवेदक नियमित प्रवेश हेतु अनहं नहीं माना जावेगा, उसे मात्र मूल स्थानांतरण प्रमाण-पत्र तथा शपथ-पत्र जिससे प्रमाणित हो कि पूर्व में उसने प्रवेश नहीं लिया है, के आधार पर ही नियमानुसार प्रवेश दिया जावेगा।
- 9.2 जिनके विरुद्ध न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया गया हो या न्यायालय में अपराधिक प्रकरण चल रहे हों, परीक्षा में या पूर्व सत्र में छात्र/अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ दुर्घटनाएँ/मारपीट करने के गंभीर आरोप हो/चेतावनी के बाद भी सुधार परिलक्षित नहीं हुआ हो, ऐसे छात्र/छात्राओं को प्रवेश नहीं देने के लिए प्राचार्य अधिकृत हैं।
- 9.3 महाविद्यालय में लोडफोड करने और महाविद्यालय की संपत्ति को नष्ट करने वाले/रेगिंग के आरोपी छात्र/छात्राओं का प्रवेश निरस्त करने/प्रवेश न देने के लिए प्राचार्य अधिकृत हैं। प्राचार्य इस हेतु समिति गठित कर जॉच करवायें एवं जॉच रिपोर्ट के आधार पर प्रवेश निरस्त

किया जाये। ऐसे छात्र-छात्राओं को स्नातीसामग्र राज्य के किसी भी शासकीय/अशासकीय महाविद्यालय में प्रवेश न दिया जावे।

9.4 प्रवेश हेतु आयु-सीमा :-

- (क) स्नातक प्रथम वर्ष से 22 वर्ष एवं स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में 27 वर्ष से अधिक आयु के आवेदकों को प्रवेश की पात्रता नहीं होगी। आयु की गणना आवेदित वर्ष के एक जुलाई की स्थिति में की जायेगी। डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा में प्रवेश हेतु निर्धारित अधिकतम आयु सीमा 27 वर्ष मान्य की जाएगी।
- (ख) आयु सीमा का बंधन किसी भी राज्य सरकार/भारत सरकार के मंत्रालय/ कार्यालय तथा उनके द्वारा नियंत्रित संस्थाओं द्वारा प्रायोजित व अनुशसित प्रत्याशियों, भारत सरकार द्वारा आयोजित अथवा किसी विदेश सरकार द्वारा अनुशसित विदेश से अध्ययन हेतु भेजे गये छात्रों अथवा विदेश से अध्ययन के लिए विदेशी मुद्रा में पेंटसीट पर अध्ययन करने वाले छात्रों पर लागू नहीं होगा।
- (ग) विधि संकाय में प्रवेश हेतु अधिकतम आयु सीमा का प्रावधान समाप्त किया जाता है।
- (घ) सरकृत महाविद्यालय में प्रवेश हेतु स्नातक प्रथम वर्ष में 25 वर्ष तथा स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में 27 वर्ष से अधिक आयु वाले आवेदकों को प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
- (ङ) विधि संकाय को छोड़कर अनुसूचित जनजाति/पिछड़ा वर्ग/ /महिला आवेदकों के लिए आयु सीमा में 3 वर्ष की छूट रहेगी। निःशक्त अभ्यर्थी/ आवेदकों के लिए आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट रहेगी।
- 9.5 पूर्णकालिक शासकीय/अशासकीय सेवारत कर्मचारी की उसकी दैनिक कार्य की अवधि में लगने वाले महाविद्यालय में नियमित प्रवेश की पात्रता नहीं होगी। दैनिक कर्तव्य अवधि के उपरात लगने वाले महाविद्यालय में प्रवेश हेतु आवेदन करने पर आवेदक द्वारा नियोक्ता का अनापत्ति प्रभाण—पत्र प्रस्तुत करने के बाद ही प्रवेश दिया जावेगा।
- 9.6 किसी संकाय में स्नातक उपाधि प्राप्त छात्र/छात्राओं को किसी अन्य संकायों के स्नातक पाठ्यक्रम में नियमित प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
10. प्रवेश हेतु गुणानुक्रम का निर्धारण :-
- 10.1 उपलब्ध स्थानों से अधिक आवेदक होने पर प्रवेश निम्नानुसार गुणानुक्रम से किया जायेगा।
- (क) स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश हेतु अहकारी परीक्षा के प्राप्तांक एवं अधिभार देय है, तो अधिभार जोड़कर प्राप्त कुल प्रतिशत अंकों के आधार पर तथा
- (ख) विधि स्नातक प्रथम वर्ष में सम्बद्ध विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा का प्रावधान हो तो विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुसार होगी।
- 10.2 अनारक्षित एवं आरक्षित श्रेणी के लिये अलग—अलग गुणानुक्रम सूची तैयार की जावेगी।
11. प्रवेश हेतु प्राथमिकता :-
- 11.1 स्नातक/स्नातकोत्तर/विधि कक्षाओं में प्राथमिकता का आधार अहकारी परीक्षा के प्राप्तांक के आधार पर प्रावीण्य सूची तैयार की जावेगी।

- स्नातक/स्नातकोत्तर अगली कक्षाओं में प्राथमिकता का आधार, अहंकारी परीक्षा में उत्तीर्ण नियमित/उत्तीर्ण भूतपूर्व नियमित/एक विषय में पूरक प्राप्त पूर्व सत्र के नियमित/स्थायिक विद्यार्थियों के क्रम में होगा।
- 11.3 विधि संकाय की अगली कक्षाओं में पूरक छात्रों के पहले उत्तीर्ण, परंतु 48 एव्रीगेट प्राप्त करने वाले छात्रों को प्राथमिकता के आधार पर प्रवेश दिया जावे, अन्य कम यथावत रहेगा।
- 11.4 स्नातक सत्र के त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रदेश के लिए प्रदेश के किसी भी महाविद्यालय में प्रदेश के अन्य स्थानों/तहसीलों/जिलों के निवासरत अथवा परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले आवेदक विद्यार्थियों को भी गुणानुक्रम से प्रवेश दिया जाए।
- 11.5 किसी एक विषय की स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थी को अन्य विषय की स्नातकोत्तर कक्षा में प्रवेश महाविद्यालय में स्थान रिक्त रहने की स्थिति में ही दिया जा सकेगा।
- 12 आरक्षण—छत्तीसगढ़ शासन की आरक्षण नीति के अनुरूप निम्नानुसार होगा :-
- 12.1 प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में प्रवेश में सीटों का आरक्षण तथा किसी शैक्षणिक संस्था में इसका विस्तार निम्नलिखित रीति से होगा, अर्थात् :-
 (क) अध्ययन या संकाय की प्रत्येक शाखा में वार्षिक अनुज्ञाप्त संख्या में से बत्तीस प्रतिशत सीटें अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रहेंगी।
 (ख) अध्ययन या संकाय की प्रत्येक शाखा में वार्षिक अनुज्ञाप्त संख्या में से बारह प्रतिशत सीटें अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित रहेंगी।
 (ग) अध्ययन या संकाय की प्रत्येक शाखा में वार्षिक अनुज्ञाप्त संख्या में से छोड़ प्रतिशत सीटें अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित रहेंगी। परन्तु, जहाँ अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटें पात्र विद्यार्थियों की अनुपलब्धता के कारण अंतिम तिथियों पर रिक्त रह जाती हैं, तो इसे अनुसूचित जातियों से तथा विपरीत कम में पात्र विद्यार्थियों में से भरा जाएगा।
 (क) परन्तु यह और कि पूर्वगामी परतुक में निर्दिष्ट व्यवस्था के पश्चात् भी, जहाँ खण्ड (क), (ख) तथा (ग) के अधीन आरक्षित सीटें, अंतिम तिथियों पर रिक्त रह जाती हैं, तो इसे अन्य पात्र विद्यार्थियों से भरा जाएगा।
- 12.2 (1) विन्दु क. 12.1 के खण्ड (क), (ख) तथा (ग) के अधीन उपलब्ध सीटों का आरक्षण उद्घाधर (वर्णकल) रूप से अवधारित किया जाएगा।
 (2) निःशक्ति व्यक्तियों, महिलाओं, भूतपूर्व कार्मिकों/भूतपूर्व सैनिक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बच्चों या व्यक्तियों के अन्य विशेष वर्गों के संबंध में क्षेत्रिज आरक्षण के प्रतिशत ऐसा होगा, जैसा कि राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर इस अधिनियम के प्रयोजनों के लिए अधिसूचित किया जाए तथा यह विन्दु क. 12.1 के खण्ड (क), (ख) तथा (ग) के अधीन यथास्थिति, उद्घाधर आरक्षण के भीतर होगा।
 (3) स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के पुत्र-पुत्रियों, पौत्र, पोत्रियों और नाती/नातिन के लिए प्रतिशत स्थान आरक्षित रहेंगे। निःशक्ति श्रेणी के आवेदकों के लिए 5 प्रतिशत स्थान आरक्षित रहेंगे।
- 12.3 3 प्रतिशत स्थान आरक्षित रहेंगे। निःशक्ति श्रेणी के आवेदकों के लिए 5 प्रतिशत स्थान आरक्षित रहेंगे।

मेरठ

12. रामी वर्गों में उपलब्ध स्थानों में से 30 प्रतिशत स्थान छात्राओं के लिये आरक्षित होगे। आरक्षित श्रेणी का कोई उम्मीदवार अधिक अंक पाने के कारण अनारक्षित श्रेणी ओपन काम्पीटीशन में नियमानुसार मेरिट सूची में रखा जाता है, तो आरक्षित श्रेणी की सीटें यथावत् अप्रभावित रहेगी, परन्तु यदि ऐसा विद्यार्थी किसी संवर्ग जैसे— स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आदि का भी है तो संवर्ग की यह सीट उस आरक्षित श्रेणी में भरी मानी जावेगी, शेष संवर्ग की सीटें भरी जायेगी।
- 12.6 आरक्षित स्थान का प्रतिशत 1/2 से कम आता है तो आरक्षित स्थान उपलब्ध नहीं होगा, 1/2 प्रतिशत एवं एक प्रतिशत के बीच आने पर आरक्षित स्थान की संख्या एक होगी।
- 12.7 जम्मू-कश्मीर विस्थापितों तथा आश्रितों को 5 प्रतिशत तक सीट वृद्धि कर प्रवेश दिया जाए तथा न्यूनतम अंक में 10 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी।
- 12.8 समय—समय पर शासन द्वारा जारी आरक्षण नियमों का पालन किया जाये।
- 12.9 कड़िका 12.1 में दर्शाई गई आरक्षण के प्रावधान माननीय उच्च न्यायालय विलासपुर के निर्णय के अध्यधीन रहेगा।
- 12.10 तृतीय लिंग के व्यक्तियों को माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा इस संबंध में प्रकरण क्रमांक डब्ल्यू.पी.(सी) 400/2012 नेशनल लीगल सर्विसेस अर्थोरिटी विरुद्ध भारत सरकार एवं अन्य में पारित निर्णय दिनांक 15.04.2014 की कड़िका 129(3) में यह निर्देश दिया गया है कि— "We direct the Centre and the State Government to take Steps to treat them as socially and educationally backward classes of citizens and extend all kinds of reservation in cases of admission in educational institutions and for public appointments." का कड़ाई से पालन किया जाए।
13. अधिभार :—
- अधिभार मात्र गुणानुक्रम निर्धारण के लिये ही प्रदान किया जायेगा, पात्रता प्राप्ति हेतु इसका उपयोग नहीं किया जायेगा। अहंकारी परीक्षा के प्राप्ताकों के प्रतिशत पर ही अधिभार देय होगा, अधिभार हेतु समस्त प्रमाण-पत्र प्रवेश आवेदन-पत्र के साथ सलग्न करना अनिवार्य है। आवेदन-पत्र जमा करने के पश्चात् बाद में लाये जाने/जमा किये जाने वाले प्रमाण-पत्रों पर अधिभार हेतु विवार नहीं किया जायेगा, एक से अधिक अधिभार प्राप्त होने पर मात्र सर्वाधिक अधिभार ही देय होगा।
- 13.1 एन.सी.सी./एन.एस.एस./स्काउट्स
 रकाउट्स शब्द को स्काउट्स/गाइड्स/रेन्जर्स/शेवर्स के अर्थ में पढ़ जावे।
- | | |
|---|------------|
| (क) एन.एस.एस./एन.सी.सी. "ए" सर्टिफिकेट | 02 प्रतिशत |
| (ख) एन.एस.एस./एन.सी.सी. "बी" सर्टिफिकेट | 03 प्रतिशत |
| या द्वितीय सोपान उत्तीर्ण स्काउट्स | |
| (ग) "सी" सर्टिफिकेट या द्वितीय सोपान उत्तीर्ण स्काउट्स | 04 प्रतिशत |
| (घ) राज्य स्तरीय संचालनालयीन एन.सी.सी. प्रतियोगिता में ग्रुप का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्रों को | 04 प्रतिशत |
-

05 प्रतिशत

- (क) नई दिल्ली के गणतांत्र दिवस परेड में छत्तीसगढ़ के एन.सी.सी./एन.एस.एस. कटिन्जेन्स में भाग लेने वाले विद्यार्थी को 05 प्रतिशत
- (घ) राज्यपाल स्काउट्स 10 प्रतिशत
- (ज) राष्ट्रपति स्काउट्स 10 प्रतिशत
- (झ) छत्तीसगढ़ का सर्वश्रेष्ठ एन.सी.सी. कैडेट 10 प्रतिशत
- (य) ड्यूक ऑफ एडिनवर्ग अवार्ड प्राप्त एन.सी.सी. कैडेट भारत एवं अन्य राष्ट्रों के मध्य यूथ एक्सचेज प्रोग्राम में भाग लेने वाले कैडेट, एन.सी.सी./एन.एस.एस. के लिए 15 प्रतिशत
- (र) भारत एवं अन्य राष्ट्रों के मध्य यूथ एक्सचेज प्रोग्राम में भाग लेने वाले कैडेट को, अन्तर्राष्ट्रीय चयनित एवं प्रवास करने वाले कैडेट को, अन्तर्राष्ट्रीय जम्बूरी के लिये चयनित होने वाले विद्यार्थियों को 10 प्रतिशत
- 13.2 आनंद विषय पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण विद्यार्थी को स्नातकोत्तर कक्षा में उसी विषय में प्रवेश लेने पर

कक्षा में उसी विषय में प्रवेश लेने पर 13.3 खेलकूद / साहित्यिक / सास्कृतिक / विचार / रूपांकन प्रतियोगिताएँ :-

- (1) लोक शिक्षण संचालनालय अथवा छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित अंतर जिला, संभाग स्तर अथवा केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित अंतर संभाग / क्षेत्र स्तर प्रतियोगिता में :-

- (क) प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त टीम के प्रत्येक सदस्य को 02 प्रतिशत
 (ख) व्यक्तिगत प्रतियोगिता में उपर्युक्त स्थान प्राप्त करने वाले को 04 प्रतिशत
 (2) उपर्युक्त कडिका 13.3 (1) में उल्लेखित विभाग / संचालनालय द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय, अन्तर्संभाग राज्य स्तर अथवा केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अथवा भारतीय विश्वविद्यालय संघ एआई.यू. द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में अथवा संसदीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित क्षेत्रीय प्रतियोगिता में :-

- (क) प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त टीम के प्रत्येक सदस्य को 06 प्रतिशत
 (ख) व्यक्तिगत प्रतियोगिता में उपर्युक्त स्थान प्राप्त करने वाले को 07 प्रतिशत
 (ग) संभाग / क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतियोगी को 05 प्रतिशत
 (3) भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा आयोजित, संसदीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में :-
 (क) व्यक्तिगत प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 15 प्रतिशत
 (ख) प्रथम, द्वितीय अथवा तृतीय स्थान अर्जित करने वाली टीम के सदस्यों को 12 प्रतिशत
 (ग) क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतियोगी को 10 प्रतिशत

	रत एवं अन्य राष्ट्रों के मध्य यूथ अथवा साईंस एवं कल्यान	
	एक्सचेज प्रोग्राम के तहत विज्ञान/सारकृतिक/साहित्यिक/ कला क्षेत्र में चयनित एवं प्रवास करने वाले दल के सदस्यों को	10 प्रतिशत
13.5	छत्तीसगढ़ शासन/म.प्र. से मान्यता प्राप्त खेल संघों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में - (क) छत्तीसगढ़/म.प्र. का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम के सदस्य को	10 प्रतिशत
	(ख) प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छत्तीसगढ़ की टीम के सदस्यों को	12 प्रतिशत
13.6	जम्मू-कश्मीर के विस्थापितों तथा उनके आश्रितों को	01 प्रतिशत
13.7	विशेष प्रोत्साहन :- छत्तीसगढ़ राज्य एवं महाविद्यालय के हित में एन.सी.सी./खेलकूद को प्रोत्साहन देने के लिए एन.सी.सी. के राष्ट्रीय स्तर के सर्वश्रेष्ठ कैडेट्स तथा ओलम्पियाड/एशियाड/स्पोर्ट्स अथारिटी ऑफ इंडिया द्वारा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित खेल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को बगैर गुणानुक्रम के आगामी शिक्षा सत्र में उन कक्षाओं में सीधे प्रवेश दिया जाए जिनकी उन्हें पात्रता है कि :- (1) इस प्रकार के प्रमाण-पत्रों को संचालक, खेल एवं युवक कल्याण, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अभिप्राप्ति किया गया हो, एवं (2) यह सुविधा केवल उन्ही अभ्यार्थियों को मिलेगी जिन्होंने निर्धारित समयावधि के अंतर्गत अपना अभ्यावेदन महाविद्यालय में प्रस्तुत किया है, परन्तु इस प्रकार की सुविधा दूसरी बार प्राप्त करने के लिए उन्हें उपलब्ध पुनः प्राप्त करना आवश्यक होगा।	
13.8	प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु रक्कूल स्तर के पिछले चार कमिक सत्र तक के प्रमाण-पत्र स्नातकोत्तर प्रथम या विधि प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु विगत तीन कमिक सत्र तक के प्रमाण-पत्र अधिभार हेतु मान्य किये जायेंगे। स्नातक द्वितीय, तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष में प्रवेश हेतु पूर्व सत्र के प्रमाण-पत्र अधिभार हेतु मान्य होंगे।	
14	संकाय/विषय/ग्रुप परिवर्तन :- स्नातक/स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में अहंकारी परीक्षा के संकाय/विषय/ग्रुप परिवर्तन कर प्रवेश चाहने वाले विद्यार्थियों को उनके प्राप्ताकों से 5 प्रतिशत घटाकर उनका गुणानुक्रम निर्धारित किया जायेगा, अधिभार घटे हुये प्राप्ताकों पर देय होगा। महाविद्यालय में स्नातक/स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में एक बार प्रवेश लेने के बाद बर्तमान सत्र के दौरान संकाय/विषय/ग्रुप परिवर्तन की अनुमति महाविद्यालय के प्राधार्य द्वारा 30 सितंबर तक या विलम्ब से मुख्य परीक्षा परिणाम आने पर कलिका 22 में उल्लेखित प्रवेश की अंतिम तिथि से 15 दिनों तक ही दी जायेगी। यह अनुमति उन्ही विद्यार्थियों को देय होगी जिनके प्राप्ताक संबंधित विषय/संकाय की मूल गुणानुक्रम सूची में अंतिम प्रवेश पाने वाले विद्यार्थी के समकक्ष या उससे अधिक हों।	

M. P. Singh

15. शोध छात्र -

महाविद्यालयों में भी एच-डी के शोध छात्रों को दो वर्ष के लिये प्रवेश दिया जायेगा। मुस्तकालय/प्रायोगिक कार्य अपूर्ण रह जाने की स्थिति में सुपरवाइजर की अनुशासा पर प्राचार्य इस समरादधि को अधिकतम 4 वर्ष कर सकेंगे। छात्र निर्धारित आवेदन पत्र में आवेदन करेंगे, प्रवेश के बाद निर्धारित शुल्क जमा करने के बाद ही नियमित प्रवेश मान्य किया जावेगा। शोध छात्र के लिये संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा भी एच-डी. निर्देशन हेतु महाविद्यालय में पदरथ मान्य प्राचार्यापक सुपरवाइजर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों के अंतर्गत ही अपना शोध कार्य संपादन करेंगे। अध्यारण अवकाश लेकर कोई शिक्षक यदि शोध छात्र के रूप में कार्यरत हैं, तो सक्षम अधिकारी द्वारा प्रेषित उपरिथित प्रमाण-पत्र एवं प्रति तीन माह की कार्य प्रगति रिपोर्ट प्राप्त होने पर ही वेतन आहरण अधिकारी द्वारा शोध शिक्षक का वेतन आहरित किया जायेगा।

महाविद्यालय में पदरथ प्राचार्यापक सुपरवाइजर के अन्यत्र स्थानान्तरण हो जाने की स्थिति में शोध छात्र ऐसी स्थिति में अपना शोध कार्य चालू रख सकते हैं जहां से उनका शोध आवेदन पत्र अग्रेषित किया गया था, शोध कार्य पूर्ण हो जाने के उपरान्त शोध का प्रबंध उसी महाविद्यालयों के प्राचार्य अग्रेषित करेंगे। संबंधित विश्वविद्यालय के शोध अध्यादेश के साथ सहपरित करते हुए लागू होगा।

16. दिशेष :-

- 16.1 जाती प्रमाण-पत्रों, गलत जानकारी, जानबूझकर छिपाये गये प्रतिकूल तथ्यों, प्रशासकीय अथवा निरस्त करने का पूर्ण दायित्व प्राचार्य को होगा।
- 16.2 प्रवेश लेकर किसी समुचित कारण, पूर्व अनुमति या सूचना के बिना लगातार एक माह या अधिक समय तक अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थी को प्रवेश निरस्त करने का अधिकार प्राचार्य को होगा।
- 16.3 प्रवेश के बाद सत्र के दौरान कंडिका 9.2 एवं 9.3 में वर्णित अनुशासनहीनता के प्रकरणों में लिप्त विद्यार्थी का प्रवेश निरस्त करने अथवा उसे निष्कासित करने का अधिकार प्राचार्य को होगा।
- 16.4 प्रवेश के बाद सत्र के दौरान विद्यार्थी द्वारा महाविद्यालय छोड़ देने अथवा उसका प्रवेश निरस्त होने अथवा उसका निष्कासन किये जाने की स्थिति में विद्यार्थी को सरक्षित निधि के अतिरिक्त अन्य कोई शुल्क वापिस नहीं किया जायेगा।
- 16.5 प्रवेश के मार्गदर्शक सिद्धांतों के स्पष्टीकरण या प्रवेश संबंधी किसी प्रकरण में मार्गदर्शन की आवश्यकता होने पर प्राचार्य प्रकरण में अनिवार्य रूप से स्पष्ट टीप व अभिमत देते हुए रस्पष्टीकरण/मार्गदर्शन आयुक्त, उच्च शिक्षा, छत्तीसगढ़, रायपुर से प्राप्त करेंगे, प्रवेश संबंधी किसी भी प्रकरण को केवल अग्रेषित लिखकर प्रेषित न किया जाये।
- 16.6 इन मार्गदर्शक सिद्धांतों में उल्लेखित प्रावधानों की व्याख्या करने का अधिकार आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग को है। इन मार्गदर्शक सिद्धांतों में समय-समय पर परिवर्तन/संशोधन/निरसन/सलग्न का संपूर्ण अधिकार छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय को होगा।

M. P. Tam